



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 6] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 8, 1975 (माघ 19, 1896)
No. 6] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 8, 1975 (MAGHA 19, 1896)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

श्रम मंत्रालय
श्रम ग्युरो

शिमला-4, दिनांक 8 फरवरी 1975

सं० 23/3/74-सी० पी० आई०—दिसम्बर, 1974 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) नवम्बर स्तर से पाँच अंक घट कर 326 (तीन सौ छब्बीस) रहा। दिसम्बर, 1974 माह का सूचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किये जाने पर 396 (तीन सौ छयानवें) आता है।

कृष्ण कुमार भाटिया
निदेशक

उद्योग तथा नागरिक संभरण मंत्रालय

औद्योगिक विकास मंत्रालय

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर 1974

सं० ए० 19018(157)/74—प्रकाशन (राजपत्रित)
विकास आयुक्त (लघु उद्योग) महालेखापाल केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली के कार्यालय के लेखा अधिकारी को विकास आयुक्त लघु उद्योग, नई दिल्ली के कार्यालय में दिनांक 7 दिसम्बर, 1974 पूर्वाह्न से प्रतिनियुक्ति पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

के० वी० नारायणन, निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति और पुनर्वात मंत्रालय

पूर्ति विभाग

राष्ट्रीय परीक्षण गृह अलीपुर

कलकत्ता-27, दिनांक 12 दिसम्बर 1974

सं० जी० 318/ए—राष्ट्रीय परीक्षण गृह अलीपुर के निदेशक ने श्री न० माधवन (जो कि वित्त मन्त्रालय के स्थायी सहायक हैं और सबर्ग हैं और पूर्ति विभाग के भीतरी वित्त विभाग में काम करते हैं) को राष्ट्रीय परीक्षण गृह बम्बई शाखा, बम्बई में सहायक निदेशक (प्रशासन) श्रेणी II, 20-11-74 की सुबह से आगे आदेश तक नियुक्त किया है।

2. श्री न० माधवन ने 20-11-74 की सुबह से राष्ट्रीय परीक्षण गृह बम्बई शाखा, बम्बई में सहायक निदेशक (प्रशासन) श्रेणी II के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एस० के० बोस, उपनिदेशक (रक्षायन)
हुते निदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

सं० प्र-1/1(762)—राष्ट्रपति, भारत कोकिंग कोल लि०

धनबाद में वरिष्ठ क्रम अधिकारी श्री जनार्दन महाय को दिनांक 2 दिसम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II में उप-निदेशक पूर्ति के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० प्र०-1/1(929)—श्री डी० के० डे० सरकार ने डी० जी० ओ० एफ० (रक्षा मंत्रालय) के अधीन हार्डि एक्सप्लोसिव फैक्टरी, फिरकी (पूना) जो कि उनका मूल कार्यालय है में उप प्रबन्धक के पद पर वापस लौटने के कारण 8 नवम्बर 1974 के अपराह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में उप-निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II) का पदभार छोड़ दिया।

सं० प्र-1/1(242)—राष्ट्रपति, पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-I) (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-III) श्री महमान सिंह को दिनांक 30 नवम्बर 1974 के अपराह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान निदेशक बम्बई के कार्यालय में भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II में उप निदेशक पूर्ति के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० 1 प्र-1/ (224) राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में स्थायी निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-I) श्री जे० सी० भंडारी को दिनांक 15 नवम्बर 1974 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक उप महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान कलकत्ता के कार्यालय में उप महानिदेशक (पूर्ति तथा निपटान) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० प्र-1/1(950)—श्री एस० के० बन्दोपाध्याय ने निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के पद पर नियुक्त होने पर दिनांक 30-11-74 के अपराह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) का पदभार छोड़ दिया।

सं० प्र-1/1(903)—श्री एम० एस० सुन्दरेश्वरम ने अपने मूल कार्यालय डी० जी० एफ० एम० एस० (रक्षा मन्त्रालय) को लौटने पर पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में दिनांक 30 नवम्बर, 1974 के अपराह्न से सहायक निदेशक पूर्ति ग्रेड-II का पदभार छोड़ दिया।

सं० प्र-6/247(287)/60—राष्ट्रपति, सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) श्री के० गंगुली को दिनांक 30-11-74 के पूर्वाह्न से भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-I के ग्रेड-III की इंजी० शाखा में निरीक्षण अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री के० गंगुली ने दिनांक 30-11-74 के पूर्वाह्न से कलकत्ता निरीक्षण मंडल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार छोड़ दिया तथा 30-11-74 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के अधीन उसी मंडल में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार सम्भाल लिया।

सं० प्र-6/247(276)/60—राष्ट्रपति श्री ए० के० बोस, सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) को दिनांक 2-12-74 के अपराह्न से भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-I के ग्रेड-III की इंजीनियरी शाखा में निरीक्षण अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री ए० के० बोस ने दिनांक 2-12-74 (अपराह्न) को कलकत्ता निरीक्षण मंडल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार छोड़ दिया तथा 2-12-74 के अपराह्न से ही पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के अधीन उसी मंडल में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार सम्भाल लिया।

सं० 17001(78)/74-प्र-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के मुख्य कार्यालय में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड III) श्री एस० के० बन्दोपाध्याय को दिनांक 11-12-74 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक कलकत्ता निरीक्षण मण्डल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

श्री बन्दोपाध्याय ने 30-11-74 के अपराह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के मुख्य कार्यालय में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) का पदभार छोड़ दिया तथा दिनांक 11-12-74 (पूर्वाह्न) से कलकत्ता निरीक्षण मण्डल में सहायक निरीक्षण अधिकारी का पदभार सम्भाल लिया।

सं० प्र-6/247(292)/60—राष्ट्रपति, सहायक निरीक्षण, अधिकारी (इंजी०) श्री आर० जे० बजीरानी को दिनांक 3-12-74 के पूर्वाह्न से भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-I के ग्रेड-III की इंजीनियरी शाखा में निरीक्षण अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री बजीरानी ने 27-11-1974 के अपराह्न से बम्बई निरीक्षण मण्डल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पद छोड़ दिया और 28-11-74 से 2-12-74 तक 5 दिन के अजित अवकाश के पश्चात् 3 दिसम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से बम्बई निरीक्षण मण्डल में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पद भार सम्भाल लिया।

सं० ए-17011/56/73-प्र-6—स्थायी भंडार परीक्षक और पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के अधीन मद्रास निरीक्षण मंडल में स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) श्री पी० आर्थर राजू दिनांक 30-11-74 (अपराह्न) से निवर्तन आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० ए-17011/79/74-प्र-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) श्री के० बी० नारायणन को दिनांक 18-12-74 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक निरीक्षण मंडल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया।

श्री नारायणन ने दिनांक 18-12-74 पूर्वाह्न से पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) का पदभार छोड़ दिया तथा दिनांक 18-12-74 पूर्वाह्न से बम्बई निरीक्षण मंडल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार सम्भाल लिया।

सं० प्र-6/247(343)/62/II—राष्ट्रपति, सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) श्री ए० के० सूर को दिनांक 30-11-74 के पूर्वाह्न से भारतीय निरीक्षण सेवा श्रेणी-I के ग्रेड-II की इंजीनियरी शाखा में निरीक्षण अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री ए० के० सूर ने 30-11-74 के पूर्वाह्न से कलकत्ता निरीक्षण मंडल में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार छोड़ दिया तथा दिनांक 30-11-74 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के उसी मंडल में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार सम्भाल लिया ।

सं० प्र-6/247(279)/60/II—राष्ट्रपति, निरीक्षण अधि-
अधिकारी (इंजी०) श्री ए० टी० नचनानी को दिनांक 20-11-74 के पूर्वाह्न से भारतीय निरीक्षण सेवा श्रेणी-I के ग्रेड-III की इंजीनियरी शाखा में निरीक्षण अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं ।

श्री नचनानी ने दिनांक 8-8-74 के पूर्वाह्न को बम्बई निरीक्षण मंडल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 20-11-74 के पूर्वाह्न से मद्रास निरीक्षण मंडल में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) का पदभार सम्भाल लिया ।

सं० प्र-6/247(198)/III—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के अधीन मद्रास निरीक्षण मंडल में भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-I के ग्रेड-III में निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) श्री जी० एन० पी० राज दिनांक 31-10-74 (अपराह्न) से निवृत्त आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये ।

बलवन्त सिंह,
उप-निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली दिनांक 31 दिसम्बर 1974

सं० प्र-1/1(994)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा उप निदेशक निरीक्षण, कानपुर के कार्यालय में स्थायी प्रधान लिपिक श्री ए० वी० एस० पी० सिन्हा को दिनांक 18-11-74 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, कानपुर में स्थानीय तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं ।

सं० प्र-6/247(26)/57-III—स्थायी उप निदेशक निरीक्षण तथा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के अधीन बम्बई निरीक्षण मंडल में स्थानापन्न निदेशक निरीक्षण, भारतीय निरीक्षण सेवा की श्रेणी-I के ग्रेड-I श्री डी० टी० गुरसाहनी बढाई गई सेवा अवधि के समाप्त होने पर दिनांक 30-11-74 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये ।

दिनांक जनवरी 1975

सं० ए-17011/81/74-प्र-6—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान, निरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में भंडार परीक्षक (इंजी०) श्री बी० के० भलाकार को दिनांक 10-12-74 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी मंडल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं ।

सं० ए-17011/80/74-प्र-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, निरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में भंडार परीक्षक श्री आर० के० गुहा को दिनांक 10-12-74 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी मंडल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं ।

बलवन्त सिंह,
उप-निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली-1, दिनांक जनवरी 1975

सं० प्र-1/1(997)—श्री के० वी० नारायणन ने निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के पद पर नियुक्त होने पर दिनांक 18 दिसम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) का पदभार छोड़ दिया ।

सं० प्र-1/1(991)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में प्रधान लिपिक श्री एस० के० देसाई को दिनांक 23 दिसम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के पद पर स्थानीय तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं ।

के० एल० कोहली,
उप-निदेशक (प्रशासन),
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-13, दिनांक 1974

सं० 2181(आरके)/19बी—डा० राजेन्द्र कुमार, एम० एससी०, पी०एच०डी० को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक रसायनज्ञ के रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के न्यूनतम वेतनमान पर अस्थायी क्षमता में, अन्य आदेश होने तक, 23 सितम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है ।

सं० 51/62/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के प्रशासनिक अधिकारी श्री डी० एन० दे निवृत्त पर सरकारी सेवा से 31 अगस्त, 1974 (अपराह्न) से निवृत्त हो गये ।

सं० 40/59/सी/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री आदित्य किशोर मुखर्जी को सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740 35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, तदर्थ आधार पर, अन्य आदेश होने तक, 11-11-1974 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है ।

सं० 2251(एनकेएस)/19बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ ड्रिलिंग सहायक श्री एन० के० सिल्ला को उसी विभाग में, ड्रिलर के रूप में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० (परिशोधित) के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश आने तक, 21 अक्टूबर, 1974 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 2251 (आरआरकेएन)/19बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ ड्रिलिंग सहायक श्री आर० आर० के० नायर को ड्रिलर के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० (परिशोधित) के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश आने तक, 11 दिसम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सी० करुणाकरन, महानिदेशक

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली दिनांक 4 जनवरी 1975

सं० फा० 20(बी-3)-14/61-ए-1—श्री बी० एन० दासगुप्ता स्थानापन्न पुरालेखाधिकारी (सामान्य) का दिनांक 6 दिसम्बर, 1974 को देहावसान हो गया।

ह० अपठनीय

अभिलेख-निदेशक, भारत सरकार

दिल्ली दुग्ध योजना

नई दिल्ली-8, दिनांक 20 दिसम्बर 1974

सं० 2-28/74-स्था०-1—अध्यक्ष, दिल्ली दुग्ध योजना, महालेखाकार डा० एवं तार के कार्यालय के लेखा अधिकारी, श्री इन्द्र सिंह आनन्द को दिल्ली दुग्ध योजना में, अन्य आदेश दिए जाने तक, लेखा अधिकारी (राजपत्रित, द्वितीय श्रेणी) के पद पर 19-11-74 (पूर्वाह्न) से प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करते हैं।

रा० सुब्रह्मण्यम,
उप-महा प्रबन्धक (प्रशासन)

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1975

सं० 5(21)/69-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री बी० एल० गोविंद, प्रसारण निष्पादक (ट्रांसमिशन एक्जीक्यूटिव), आकाशवाणी, परभाणी को 23 दिसम्बर 1974 से अग्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर अस्थायी आधार पर कार्यक्रम निष्पादक (प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(122)/67-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री बी० आर० कुमार, प्रसारण निष्पादक (ट्रांसमिशन एक्जीक्यूटिव), आकाशवाणी, तिरुचिरापल्ला को 23 दिसम्बर, 1974 से अग्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर अस्थायी आधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(24)/69-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्रीमती बी० एल० लियानी, प्रसारण निष्पादक (ट्रांसमिशन एक्जीक्यूटिव), आकाशवाणी, इम्फाल, को 21 दिसम्बर, 1974 से अग्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक (प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(103)/67-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री ए० के० विश्वास, प्रसारण निष्पादक (ट्रांसमिशन एक्जीक्यूटिव), आकाशवाणी, राँची को 26 दिसम्बर, 1974 से अग्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक (प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(23)/69-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एन० एस० आइजक, प्रसारण निष्पादक (ट्रांसमिशन एक्जीक्यूटिव), आकाशवाणी, कालीकट को 21 दिसम्बर, 1974 से अग्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक (प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(116)/67-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा कुमारी विमला शास्त्री, प्रसारण निष्पादक (ट्रांसमिशन एक्जीक्यूटिव), आकाशवाणी, नई दिल्ली को 18 दिसम्बर, 1974 से अग्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(77)/67-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री बी० एस० पंसारे, प्रसारण निष्पादक (ट्रांसमिशन एक्जीक्यूटिव), आकाशवाणी, पूना को 23 दिसम्बर, 1974 से अग्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक (प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(90)/67-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री डी० पी० जाटव, प्रसारण निष्पादक (ट्रांसमिशन एक्जीक्यूटिव), आकाशवाणी, इलाहाबाद को 23 दिसम्बर, 1974 (अपराह्न) से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी जबलपुर में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(1)/69-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एफ० एक्का, प्रसारण निष्पादक (ट्रांसमिशन एक्जीक्यूटिव), आकाशवाणी, नई दिल्ली को 20 दिसम्बर, 1974 से अग्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक (प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव) के पद पर नियुक्त करते हैं।

शान्ति लाल,
प्रशासन उपनिदेशक, नूतन महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक दिसम्बर 1974

सं० 2/9/74-एस०-तीन—आकाशवाणी के महानिदेशक, आकाशवाणी के सहायक इंजीनियर तबर्स के भिन्नलिखित अधि-कारियों को उनके नामों के आगे लिखे आकाशवाणी के कार्यालयों/

केन्द्रों में उनमें से प्रत्येक के नाम के आगे उल्लिखित तारीख से अप्रतिर आदेशों तक स्थानापन्न क्षमता में नियुक्त करते हैं :—

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 दिसम्बर 1974

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	तैनाती के कार्यालय/ केन्द्र का नाम	नियुक्ति की तारीख
1.	श्रीमती चन्द्रा आर्यंगर	अनसधान विभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली ।	15-11-74
2.	श्री आर० नरसिंह राव	आकाशवाणी, कटक ।	28-11-74

दिनांक 8 जनवरी 1975

शुद्धि-पत्र

सं० 2/9/74-एस०-तीन—इस महानिदेशालय की अधिसूचना सं० 2/9/74-एस०-तीन दिनांक 23-11-74 में उल्लिखित श्री आर० नरसिंह राव, सहायक इंजीनियर, आकाशवाणी, कटक की नियुक्ति की तारीख को कृपया 28-11-74 के स्थान पर 23-11-74 पढ़ा जाए ।

प्रेम कुमार सिन्हा,
प्रधान, उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली-110001, दिनांक जनवरी, 1975

सं० 2/71/60-एस०-बो—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री जी० रामलिंगम, लेखाकार, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी मद्रास को दिनांक 1-1-75 (पूर्वाह्न) से आकाशवाणी, विजयवाड़ा में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं ।

इन्द्र सैन पाधी,
अनुभाग अधिकारी,
कृते महानिदेशक

(सिविल निर्माण स्कंध)

नई दिल्ली, दिनांक 20 दिसम्बर, 1974

सं० ए-35017/1/73-सी० डब्ल्यू०—महानिदेशक, आकाशवाणी, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (सी० पी० डब्ल्यू० डी०) के जूनियर इंजीनियर (विद्युत), श्री के० के० देव राय को 19-10-74 (अपराह्न) से प्रथमतः एक वर्ष के लिये प्रतिनियुक्ति पर, आकाशवाणी के सिविल निर्माण स्कंध में सहायक इंजीनियर (विद्युत) (र० 650-1200) के रूप में नियुक्त करते हैं तथा उन्हें उपमंडलीय कार्यालय (विद्युत) नई दिल्ली के अधीन गौहाटी कार्यालय में सहायक इंजीनियर (विद्युत) के रूप में तैनात करते हैं ।

ह० अपठनीय
मुख्य इंजीनियर (सिविल) के इंजीनियरी अधिकारी
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक अक्टूबर 1974

सं० 2/202/56/स्थापना-1—इंस्ट्रक्शन के पद से प्रत्यावर्तित होने पर श्री ओम प्रकाश कश्यप तथा श्री डी० आर० बनोट ने 31 अक्टूबर, 1974 के अपराह्न को इस निदेशालय में वरिष्ठ कलाकार के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

रोशन लाल जैन,
उप-निदेशक (प्रशासन)

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 16 दिसम्बर 1974

सं० 40/पी० एफ० II/48 सिबन्दी-I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री एम० के० जैन के अवकाश पर चले जाने के कारण, श्री बी० आर० पेसवानी स्थानापन्न अधीक्षक, फिल्म प्रभाग बम्बई को दिनांक 11-12-1974 के पूर्वाह्न से सहायक प्रशासकीय अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है ।

के० एस्० कुडवा,
कृते प्रमुख निर्माता

बम्बई-26, दिनांक 18 दिसम्बर 1974

सं० 17/26/49-सिबन्दी-I—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर श्री एफ० जोसेफ स्थानापन्न शाखा प्रबन्धक फिल्म प्रभाग हैदराबाद, दिनांक 30-11-1974 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए ।

2. फिल्म प्रभाग के निर्माता ने श्री आर० पी० शर्मा स्थायी विभेता फिल्म प्रभाग लखनऊ को श्री एफ० जोसेफ के सेवा निवृत्त होने पर दिनांक 30-11-1974 के अपराह्न से शाखा प्रबन्धक फिल्म प्रभाग हैदराबाद के पद पर नियुक्त किया है ।

दिनांक 24 दिसम्बर 1974

सं० 17/40/49-सीबन्दी—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री ए० के० मेहरा के छुट्टी पर जाने से श्री पी० सी० राव, स्थानापन्न विज्ञेता को 16-11-1974 से शाखा प्रबन्धक, नागपुर के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक, 2 जनवरी 1975

सं० ए-19012/3/74 सिबन्दी-I—श्री एम० पी० अडवानी के दिनांक 7-12-74 के अपराह्न से रिपेटिशन के कारण श्री के० राजगोपालन कन्ट्रोलर आफ डिफेन्स अकाउन्ट (एग्रर फोर्स) बेहरादून के दफ्तर के लेखाधिकारी ने उसी दिनांक से फिल्म प्रभाग बंबई में लेखाधिकारी (प्रशासन) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक, 7 जनवरी 1975

सं० 17/20/49—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री एस० एन० रे शाखा प्रबन्धक के पदत्याग देने के कारण श्री वि० श्रीनिवासन स्थायी विज्ञेता फिल्म प्रभाग बंगलौर, को दिनांक 17-6-1974 के पूर्वाह्न से फिल्म प्रभाग बंगलौर में शाखा प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया है।

बी० आर० पेसवानी,
सहायक प्रशासकीय अधिकारी,
कृते प्रमुख निर्माता

प्रकाशन विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1974

सं० ए-12026/2/74-प्रशासन-I—इस विभाग की दिनांक 2 सितम्बर, 1974 की अधिसूचना सं० ए० 12026/2/74 प्रशासन-I के अनुवर्त में प्रकाशन विभाग के निदेशक ने प्रकाशन विभाग के स्थायी वरिष्ठ लेखाकार, श्री कैलाश चन्द्र सिंगल को उसी विभाग में 27 नवम्बर, 1974 से तदर्थ लेखा अधिकारी नियुक्त किया है।

मदन लाल टंडन,
उप निदेशक (प्रशासन)

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1974

सं० 13-13/74-एडमिन-1—राष्ट्रपति जी ने डा० बलराज सूर को 12 नवम्बर, 1974 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली में स्टाफ सर्जन (डेंटल) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

डा० बलराज सूर ने केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में स्टाफ सर्जन के पद पर नियुक्त होने के फलस्वरूप 12 नवम्बर, 1974 को

पूर्वाह्न में केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के जूनियर स्टाफ सर्जन (डेंटल) के पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 1 जनवरी 1975

सं० 28-5/70-एडमिन-1—भारत सरकार अत्यन्त दुःख के साथ 15 अक्टूबर, 1974 को डा० एच० एम० एस० श्रीवास्तव, सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) क्षेत्रीय समन्वयन संगठन, राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, लखनऊ के निधन की घोषणा करती है।

सं० 9-3/74-एडमिन-1—निदेशक, प्रशासन और सतर्कता ने निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सामने अंकित तारीखों से और आगामी आदेशों तक राजकुमारी अमृतकौर परिचर्या महा-विद्यालय, नई दिल्ली में क्लिनिकी अनुदेशक के पदों पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है :—

- | | |
|----------------------------|--------------------------|
| 1. कुमारी मंजीत कौर | 28-8-1974
(पूर्वाह्न) |
| 2. कुमारी अलेयम्मा जोहन | 28-8-1974
(पूर्वाह्न) |
| 3. कुमारी लिली के० अब्राहम | 13-9-1974
(अपराह्न) |
| 4. कुमारी किरण सचदेव | 13-9-1974
(अपराह्न) |

सं० 10-16/73-एडमिन-1—राष्ट्रपति जी ने श्रीमती गायत्री विस्वास को 9 दिसम्बर, 1974 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक केन्द्रीय खाद्य प्रयोगशाला, कलकत्ता में वरिष्ठ विश्लेषक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सं० 17-93/73-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एच० के० डोटे को 26 सितम्बर, 1974 पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में सहायक वास्तुक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल,
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 21 दिसम्बर 1974

सं० 16-9/72-एडमिन-1 (सी० जी० एच० एस० 1)—डा० एस० बी० सिंह की नियुक्ति होम्योपैथिक चिकित्सक के पद पर नियमित रूप से होने के फलस्वरूप केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के अधीन तदर्थ आधार पर नियुक्त डा० (कुमारी) उमा जैन, होम्योपैथिक चिकित्सक, की सेवाएं 5 नवम्बर, 1974 अपराह्न से समाप्त कर दी गई हैं।

के० वेणुगोपाल,
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1974

सं० 36-5/73-सी० एच० एस० 1—डा० (श्रीमती) के० एल० अग्रवाल ने अपने स्थानांतरण के फलस्वरूप 12 अगस्त, 1974 अपराह्न में केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के अधीन 12 अगस्त, 1974 अपराह्न को कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ) के पद का कार्यभार त्याग दिया और 12 अगस्त, 1974 अपराह्न में विलिंग्डन अस्पताल, नई दिल्ली में उन्ही शर्तों पर उसी पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 6 जनवरी 1975

सं० 20-23/74-सी० एच० एस० 2—डा० सी० कन्नन ने अपने त्याग पत्र की स्वीकृति के फलस्वरूप 4 नवम्बर, 1974 को अपराह्न में केन्द्रीय कुष्ठ प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान, चिगलपट में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

रवीन्द्र नाथ तिवारी,
उप-निदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय

(प्रमोण विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

(प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, दिनांक 18 दिसम्बर 1974

सं० फा० 4-5(34)/74-प्रशा० 1—58 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर श्री के० सिसादरी, विपणन अधिकारी, वर्ग-I, विशाखापत्तनम्, दिनांक 31 अक्टूबर, 1974 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 3 जनवरी 1975

सं० फा० 4-5(1) 74-प्रशा०-I—श्री आर० कानन, विपणन अधिकारी, (वर्ग-प्रथम), कोचीन को दिनांक 7 अक्टूबर, 1974 से 31 अक्टूबर, 1974 तक की अवधि के लिए पूर्णतया अस्थायी और तदर्थ आधार पर विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के कार्यालय भोपाल में स्थानापन्न उप-वरिष्ठ विपणन अधिकारी वर्ग-I, नियुक्त किया गया था। उन्हें तारीख 1 नवम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक विपणन अधिकारी वर्ग प्रथम, के पद पर प्रत्यावर्तित कर दिया गया है, और भोपाल में तैनात किया गया है।

सं० फा० 4-5/3/74-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संस्तुति किए जाने पर श्री रामसिंह को, विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय में तारीख 1 अगस्त, 1973, के पूर्वाह्न से, अगले आदेश होने तक स्थानापन्न विपणन अधिकारी, वर्ग-1, नियुक्त किया गया है।

(सहकारिता विभाग)

दिनांक 9 जनवरी 1975

सं० फा० 2/8/74-वि० II—भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, (राजस्व विभाग) विदेश व्यापार मंत्रालय, वाणिज्य मंत्रालय, वित्त मंत्रालय (राजस्व और समवाय विधि विभाग) वित्त

मंत्रालय (राजस्व विभाग) वित्त मंत्रालय (राजस्व मंडल), की भारत के राजपत्र में प्रकाशित सं० 125, 126, 127, दि० 15-9-1962 सं० 1131, 1132 दि० 7-8-1965। सं० 2907 दि० 5-3-1971। सं० 3601-क 3601-ख 3601-ग दि० 1-10-1971। सं० 3099 दि० 3-11-1973 सं० 1127 दि० 21-4-1973 सं० एस० आर० ओ-3184 दि० 28-12-1956। सं० 83 दि० 29-7-1961। सं० 3752 दि० 26-12-1955। सं० 1157 दि० 22-6-1963 सं० जी० एस० आर०-904 दि० 27-6-1964। सं० 1130 दि० 7-8-1965। सं० 12 दि० 9-6-1945। सं० 1 कैम्प दि० 5-1-1946। सं० 6 दि० 5-2-1949। सं० 64 दि० 17-6-1961। सं० 48 दि० 24-5-1954। सं० 173 दि० 29-12-1954। सं० 5 दि० 14-1-1961 सं० 174 सी० यू० एस० दि० 26-12-1964। सं० 448 दि० 14-3-1964। सं० 1421 दि० 31-8-1963। सं० 124 दि० 15-9-1962। सं० 1133, 1134, 1135 दि० 7-8-1965। अधिसूचनाओं के लिए मैं एतद् द्वारा श्री एन० वार्ड० जेड फारूकी, प्रवर विपणन, अधिकारी, प्रभारी, उत्तरी क्षेत्र, नई दिल्ली को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से काली मिर्च, मिर्च, इलायची, सोंठ, हल्दी, धनियां, सोंप, साबुन, मेथी, सेलरी बीज, जीरा बीज, कढ़ी पाउडर, चन्दन तेल, भोटिया तेल, निम्बूघास तेल, खस का तेल, वनस्पति तेल, तेन्दू के पत्ते, तम्बाकू, ऊन, दुड़लोम अजालोम, साधित पशु अंतडी, आलू (खाने का), अखरोट, हड़, प्याज, लहसुन और दालों, के सम्बन्ध में जिनका श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नन) अधिनियम, 1937 (1937 का I) के खण्ड 3 के अधीन निर्मित संबद्ध पण्यों के श्रेणीकरण और चिह्नन नियमों के उपबन्धों के अनुसार किया जा चुका है, श्रेणीकरण प्रमाणपत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

सं० फा० 2/8/74-वि० II —भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, (राजस्व विभाग) विदेश व्यापार मंत्रालय, वाणिज्य मंत्रालय, वित्त मंत्रालय (राजस्व और समवाय विधि विभाग), वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) वित्त मंत्रालय (राजस्व मंडल) की भारत के राजपत्र में प्रकाशित सं० 1130 दि० 7-8-1965। सं० 12 दि० 9-6-1945। सं० 1 कैम्प दि० 5-1-1946। सं० 6 दि० 5-2-1949 सं० 448 दि० 14-3-1964 सं० 125, 126, 127 दि० 15-9-1962। सं० 1131, 1132 दि० 7-8-1965। सं० 1133, 1134, 1135। दि० 7-8-1965। सं० 2907 दि० 5-3-1971। सं० 3601-क 3601-ख 3601-ग दि० 1-10-1971। सं० 3099 दि० 3-11-1973। सं० 64 दि० 17-6-61। अधिसूचनाओं के लिए मैं एतद् द्वारा श्री पी० एस० जगन्नाथ बाबू, उप प्रवर विपणन अधिकारी को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से तेन्दू के पत्ते, तम्बाकू, आलू (खाने के) काली मिर्च, मिर्च, इलायची, हल्दी, सोंठ, प्याज, लहसुन, दालें, धनियां, सोंप साबुन, मेथी, सेलरी बीज और जीरा बीज के सम्बन्ध में, जिनका श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण और

चिह्नित) अधिनियम 1937 (1937 का I) के खण्ड 3 के अधीन निमित्त संबद्ध पण्यों के श्रेणीकरण और चिह्नित नियमों के उपबन्धों के अनुसार किया जा चुका है; श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

सं० फा० 2/8/74-वि० II—सं० 3 (टी० एल०)/2/65-वि० II। सं० 3(44)/9/72-वि० II। सं० एफ० 5/11/69-वि० II। सं० एफ० 2/8/70-वि० II—सं० एफ० 3(13) 52-73-वि० ना० II—भारत के राजपत्र भाग III खण्ड I में दि० 21-7-73 को प्रकाशित अधिसूचना में श्री एम० जी० तोषनीवाल, उप प्रवर विपणन अधिकारी के नाम को जो उक्त अधिसूचनाओं में जहाँ कहीं भी आया है, उक्त अधिसूचना के आंशिक रूपान्तरण में रद्द समझा जाय।

सं० एफ० 2/8/74-वि० II—30-3-74 सं० फा० 2/8/72-वि० II। 6-4-74। सं० 3(44)/9/72-वि० II सं० 3 (टी० एल०)/2/65-वि० II—भारत के राजपत्र भाग III खण्ड I दिनांक 30-3-74 और 6-4-74 को प्रकाशित अधिसूचना में श्री बी० एस० भारद्वाज, सहायक विपणन अधिकारी के नाम को, जो उक्त अधिसूचना में जहाँ कहीं भी आया है, उक्त अधिसूचना के आंशिक रूपान्तरण में रद्द समझा जाय।

सं० फा० 2/8/74-वि० II—सं० 3 (टी० एल०)/2/65-वि० II। सं० 3(44)/9/72-वि० II। सं० फा० 3(13)-52-73-वि० II। सं० फा० 3(13)/57-72-वि० II। सं० फा० 74/15-72-वि० II। सं० फा० 5-11-69-वि० II। सं० फा० 2/8-70-वि० II। भारत के राजपत्र भाग III खण्ड I दिनांक 21-7-73 को प्रकाशित अधिसूचना में श्री एल० के० शुक्ला, प्रवर विपणन अधिकारी के नाम को, जो उक्त अधिसूचना में जहाँ कहीं भी आया है, उक्त अधिसूचना के आंशिक रूपान्तरण में रद्द समझा जाय।

एन० के० मुरालीधर राव

कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई 400085, दिनांक 5 दिसम्बर 1974

संदर्भ पी० ए०/81(88)/74-भ० 4/—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक, यहां के एक अस्थाई वैज्ञानिक सहायक (सी०) श्री कडवा रामचंद्र शर्मा को इसी अनुसंधान केन्द्र में एक अगस्त, 1974 पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 दिसम्बर 1974

सं० पी० ए०/81(98)/74-भ०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक अस्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी) और अस्थाई वैज्ञानिक सहायक (सी) श्री सत देव सिंह बालिया को 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक

के लिए स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 13 दिसम्बर 1974

सं० पी० ए०/76(4)-भ०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक यहां के अस्थाई सहायक लेखाकार और अस्थाई लेखाकार श्री दत्तात्रेय लक्ष्मण भावे को 14 अक्टूबर, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक लेखाधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 दिसम्बर 1974

सं० पी० ए०/81(99)/74-भ०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक यहां के एक अस्थाई कारीगर 'ई' और स्थानापन्न कारीगर (जी) श्री त्रिंबक कृष्ण खरे को 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिये स्थानापन्न रूप से इसी अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/81(62)/74-भ०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के अस्थाई वैज्ञानिक सहायक 'सी' श्री रोजेंद्र प्रसाद जैन को 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/81(90)/74-भ०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक वैज्ञानिक सहायक (बी) और स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी) श्री हरभजन सिंह दुआ को 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 दिसम्बर 1974

सं० पी० ए०/34(1)/74-भ०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक यहां के एक अस्थाई सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री उपेंद्र नाथ मिश्रा को 6 दिसम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 दिसम्बर 1974

सं० पी० ए०/81(50)/74-भ०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक अस्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी) और एक स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी) श्री प्रताप बशोमल रौलानी को 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/81(123)/74-भ०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक अस्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी) श्री मेहराज बेग मिरजा को 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न आगामी आदेश तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-श्रेणी एस० बी० नियुक्त करने हैं।

स० पी० ए०/81(121)/74-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के निम्नलिखित स्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी) और स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी) को 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इजीनियर-श्रेणी एम० बी० नियुक्त करते हैं —

- 1 श्री तरुण कुमार सेन गुप्ता
- 2 श्री मनतोष कुमार मित्रा

दिनांक 27 दिसम्बर 1974

स० पी० ए०/81(95)/74-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक अस्थाई वैज्ञानिक सहायक (सी) श्री काजीभाई त्रिभुवनदाम पटेल को 1 अगस्त 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इजीनियर-श्रेणी (एम० बी०) नियुक्त करते हैं।

स० पी० ए०/81(87)/74-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थाई कारीगर-ई और स्थानापन्न फोरमैन श्री नीलकांत श्रीधर सथाये को 1 अगस्त 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इजीनियर-श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 दिसम्बर 1974

स० पी० ए०/81(92)/74-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी) और स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी) कुमारी निर्मला किशिनचन्द शामदामानी को 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इजीनियर-श्रेणी एम० बी० नियुक्त करते हैं।

स० पी० ए०(81-122)/74-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थाई सहायक फोरमैन और स्थानापन्न फोरमैन श्री सुजीत परमेश्वरय्या को 1 अगस्त 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इजीनियर-श्रेणी (एम० बी०) नियुक्त करते हैं।

स० पी० ए०/81(122)/74-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के निम्नलिखित अस्थाई वैज्ञानिक सहायको (सी) को 1 अगस्त 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इजीनियर-श्रेणी (एस बी) नियुक्त करते हैं —

2-444 GI/74

1 श्री अशोक मोहनराव करनाड

2 श्री गणेश गोविंद भट्टाचार्य

दिनांक 1 जनवरी 1974

स० पी० ए०/81(120)/74-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के निम्नलिखित अस्थाई वैज्ञानिक सहायक (सी) को 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इजीनियर-श्रेणी (एम बी) नियुक्त करते हैं —

- 1 श्री कृष्ण अवतार शर्मा
- 2 श्री सलील दास गुप्ता

स० पी० ए०/81(97)/74-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी) और एक स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी) श्री दत्तात्रेय हरिश्चंद्र सातावटेकर को 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इजीनियर-श्रेणी (एम बी) नियुक्त करते हैं।

स० पी० ए०/81(121)/74-आर०-4(पी एफ)—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक अस्थाई कारीगर (सी) श्री डेबब्रत डेब को 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इजीनियर-श्रेणी (एम बी) नियुक्त करते हैं।

दिनांक 2 जनवरी 1975

स० पी० ए०/81(100)/74-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र की परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रॉन परियोजना के एक अस्थाई वैज्ञानिक सहायक (सी) श्री किशनहाली चेलू केशवकुमार को इसी अनुसंधान केन्द्र में 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इजीनियर-श्रेणी एम बी नियुक्त करते हैं।

स० पी० ए०/81(123)/74-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक, यहां के एक स्थाई सहायक फोरमैन और स्थानापन्न फोरमैन श्री पद्मरीनाथ विटल निकम को 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इजीनियर-श्रेणी एस बी नियुक्त करते हैं।

स० पी० ए०/73(5)/73-आर०-4—30 जुलाई, 1974 के सममख्या इस कार्यालय की अधिसूचना के क्रम में, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक ने इस अनुसंधान केन्द्र में स्थानिक चिकित्सा अधिकारी के रूप में 17 अगस्त, 1974 से 31 दिसम्बर, 1974 तक अथवा आगामी आदेश तक के लिये, जो भी पहले हो, डा० (श्रीमती) शशिकला रजनीकांत त्रिभुवन की निरंतर स्थानापन्न नियुक्ति का अनुमोदन किया है।

सं० पी ए/73(5)/73-भ-4--20 जुलाई, 1974 के समसंख्या इस कार्यालय की अधिसूचना के क्रम में, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक ने स्थानिक चिकित्सा अधिकारी के रूप में इसी अनुसंधान केन्द्र में 1 सितम्बर, 1974 से 30 सितंबर 1974 के पूर्वार्द्ध तक डा० धर्मराज हानीगाउड पाटिल की निरंतर नियुक्ति का अनुमोदन किया है।

पी० उन्नीकुण्णन,
उप-स्थापना अधिकारी (भ)

बम्बई-400085, दिनांक 23 दिसम्बर 1974

सं० 5/1/74-स्था-5/386—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक श्री तिलामनाटिल कुंचीराम सोमसुंदरम, आशुलिपिक (सीनियर) को 12-8-1974 से 8-11-1974 तक अस्थायी रूप से इसी अनुसंधान केन्द्र में सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक जनवरी 1975

सं० 5/1/74-स्था-5/—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक इस अनुसंधान केन्द्र के निम्नलिखित अधिकारियों को 30-8-1974 से 5-10-1974 तक के लिये उनके सामने लिखित निम्नलिखित पदों पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं :—

क्र० सं०	नाम और पद	जिस पद पर नियुक्त हुए	कैफियत
1.	कुमारी एच०बी० विजयकर प्रशासन प्रशासन अधिकारी	प्रशासन अधिकारी II	श्री बी० पी० चोपरा, प्रशासन अधिकारी II, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर
2.	श्री एन० वेंकटसुब्रमणियन सहायक कार्मिक अधिकारी	प्रशासन अधिकारी I	कुमारी एच० बी० विजयकर, जिन्हें स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी II नियुक्त किया है, के स्थान पर
3.	श्री पी० एम० मोकाफो आशुलिपिक (वरिष्ठ)	सहायक कार्मिक अधिकारी	श्री एन० वेंकटसुब्रमणियन, जिन्हें प्रशासनिक अधिकारी I नियुक्त किया गया है, के स्थान पर।

सं० आर/771/स्थापना 5/—वार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त होने पर, इस अनुसंधान केन्द्र के स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी

श्री मधुकर सदाशिव रानाडिवे ने 31-12-1974 (अपरार्द्ध) से अपने पद का कार्यभार त्याग किया।

ए० शांत कुमार मेनन,
उप-स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 7 दिसम्बर 1974

सं० डी पी एस/ए/11013/4/73/स्थापना/1502—निदेशक, क्रय तथा भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, स्थायी भंडारी तथा रुपये 650-960 (संशोधित) के वेतनमान में नियुक्त स्थानापन्न भंडार अधिकारी (श्रेणी-II) श्री बी० सी० कुरुबिला को 5-10-1974 से आगामी आदेश तक के लिए उसी निदेशालय में अस्थायी रूप से उसी वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० डी पी एस/ए/11013/4/73/स्थापना/1499—निदेशक, क्रय तथा भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, स्थायी भंडारी तथा रुपये 650-960 (संशोधित) के वेतनमान में नियुक्त स्थानापन्न भंडार अधिकारी (श्रेणी-II) श्री एम० बनर्जी को 5-10-1974 से आगामी आदेश तक के लिए उसी निदेशालय में अस्थायी रूप से उसी वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० डी पी एस/ए/11013/4/73/स्थापना—निदेशक, क्रय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, स्थायी भंडारी तथा रुपये 650-960 (संशोधित) के वेतनमान में नियुक्त स्थानापन्न भंडार अधिकारी (श्रेणी II) श्री बी० सी० चेरियन को 5-10-1974 से आगामी आदेश तक के लिए उसी निदेशालय में अस्थायी रूप से तथा उसी वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

(के० पी० जोसफ)
प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

तारापुर, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

सं० टी ए पी एस/प्रशासन/735-ए-62—परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर के स्थायीवत् वैयक्तिक सहायक श्री एम० आई० चेरियन को 1 जनवरी, 1975 के पूर्वार्द्ध से 28 फरवरी, 1975 तक अथवा तब तक के लिए जब तक कि कोई व्यक्ति नियमित रूप से इस पद पर नियुक्त नहीं किया जाता है दोनों में से जो भी पहले घटित हो, तदर्थ आधार पर सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० बी० सेतुमाधवन,
मुख्य प्रशासन अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग**सिविल इंजीनियरी वर्ग**

कलकत्ता, दिनांक 19 नवम्बर 1974

सं० 1(6)/74/भर्ती-पी-13249/1513—कलकत्ता स्थित परमाणु ऊर्जा विभाग की परियोजनाओं के मुख्य इंजीनियर (सिविल), कलकत्ता स्थित परमाणु ऊर्जा विभाग की परियोजना के सिविल इंजीनियरी वर्ग के स्थायीत पर्यवेक्षक श्री एम० पाप-नाथमूर्ति को 1 अगस्त, 1974 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर एस बी नियुक्त करते हैं।

बी० एस० वेंकटेश्वरन
प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500040, दिनांक 1 जनवरी 1975

सं० नाईस/प्रशा०/22/13(2)/2—नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के विशेष कार्य अधिकारी, सहायक लेखाकार श्री जे० सूर्यनारायण राव को 1-1-1975 से 30-6-1975 की अवधि अथवा आगामी आदेश तक के लिए दोनों में से जो भी पहले घटित हो, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद, में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

एस० पी० महात्रे,
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1974

सं० ए० 32013/10/73-ई० एस०—राष्ट्रपति ने श्री जी० पी० भारद्वाज, वरिष्ठ विमान निरीक्षक, नागर विमानन महानिदेशालय, नई दिल्ली को 16 नवम्बर, 1974 से अगले आदेश जारी होने तक नियमित आधार पर कलकत्ता में नियंत्रक, वैमानिक निरीक्षण के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 11 दिसम्बर 1974

सं० ए० 32013/8/74-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री एन० सी० नाथ, सहायक निदेशक (संचार) को 30 नवम्बर, 1974 (पूर्वाह्न) से नागर विमानन विभाग, नई दिल्ली में स्थानापन्न रूप में उपनिदेशक (संचार) के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 31 दिसम्बर 1974

सं० ए० 32013/8/74-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री जी० गोविन्दस्वामी, नियंत्रक संचार, बम्बई क्षेत्र, सांताक्रूज एयरपोर्ट बम्बई को उनके छुट्टी से वापिस आने पर नागर विमानन विभाग, नई दिल्ली (मुख्यालय) में 9 दिसम्बर, 1974 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न रूप में सहायक निदेशक संचार के पद पर नियुक्त किया है।

हरधंस लाल कोहली,
उपनिदेशक प्रशासन

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय**भारत मौसम विज्ञान विभाग**

नई दिल्ली-3, दिनांक 27 दिसम्बर 1974

सं० ई(1)/03498—प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के निदेशक के कार्यालय के सहायक मौसम विशेषज्ञ, श्री के० डी० मुर्कजी निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर 31-7-1974 को अपराह्न से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

नूतन दास,
मौसम विशेषज्ञ (सिन्धु नदी)
रुते वैधशालाओं के महानिदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 16 दिसम्बर 1974

सं० 16/167/69-स्था०-1—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून निम्नलिखित अधिकारियों को उनके सामने लिखी तारीखों से अभियांत्रिकी एवं सर्वेक्षण के सहायक व्याख्याता के स्थायी पदों पर सहर्ष पुष्ट करते हैं :—

1. श्री पी० एन० दोरैस्वामी, 5-11-69 से
दक्षिण वनराजिक महाविद्यालय,
कोयम्बटूर।
2. श्री आर० एन० नन्दी 1-7-70 से
उत्तरी वनराजिक महाविद्यालय,
देहरादून।

पी० आर० के० भटनागर,
उप-कुलसचिव,

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तारालय

इलाहाबाद, दिनांक 7 जनवरी 1975

सं० 9/1975—श्री सन्त बहादुर सिंह, स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक ने, जो पिछले दिनों के केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तारालय, मुख्यालय, इलाहाबाद में तैनात थे, और जिनकी नियुक्ति अगले

आदेश होने तक के लिए, रु० 650-30-740-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी के रूप में की गई थी, समेकित मण्डल कार्यालय, मुरादाबाद में 6-6-1974 के अपराह्न में प्रशासन अधिकारी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया। उक्त पद मंत्रालय के पत्र संख्या भा० सं० ए-11013/ई/182/74-प्रशा० चार दिनांक 27-11-1974 द्वारा कानपुर समाहर्तलिय में अस्थायी तौर पर अपवर्तित (डाटवर्ट) किया गया था।

एच० बी० दास,
समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, इलाहाबाद

पटना, दिनांक 28 नवम्बर 1974

सी० सं० II (7) 1-स्था०/70-19499-इस कार्यालय के स्थापन आदेश सं० 270/74 दिनांक 12-9-74, जिसके अनुसार श्री घमंडा सिंह, निरीक्षक, वरि० श्रे, केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 एवं नियमान्तर्गत प्राप्य भत्तो सहित के वेतनमान में अनंतिम रूप से तथा तदर्थ आधार पर अधीक्षक, उत्पाद एवं सीमा शुल्क श्रेणी द्वितीय के रूप में नियुक्त हुए थे, के अनुसरण में श्री घमंडा सिंह ने अधीक्षक, सीमा शुल्क, रक्सौल का कार्यभार दिनांक 11-10-74 के पूर्वाह्न में ग्रहण किया।

हरि नागायण साहू, समाहर्ता,
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, पटना

मद्रास, दिनांक 14 नवम्बर 1974

सं० II/3/47/74-संस्थापन—श्री पी० टी० नारायणस्वामी, प्रशासन अधिकारी, केन्द्रीय उत्पादनशुल्क समाहर्ता कार्यालय, मद्रास, 31 अक्टूबर, 74 के अपराह्न से अधिवाषिकी की आयु प्राप्त करने पर सेवा-निवृत्त हो गये हैं।

सी० चिदम्बरम्,
समाहर्ता

सीमा शुल्क

बम्बई, दिनांक 17 दिसम्बर 1974

सं० स/5-302/74-सिब्बंदी—श्री बी० के० काले, स्थायी मूल्य विरूपक, बम्बई सीमाशुल्क भवन, दिनांक 30-11-1974 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हुए।

बी० बी० गुजराल,
सीमाशुल्क समाहर्ता

निरीक्षण निदेशालय सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक

सं० 1/1975—श्री एम०एम० देणपाडे ने, जो कि पिछले दिनों ड्राबैंक निदेशालय में अधीक्षक, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी-II के पद पर नियुक्त थे, निरीक्षण निदेशालय,

सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नई दिल्ली में 1-1-1975 दोपहर पूर्व से निरीक्षण अधिकारी, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी-II का कार्यभार सम्भाल लिया है।

सं० 2/1975—श्री जे० एम० राय ने, जो कि पिछले दिनों कलकत्ता तथा उड़ीसा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता कार्यालय, कलकत्ता में मुख्य लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त थे, निरीक्षण निदेशालय, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के पूर्वी रिजनल यूनिट, कलकत्ता में निरीक्षण अधिकारी, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी-II का कार्यभार 18-12-1974 से सम्भाल लिया है।

बी० एस० चावला,
निरीक्षण निदेशक
सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नारकोटिक्स विभाग

दिनांक 20 दिसम्बर 1975

सं०-22—श्री आर० बी० कोठारे, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन-शुल्क, श्रेणी-II जो कि जिला अफीम अधिकारी, मन्दसौर-I, के रूप में तैनात थे और अब केन्द्रीय उत्पादनशुल्क समाहर्तालय, बम्बई को स्थानान्तरित हो गये हैं, को 1-1-1974 से रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में रु० 1000.00 के चरण पर दक्षतारोध पार करने की अनुमति दी जाती है।

अभिलाष शंकर,
नारकोटिक्स आयुक्त,

नौबहन एवं परिवहन मंत्रालय

नौबहन महानिदेशालय

प्रशिक्षण पीठ "राजेन्द्र", बम्बई और समुद्री अभियांत्रिक प्रशिक्षण निवेशालय, कलकत्ता/बम्बई में शैक्षिक वर्ष 1975 के लिए प्रवेश

सं० उपरोक्त संस्थानों में नौचालन और समुद्री अभियांत्रिक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए निम्नलिखित केन्द्रों में 22 और 23 मई, 1975 को हर एक केन्द्र में उम्मीदवारों को पर्याप्त संख्या होने पर एक संयुक्त लिखित परीक्षा ली जायेगी।

परीक्षा केन्द्र

(1) अहमदाबाद (2) बैंगलूर (3) भोपाल (4) बम्बई (5) कलकत्ता (6) चन्डीगढ़ (7) कटक (8) दिल्ली (9) एनकुलम (10) गोहाटी (11) हैदराबाद (12) जयपुर (13) लखनऊ (14) मद्रास (15) नागपुर (16) पटना (17) पोर्टब्लेयर (18) श्रीनगर (19) त्रिवेन्द्रम (20) विशाखापटनम्।

परीक्षा के लिए विषय होंगे:—(1) अंग्रेजी (एक प्रश्न पत्र 3 घंटे—100 अंक, (2) गणित (एक प्रश्न पत्र) 3 घंटे—100 अंक, (3) भौतिक विज्ञान (एक प्रश्न पत्र) 3 घंटे—100 अंक, (4) रसायन विज्ञान (एक प्रश्न पत्र) 1 1/2 घंटे—50 अंक, (5) सामान्य ज्ञान (एक प्रश्न पत्र) 1 1/2 घंटे—50 अंक, प्रवेश परीक्षा के परिणाम के आधार पर उम्मीदवारों को चुनाव बोर्ड कलकत्ता/बम्बई, के सामने डाक्टरी परीक्षा और साक्षात्कार के लिए बुलाया जायगा, उम्मीदवारों को केन्द्रों पर परीक्षा और साक्षात्कार के लिए यात्रा, भोजन एवं निवास व्यय का प्रबंध स्वयं करना होगा।

अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए 15 प्रतिशत और जन-जाति के उम्मीदवारों के लिए 5 प्रतिशत, बशर्ते कि योग्य उम्मीदवार उपलब्ध हों, स्थान सुरक्षित रखे गये हैं।

आयु-सीमा

उम्मीदवार, 1 सितम्बर, 1975 को 16 से 19 वर्ष तक की आयु सीमा में होना चाहिए अर्थात् 2 सितम्बर, 1956 और 1 सितम्बर 1959 के बीच जन्म हो, अनुसूचित जाति और जन-जाति के उम्मीदवार 1 सितम्बर 1975 को 16 से 20 वर्ष तक की आयु सीमा में होने चाहिए अर्थात् उनका जन्म 2 सितम्बर 1955 और 1 सितम्बर 1959 के बीच होना चाहिए किसी भी दशा में आयु सीमा में शिथिलता नहीं होगी।

प्रवेश के लिए योग्यताएं

उम्मीदवार को हायर सैकेण्डरी/प्रो यूनिवर्सिटी या उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त उच्च माध्यमिक शिक्षा मंडल या विश्व-विद्यालय की परीक्षा ऐच्छिक विषय, भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित, सहित साइंस स्ट्रीम में उत्तीर्ण होना चाहिए, वे उम्मीदवार भी जो उपरोक्त योग्यता परीक्षा में बैठ चुके हों या बैठने वाले हों, प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं परन्तु उनको साक्षात्कार के समय परीक्षा में पास हो जाने का कागजी प्रमाण 10 जुलाई, 1975 से पूर्व पेश करना चाहिए।

आवेदन

आवेदन फार्म और अन्य अनुदेश, नौवहन सहायक महानिदेशक (प्रशिक्षण) को लिखित आवेदन पत्र, 23 से० मी० × 10 से० मी० के आकार के लिफाफे, जिस पर अपना पता लिखा हुआ, 25 पैसे का डाक टिकट लगाया हुआ, और "बुक पोस्ट" शब्द लिखे हुए हो, के सहित भेजकर मुफ्त प्राप्त कर सकते हैं। आवेदनपत्र और लिफाफे पर अपना डाक का पूरा पता स्पष्ट अक्षरों में लिखा होना चाहिए आवेदन फार्म मंगाने वाले लिफाफे पर बायें हाथ की ओर "राजेन्द्र" स० अ० प्र० नि० के लिए आवेदनफार्म के लिए प्रार्थना" अंकित होना चाहिए।

दोनों पाठ्यक्रमों के पूर्ण विवरण, फीस और छात्रवृत्तियां आदि को जानकारी देनेवाली विवरणीका शुल्क रु० 2/- का रेगिस्टर पोस्टल ऑर्डर नौवहन सहायक महानिदेशक, बम्बई 1 को दथ भेजकर नौवहन सहायक महानिदेशक (प्रशिक्षण) से मंगाया जा सकता है। स्पष्ट अक्षरों में डाक का पूरा पता लिखा कर विवरणीका के लिए पृथक

आवेदन करना चाहिए। विवरणीका के लिए आवेदन पत्रवाल लिफाफे पर बायें ओर "विवरणीका के लिए प्रार्थना" शब्द अंकित होने चाहिए।

अंतिम तारीख

सभी तरह संपूरित अविवाहित पुरुष उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र नौवहन सहायक महानिदेशक (प्रशिक्षण) को 31 मार्च, 1975 को या उससे पूर्व पहुंच जाने चाहिए। इस निश्चित तारीख के बाद आये हुए आवेदनपत्र पर कोई विचार नहीं किया जायगा। रिक्त आवेदन फार्मों को डाक से भेजना 24 मार्च, 1975 को बंद किया जायेगा।

एन० के० प्रसाद
सहायक अधिकारी
नौवहन महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक दिसम्बर 1974

सं० 27/24/74 प्रशा०-4—प्रमुख इंजीनियर, श्री शिव कुमार को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में 650-30-740-35-810 -दक्षता रोक-35 -880-40-1000-दक्षता रोक-40-1200 रुपये (सामान्य भत्तों सहित) के वेतनमान में 650/- रुपये वेतन पर इस कार्यालय के दिनांक 17/18 दिसम्बर, 1974 के पत्र सं० 33/9/73-प्रशा०-4 में दी हुई सेवा की शर्तों के अनुसार 18-12-1974 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न रूप में अस्थायी सहायक वास्तुक नियुक्त करते हैं।

ह० अपठनीय
प्रशासन उप निदेशक
कृते प्रमुख इंजीनियर

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

सं० 5/3/74 ई० सी०-I—राष्ट्रपति, 1973 में हुई इंजीनियरी सेवा परीक्षा के आधार पर निम्नलिखित अभ्यर्थियों को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रेणी-I में सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) के अस्थायी पदों पर उनके नाम के आगे दी हुई तिथि से नियुक्त करते हैं:—

1. श्री एम० के गोयल 20-11-74 (पूर्वाह्न)
जो पहले केन्द्रीय अभिकल्पन सगठन,
के० लो० नि० विभाग, नई दिल्ली
में सहायक इंजीनियर थे
2. श्री आर० डी० अग्रवाल 21-11-74 (पूर्वाह्न)
जो पहले अधीक्षक निर्माण सर्वेक्षक-II
कार्यालय, के० लो० नि० विभाग,
नई दिल्ली में सहायक निर्माण
सर्वेक्षक थे

3. श्री के० टी० सप्रबन्धम, 25-11-74 (पूर्वाह्न)
जो पहले मद्रास केन्द्रीय परिसमूहल,
—के० लो० नि० विभाग, मद्रास में
सहायक निर्माण सर्वेक्षक थे
4. श्री बी० के० शर्मा, 13-12-74 (पूर्वाह्न)
जो पहले केन्द्रीय अभिकल्पन सगठन,
के० लो० नि० विभाग, नई दिल्ली
में सहायक इंजीनियर थे।

पी० एस० परवाना,
प्रशासन उप-निदेशक

के आगे दी गई तारीखों से, अन्य आदेश होने तक, नियुक्त करते हैं :—

1. श्री भोज राज 14-10-1974
2. श्री डी० पी० भसीन 7-10-1974
- मूल शंकर पाठक,
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष

(जल स्कंध)

नई दिल्ली-22, दिनांक दिसम्बर 1974

केन्द्रीय जल तथा विद्युत् आयोग (विद्युत् स्कंध)

नई दिल्ली-110022, दिनांक 14 अक्टूबर 1974

सं० 6/3/74-प्रशासन 2 (वि० स्क०) 2 जिल्द-2—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल तथा विद्युत् आयोग एतद्वारा निम्नलिखित तकनीकी सहायक कोषयवेक्षकों को केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी श्रेणी 2 सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उन के नामों के आगे लिखी तारीखों से, अन्य आदेश होने तक, नियुक्त करते हैं:

1. श्री मोहन लाल एस राजानी 13-9-74 (पूर्वाह्न)
2. श्री एच० सी० सेठ 12-9-74 (पूर्वाह्न)
3. श्री जी० सूर्य नारायण 16-9-74 (पूर्वाह्न)
4. श्री बी० के० अरोरा 12-9-74 (पूर्वाह्न)
5. श्री डी० एम० बधवा 12-9-74 (पूर्वाह्न)
6. श्री जगत प्रकाश 12-9-74 (पूर्वाह्न)
7. श्री मुकुल बैनर्जी 16-9-74 (पूर्वाह्न)
8. श्री जगदीश सिंह 24-9-74 (पूर्वाह्न)
9. श्री पी० डी० गोयल 13-9-74 (पूर्वाह्न)
10. श्री श्री कुमारन नयर 24-9-74 (पूर्वाह्न)

दिनांक 17 दिसम्बर 1974

सं० 6/3/74-प्रशासन 2 (वि० स्क०) (जिल्द 2)—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल तथा विद्युत् आयोग एतद्वारा श्री एम० के० जैन, तकनीकी सहायक को केन्द्रीय इंजीनियरी (श्रेणी-2) सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 31 अक्टूबर, 1974 की पूर्वाह्न से अन्य आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

मूल शंकर पाठक
अवर सचिव

नई दिल्ली-110022, दिनांक 26 नवम्बर 1974

सं० 6/3/74-प्रशासन (वि० सं०) (जिल्द-II)—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल तथा विद्युत् आयोग एतद्वारा निम्नलिखित तकनीकी सहायक/पर्यवेक्षक को केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी श्रेणी-II सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उनके नामों

सं० क-12017/1/72-प्रशा०-5—इस आयोग की अधिसूचना सं० क-12017/1/72-प्रशा०-5 दिनांक 3 अक्टूबर, 1974 के क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग एतद्वारा श्री टी० पी० येगनान को केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधान केन्द्र, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-गणित ग्रुप) के ग्रेड में स्थानापन्न क्षमता में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 1-1-1975 से 28-2-1975 तक अथवा जब तक पद नियमित रूप से भरा जाए, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक जनवरी 1975

सं० क-19012/418/73-प्रशा-5—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा चयन कर लिए जाने के फलस्वरूप अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग एतद्वारा श्री हरी चन्द गांधी को केन्द्रीय गेजिंग वृत्त, केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधान, पूना के पूना गेजिंग प्रमण्डल में सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-रसायन ग्रुप) के पद पर 4 दिसम्बर 1974 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

श्री हरी चन्द गांधी उपरोक्त तिथि एवं समय अर्थात् 4-12-1974 (पूर्वाह्न) से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे।

सं० क-19012/432/73-प्रशा०-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग द्वारा उनका त्यागपत्र स्वीकार कर लिए जाने के फलस्वरूप श्री जी० एल० द्विवेदी, ने सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक भौतिक ग्रुप) केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधान केन्द्र पूना, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग (जल स्कंध) के कार्यालय का कार्यभार 10 दिसम्बर, 1974 (अपराह्न) से त्याग दिया।

के० पी० बी मेनन
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष

नई दिल्ली-22, दिनांक जनवरी 1975

सं० क-19012/523/74-प्रशा०-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग एतद्वारा श्री जी० एस० सैनी, ब्यावसायिक सहायक को केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक (वन-विज्ञान) के रूप में स्थानापन्न क्षमता में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-

1200 रुपए के वेतनमान से 25-11-1974 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक पूर्णतः अस्थायी तथा सदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री सैनी ने उपरोक्त तारीख तथा समय से केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग (जल मन्त्र) में अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

के० पी० बी० सेन,
अवर सचिव

केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग
दक्षिण पूर्व रेलवे

कलकत्ता, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

सं० पी०/जी०/14/300सी—श्री सी० एच० बी० के० श्रीराममूर्ति को सहायक भण्डार नियंत्रक (श्रेणी-II) का पुष्टीकरण भण्डार विभाग में 2 अक्तूबर 1969 से किया जा रहा है।

बी० रामनाथन
महाप्रबन्धक

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
महाप्रबन्धक का कार्यालय
कार्मिक शाखा

पाण्डु, दिनांक जनवरी 1975

1. इ/283/III/128पी०-III(0)—श्री आर० एन० घोष दस्तीदार, सहायक विद्युत् इंजीनियर (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 5-11-74 से प्रवर वेतनमान में मण्डल विद्युत् इंजीनियर के पद पर पूर्णतः तदर्थ उपाय के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. ई/283/III/133पी०-IV(0)—श्री सी० आर० सुखर्जी, मुख्य दूर-संचार निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 19-11-74 से द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक दूर-संचार इंजीनियर के पद पर पूर्णतः तदर्थ उपाय के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

3. ई/283/III/133 पी० IV (0)—श्री ए० के० सैन, सहायक दूर-संचार इंजीनियर (द्वितीय श्रेणी) को दिनांक 21-11-1974 से प्रवर वेतनमान में मण्डल सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एम० आर० रेड्डी,
महाप्रबन्धक

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय
दिनांक

कम्पनी अधिनियम 1956 और महाराजा
श्री जिनैन्द्र नारायण क्लाव

सं० 19591/560/(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर महाराजा श्री जिनैन्द्र नारायण क्लाव लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और भट्टाचारजी टेडार्म
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

सं० 2/697/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर भट्टाचारजी टेडार्म प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और भाई उचातारा
सि० एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

सं० 2/823/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर भाई उचातारा सि०, एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और दुर्गा इंजिनियरिंग
वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

सं० 23747/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर दुर्गा इंजिनियरिंग वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और निकुज
प्रिंटिंग वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

सं० 27193/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर निकुज प्रिंटिंग वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एन० आर० सरकार,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,
पश्चिम बंगाल।

कम्पनी अधिनियम 1956 और आर एस० सुन्दरम
चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

सं० 5694/74—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर आर० एस० सुन्दरम् चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ह० अपठनीय
कम्पनियों का उप रजिस्ट्रार,

कम्पनी अधिनियम 1956 और बारासत टूल्स फेक्ट्री प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
कलकत्ता, दिनांक जनवरी 1975

सं० 27051/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि बारासत टूल्स फेक्ट्री प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और पायनियर मोटर्स आफ इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
कलकत्ता, दिनांक जनवरी 1975

सं० 24442/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि पायनियर मोटर्स आफ इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मिथिसन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
कलकत्ता, दिनांक जनवरी 1975

सं० 24329/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि मिथिसन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ईस्टर्न स्टार प्राइजेस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
कलकत्ता, दिनांक जनवरी 1975

सं० 18881/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि ईस्टर्न स्टार प्राइजेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और डायमण्ड पावर स्पेसिलिटी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
कलकत्ता, दिनांक जनवरी 1975

सं० 26773/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि डायमण्ड पावर स्पेसिलिटी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एन० आर० सरकार,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम 1956 और असम प्रिन्टर्स एंड पब्लिशर्स लिमिटेड के विषय में
दिनांक 6 दिसम्बर 1974

सं० 910/560/3029—असम प्रिन्टर्स एंड पब्लिशर्स लिमिटेड

टेड कम्पनीज एक्ट 1956 की धारा 560 उपधारा (5) के अनुसार एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि सर्वश्री असम प्रिन्टर्स एंड पब्लिशर्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से हटा दिया गया है और उक्त कम्पनी भंग हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और धुबरी लोण आफिस लिमिटेड के विषय में
दिनांक 3 जनवरी 1975

सं० 1/187/560—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है, कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर धुबरी लोण आफिस लिमिटेड का नाम इसमें प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मनीपुर स्टेट बैंक लिमिटेड के विषय में
दिनांक 7 जनवरी 1975

सं० 1110/560/432—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि मनीपुर स्टेट बैंक लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ह० अपठनीय
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 और तिरहुत फार्मिनेसिंग कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
पटना, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

सं० 6(677)-73-74/4166—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि तिरहुत फार्मिनेसिंग कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और कम्पनी विघटित हो गई है।

सत्य प्रकाश सायल,
कम्पनी निबन्धक, बिहार पटना

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स एम अम्बाईदास एण्ड सन्स ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
अहमदाबाद, दिनांक 13 दिसम्बर 1974

सं० 560/1819—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स एम अम्बाईदास एण्ड सन्स ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

**कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स वी मारडन
प्रोसेसर्स लिमिटेड के विषय में**

अहमदाबाद, दिनांक 1974

सं० 560/1110—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स वी मारडन प्रोसेसर्स लिमिटेड नाम का इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

**कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स सुपर ज्योति
बेनीफिट्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में**

सं० 560/1845—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स सुपर ज्योति बेनीफिट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

जे० गो० गाथा,

प्रमंडल पेजीयक, गुजरात राज्य अहमदाबाद

**कम्पनी अधिनियम 1956 और इपक इंटरप्राइसेज,
प्राईवेट लिमिटेड के विषय में**

दिल्ली, दिनांक 1974

सं० 4708—कम्पनी अधिनियम, 1956 का धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर इपक इंटरप्राइसेज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सी० कपूर

कम्पनी का महायक रजिस्ट्रार, दिल्ली

**कम्पनी अधिनियम 1956 एवं श्री जगत्प्रिय सेविंग फंड
प्राईवेट लिमिटेड के विषय में**

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1974

सं० 13415/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री जगत्प्रिय सेविंग फंड प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

**कम्पनी अधिनियम 1956 एवं रमेशचन्द्र सतीश कुमार
एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में**

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1974

सं० 13650/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रमेशचन्द्र सतीश कुमार एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

3-444GI/74

**कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं युनीक मशीनरी कम्पनी
प्राईवेट लिमिटेड के विषय में**

दिनांक 4 दिसम्बर 1974

सं० 14902/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर युनीक मशीनरी कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

**कम्पनी अधिनियम 1956 एवं कैमिकल एण्ड रेफ्रिजरेशन
इक्विपमेन्ट मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड
के विषय में**

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1974

सं० 14123/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कैमिकल एण्ड रेफ्रिजरेशन इक्विपमेन्ट मैन्यु० कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० नारायणन्

कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार

महाराष्ट्र

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और चिदम्बरम् टैक्सटाइल
प्राईवेट लिमिटेड के विषय में**

दिनांक 1974

सं० 426/74—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर चिदम्बरम् टैक्सटाइल प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

**कम्पनी अधिनियम 1956 एवं नागम्मै काटन मिल्स
प्राईवेट लिमिटेड के विषय में**

दिनांक 1974

सं० 6158/74—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नागम्मै काटन मिल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

अधिसूचना सं 5978/74

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और विशाराम इलेक्ट्रिकल्स
एण्ड इक्विपमेन्ट प्राईवेट लिमिटेड के विषय में**

दिनांक 1974

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी

जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर विशराम इलेक्ट्रीकल्स एण्ड एक्जूपमेट प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सुन्दर राजा बस ट्रान्सपोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में
दिनांक 1974

सं० 6003/74—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 के उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सुन्दर राजा बस ट्रान्सपोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ह० अपठनीय
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 और श्री नारायना इन्डस्ट्रीयल एण्ड ट्रेडिंग कारपोरेशन लिमिटेड के विषय में

एरणाकुलम्, दिनांक 12 दिसम्बर 1974

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री नारायना इन्डस्ट्रीयल एण्ड ट्रेडिंग कारपोरेशन लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और बलविल प्लान्टेशन्स लिमिटेड के विषय में

एरणाकुलम् दिनांक 12 दिसम्बर 1974

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बलविल प्लान्टेशन्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० एम० अन्वार,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, केरल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और

श्री एचपी एसोसियेशन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

धारा 145 (2) कम्पनीज एक्ट 1956 के अन्तर्गत

बैंगलूर, दिनांक 26 दिसम्बर, 1974

सं० लि०/1330/74—धारा 445 (2)—कम्पनीज अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत सूचना दी जाती है कि मैमर्स दी एचपी एसोसियेशन प्राईवेट लिमिटेड कम्पनी रेटिशन नं० 8 ऑफ 1974 में उच्च न्यायालय कारनाटक बैंगलूर के दिनांक 6-9-1974 के आदेश द्वारा समापन कर दिया गया है और उपरोक्त उच्च

न्यायालय के सलमन राजकीय समापक को इस कम्पनी का समापक नियुक्त किया गया है।

प्रबोध
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
करनाटक, बैंगलूर

कार्यालय, आयकर आयुक्त,

पटना, दिनांक 17 दिसम्बर 1974

सं० आई० टी० XIII-3/71—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 4 जनवरी, 1974 और सं० आई० टी० XIII-4/58-59, दिनांक 17 अप्रैल, 1972 का आंशिक सुधार करते हुए तथा आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, बिहार-II, पटना यह आदेश देते हैं कि दिनांक 23-12-74 से आयकर अधिकारी (सबक्षण) मुंगेर, सरकारी वेतन सबंधी मामलों को छोड़कर राजस्व जिला मुंगेर के सदर तथा जमुई अनुमंडल के सभी व्यक्तियों या व्यक्तिवर्गों, जिनका निर्धारण वर्ष 1974-75 से संबंधित तथा निर्धारण वर्ष 1974-75 तक के लिये सभी निर्धारण अव तक नहीं किया गया है, से संबंधित सभी कार्य भी करेंगे।

सं० आई० टी० XIII-3/71—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 4 जनवरी, 1973 तथा सं० आई० टी० XIII-12/59-60, दिनांक 27 जुलाई, 1974 तथा 3 अगस्त, 1974 से आंशिक सुधार करते हुए तथा आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, बिहार-II, पटना यह आदेश देते हैं कि आयकर अधिकारी (सबक्षण), मुजफ्फरपुर दिनांक 23-12-74 से आयकर अधिकारी वार्ड-ए, मुजफ्फरपुर को सौंपे गए सरकारी वेतन सबंधी मामलों को छोड़कर राजस्व जिला मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी और वैशाली के सभी व्यक्तियों, या व्यक्ति-वर्गों, जिनका निर्धारण-वर्ष 1974-75 से संबंधित तथा निर्धारण वर्ष 1974-75 तक के लिये सभी निर्धारण अव तक नहीं किया गया है, से संबंधित सभी कार्य भी करेंगे।

ए० के० दास गुप्ता,
आयकर आयुक्त
बिहार-II, पटना

बम्बई, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

सं० 1159—एतद्द्वारा दुखद अधिसूचित किया जाता है कि श्री एम० ए० वामनानी, भारतीय आयकर सेवा श्रेणी-2 के अधिकारी बाद में आयकर अधिकारी (संग्रहक), ए० वार्ड सैक्शन-1 बम्बई के रूप में नियुक्त दिनांक 10 नवम्बर, 1974 को स्वर्ग-वासी हुए।

एम० एम० शास्त्री,
आयकर आयुक्त,
बम्बई नगर-3, बम्बई

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, तारीख 31 दिसम्बर 1974

निवेदन सं० अमृतसर/जे० यू० एल०/एपी-1518/74-75—

यतः मुझे वी० आर० सागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1503 मई 1974 लिखा है, जो गांव जाला सिंह में स्थित है (और इसमें उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 मई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक ((अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) जगीर सिंह पुत्र अर्जन सिंह पुत्र दारा सिंह वासी जालंधर (अन्तरक)

(2) श्री कपल दत्त महे पुत्र पंडित दौलत राम महे मार्फत श्री जगदीश चन्द्र अड्डा होशियारपुर, जालंधर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्र है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1503 मई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

वी० आर० सागर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 31 दिसम्बर 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख 31 दिसम्बर 1974

निर्देश स० अमृतसर जाल०/एपी-1519/74-75—यत मुझे
बी० आर० सागर आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की स० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1505
मई 1974 लिखा है, जो गांव जाला सिंह में स्थित है (और इसमें
उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय जालधर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 मई,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना।

और यत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए
गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री जगीर सिंह ब्रिक पुत्र अर्जन सिंह ब्रिक, जालधर
(अन्तरक)
- (2) श्री कपल दत्त महे पुत्र पंडित दीलत राम माफंत
जगदीश चन्द्र अड्डा होशियारपुर जालधर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में
अधाहस्ताक्षरी जानता है।)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1505 मई 1974 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालधर में लिखा है।

बी० आर० सागर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख 31 दिसम्बर 1974
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 31 दिसम्बर 1974

निदेश सं० एएसआर/जे यू एल/एपी-1520/74-75—

यतः मुझे बी० आर० सागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह

विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका

उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०

1274 मई 1974 लिखा है, जो जालंधर में स्थित है (और

इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्री-

कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण

अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन 1974 मई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान

प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त

सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे

दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक

(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया

ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन

कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या

उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों

को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922

(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957

(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए

था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के

अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-

वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)

के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) कुलभूषण पुत्र नंद लाल आफ एन० बी० 270 धर्मवीर,

नरिन्दर देव जगदीश मिश्र अवनाश चंद पुष्पा देवकी

विश्वना डा० नंद लाल जी० ए० जोगिन्दर कुमार निर्मला

दत्त पुत्र पंडित मरन दास रायपुर गाहो त० दसुआ।

(अन्तरक)

(2) लीडर इंजीनियरिंग वर्क्स जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेप यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1274 मई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

बी० आर० सागर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख . 31 दिसम्बर 1974

मोहर :—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० ए०एस०आर०/जाल/एपी-1521/74-75—यतः
मुखे बी० आर० सागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2297 मई 1974 लिखा है, जो आदमपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरभजन सिंह पुत्र प्रताप सिंह पुत्र रत्ना सिंह वासी आदमपुर।

(अन्तरक)

(2) प्रीत वैलेस आदमपुर मार्फत सं० मोहिंदर पाल सिंह सामने पट्टोलपम्प, न्यू जवाहर नगर, जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में, किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2207 मई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

बी आर० सागर

तारीख : 31 दिसम्बर 1974

मोहर :

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० ए०एस०आर०/ जाल /एपी-1522/74-75—
यतः मुझे वी० आर० सागर आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है और जिस
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1382
नई 1974 लिखा है, जो बस्ती रोड में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मई को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री कर्म चन्द पुत्र वरिपाम राम पुत्र हीरा राम,
नई आबादी रामदासपुरा सकान नं० 191, जालंधर अटार्नी
आफ श्री लछमन सिंह पुत्र राज राम सिंह (हिमाचल प्रदेश)
(अन्तरक)

(2) श्रीमती किशनी देवी पत्नी श्री कर्म चंद पुत्र कर्म
चंद रामदासपुर त० जालंधर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (196 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1382 मई
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

वी० आर० सागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 दिसम्बर 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/जाल/एपी-1523/74-75—
यतः मुझे वी० आर० संगर सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2017 मई 1974 लिखा है, जो मोता सिंह नगर, जालंधर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मई को पुर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना:

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही की शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री हरबंस सिंह पुत्र श्री जवाला सिंह पुत्र प्रताप सिंह जी० ऐ० हरबलाम कौर पत्नी हरबंस सिंह जालंधर।

(अन्तरक)

(2) श्री रवि राजसिंह गिल पुत्र बलवंत सिंह पुत्र दातर सिंह गांव गरहा त० जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लान नं० 760 मोता सिंह नगर, जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2017 मई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

वी० आर० सागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 31 दिसम्बर 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० ए०एस०आर०/जाल०/एपी-1524/74-75—

यतः मुझे वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1444 मई 1974 लिखा है, जो गोपालपुर उर्फ विधिपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बलजिंदर कौर पत्नी तारा सिंह पुत्र दाना वी० और पी० आं० माडोपर त० फगवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स मोनारज रबड़ इन्डस्ट्रीज मार्फत श्री मदन मोहन गुप्ता 99 आदर्श नगर, जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1444 मई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

वी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 31 दिसम्बर 1974

अर्जन रेंज, अमृतसर।

मोहर:

प्रारूप अर्द्ध-टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० अमृतसर/जालंधर/प० पी०-1525/74-75—

यत, मुझे वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संघर्षता जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1499 मई 1974 लिखा है, जो नगल सलीमपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अतिसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुरिद्र कौर पुत्री रघवीर सिंह पुत्र ऊधम सिंह फौजी रोड, जालंधर कैंट। (अन्तरक)

2. श्रीमती अनंत कौर पत्नी श्री सोहन सिंह पलविंदर कौर पुत्री श्री केवल सिंह केवल पुत्र श्री मोहन सिंह, रघुपाल सिंह पुत्र केवल सिंह गांव रेऊ तहमील जालंधर (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसर

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1499 मई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

वी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख . 31 दिसम्बर 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

निर्देश स० अमृतसर/जालंधर/ए० पी०-1526/74-75—
यतः, मुझे, बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है और जिसकी म० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1890 मई 1974 लिखा है, जो गुरुनगर, जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्रीमती चरणजीत कौर पत्नी श्री उमराओ सिंह अलावलपुर (अन्तरक)

2. कोन्टरैक्टर बलदेव राज पुत्र मेला राम पुत्र दौलत राम दसुआ जिला होशियारपुर (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवश है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1890 मई 1974 का रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है ।

बी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 दिसम्बर 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० अमृतसर/जालंधर/ए० पी०-1527/74-75—
यतः, मुझे, वी० आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1774 मई 1974 लिखा है, जो गांव अली खेल में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269B के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कर्म सिंह चेला बाबू हरनाम सिंह गांव जयराम पुर त० एण्ड जिला कपूरथला (अन्तरक)

2. श्री सखजीत सिंह पुत्र भूपिंदर सिंह पुत्र चना सिंह हरजीत सिंह पुत्र सुरिन्दर सिंह गांव बल त० एण्ड जिला जालंधर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती गांव अली खेल में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1774 मई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के जालंधर में लिखा है।

वी० आर० सगर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 दिसम्बर 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० अमृतसर/जालधर/ग० पी०-1528/74-75—

यतः, मुझे, बी० आर० सागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1601 मई, 1974 लिखा है, जो गांव अली खेल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीष्म पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. संत कर्म सिंह चेला बाबा हरनाम सिंह गांव जयराम पुर त० कपूरथला (अन्तरक)

2. श्रीमती पाल कौर पत्नी सुरिंदर सिंह भजन कौर पत्नी श्री भूपिंदर सिंह गांव बल त० जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1601 मई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

बी० आर० सागर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 दिसम्बर 1974

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 31 दिसम्बर, 1974

निर्देश सं० ए०एस०आर०/जाल०/ए०पी०-1529/74-75—
यतः मुझे बी० आर० सगर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1184 मई, 1974 लिखा है, जो तंगल सलीमपुर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. राजिन्दर कौर पुत्री रघुवीर सिंह पुत्र ऊधम सिंह,
फौजी रोड, जालंधर कैंट।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अन्तकौर परती सोहन सिंह पुत्र मुनशा सिंह पलविन्दर कौर पुत्री श्री केवल सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह केवल सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह, रछपाल सिंह पुत्र केवल सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह, गांव रेखू, त० जालंधर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधो-हस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1184, मई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

बी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 दिसम्बर, 1974
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० ए०एस०आर०/जाल०/ए०पी०-1530/74-75
यतः मुझे वी० आर० सागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1188 मई, 1974 लिखा है, जो नंगल सलीमपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से

कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. राजिन्दर कौर पुत्री रघुवीर सिंह पुत्र ऊधम सिंह,
फौजी रोड, जालंधर कैंट । (अन्तरक)

2. श्रीमती अनंत कौर पत्नी श्री गोहन सिंह, पुत्र मुंशा सिंह,
पलविंदर कौर पुत्री केवल सिंह पुत्र श्री गोहन सिंह पुत्र
मुंशा सिंह, रघुपाल सिंह पुत्र केवल सिंह पुत्र मोहन सिंह,
केवल सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह पुत्र मुंशा सिंह गांव रेह,
तहसील जालंधर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1188, मई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है ।

वी० आर० सागर,

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 दिसम्बर, 1974 ।

मोहर ;

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 31 दिसम्बर, 1974

निर्देश सं० ए०एस०आर०/जुला०/ए०पी-1531/74-75 यतः मुझ वी०आर० सगर सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1495, मई, 1974 लिखा है, जो नंगल सलीमपुरा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए, प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा

1. सुरिन्दर कौर पुत्री रघुबीर सिंह, पुत्र ऊधम सिंह, वासी फौजी रोड, जालंधर कैंट। (अन्तरक)

2. श्रीमती अनंतकौर पत्नी मोहन सिंह, पत्नीविंदर कौर पुत्री केवल सिंह, केवल सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह, रघुपाल सिंह पुत्र केवल सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह, वासी रेह। (अन्तरिती)

3. जैमाकि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1495, मई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 दिसम्बर, 1974
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 दिसम्बर, 1974

निदेश सं० ए० एस०आर०/फग०/ए०पी०-1532/71-74 -

यत मुझे बी० आर० सागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 240 मई, 1974 लिखा है, जो गांव भगवानपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री मेहर सिंह पुत्र दलीप सिंह, बी० एण्ड पी० ओ०
रामपुर सुनरा त० फगवाड़ा। (अन्तरक)

2 श्री प्रजीत सिंह पुत्र ब अन्त सिंह

गांव बेरन, त० फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

3 जैसा कि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तर्गती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 240, मई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

बी० आर० सागर,

सक्षम प्राधिकारी,
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख . 31 दिसम्बर 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 दिसम्बर, 1974

निर्देश सं० ए०एस०आर०/एन०एस०/ए०पी०-1533/74-75—यतः मुझे वी० आर० सागर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 751, मई, 1974 लिखा है, जो रेलवे रोड, नवां शहर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवां शहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रमेशचन्द्र कारसेल्फ एण्ड जी०ए०आफ धर्मवीर महाराज धामी नवां शहर। (अन्तरक)

2. श्री सोहन सिंह पुत्र करतार सिंह, वासी गांव अरापुर, त० नवांशहर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 751, मई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर में लिखा है।

वी० आर० सागर,

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 31 दिसम्बर, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 दिसम्बर, 1974

निदेश सं० ए०एम०आर०/एन०एस०/ए०पी०-1534/74-75—यत् मुझे बी० आर० सागर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 673 मई, 1974 लिखा है, जो गेलवे रोड, नवागहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवागहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच नय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का, 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना

और यत्: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री विपिन चन्द्र उर्फ विपिन चन्द्र पाल, हरीश चन्द्र पुत्र महाराज पुत्र गोपी, वासी नवागहर।

(अन्तरक)

2 श्री गुरुमुख सिंह पुत्र करतार सिंह, गांव अरापुर, त० नवागहर। (अन्तरिती)

जैसा कि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

1. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उनकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वास्थ्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 673, मई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नवागहर में लिखा है।

बी० आर० सागर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज अमृतसर

तारीख . 31 दिसम्बर, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० एएसआर/एपी-1535/74-75—यत मुद्र
वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 2/3 भाग कोठी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1710 अगस्त, 1974 लिखा है, जो 59, हुकम सिंह रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 अगस्त, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की पधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) दी न्यू सुरज ट्रासपोर्ट कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड
आउट मार्ड गांधी गेट, अमृतसर मार्फत श्री बलदेव कृष्ण, चेयरमैन
(अन्तरक)

(2) श्री अमरजीत कौर पत्नी श्री अजीत सिंह बलदेव कौर
पत्नी जोगिन्द्र सिंह, हुकम सिंह रोड, अमृतसर
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2/3 भाग कोठी न० 59 हुकम सिंह रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1710 अगस्त, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
तारीख: 31-12-74 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर: अर्जन रेंज, अमृतसर।

प्रारूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज अमृतसर

का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० एएसआर/एपी-1536/74-75—यन. मुझे, बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2976 दिसम्बर, 1974 लिखा है, जो मकान नं० 1285 और 897

एक्स-5 एक्स-5

ढाँच खतीका अमृतसर में स्थित है (और इसमें उठाव अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 दिसम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किय गये हैं ।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गृध्र पत्नी केवल किशन कपूर बासी ढाँच खतीका अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार पुत्र श्री सत्या पाल मेठ कटरा चरन सिंह, अमृतसर । (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है) ।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/3 भाग मकान नं० 1285 और 897 ढाँच खतीका, अमृतसर एक्स-5 एक्स-5

में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2976 दिसम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है ।

बी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,

तारीख: 31-12-74 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर: अर्जुन रेंज, अमृतसर ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 दिसम्बर 1973

निर्देश न० ए०एस०आर०/1537/74-75—यन, मुझे वी० आर० भगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2977 दिसम्बर, 1974 लिखा है, जो मकान न० 1285 और 897 हाथ एक्स-5 एक्स-5, खतीका अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 दिसम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती शुभ पत्नी श्री केवल किशन कपूर बामी शाव खतीका, अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्री रमन कुमार पृथ श्री सत्या पाल कटरा चरन सिंह, अमृतसर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग मकान न० 1285/एक्स-5 और 897/एक्स-5 हाथ खतीका अमृतसर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2977 दिसम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

वी० आर० भगर,
सक्षम प्राधिकारी,
तारीख: 31-12-74 महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर. अर्जन रेंज, अमृतसर।

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० ए०एस०आर०/एपी-1538/74-75—यतः, मुझे, बी० आर० सगर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2978 दिसम्बर, 1974 लिखा है, जो मकान नं० 1285 और 897 ढाब खतीका अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ब के अन्तर्गत् में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घोषितः—

(1) श्रीमती शुभ पत्नी केवल किशन कपूर वामी ढाब खतीका, अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्रीमती ग्वर्ण लता पत्नी श्री मध्या पाल मेठ कटरा चरन मिश्र, अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(1) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तोः—

(1) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग मकान नं० 1285/एक्स-5, और 897/एक्स-5 ढाब खतीका अमृतसर में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2978 दिसम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

बी० आर० सगर,

सक्षम प्राधिकारी

तारीख : 31-12-74 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
मोहर अर्जन रेंज, अमृतसर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 1 जनवरी 1975

निदेश सं० एसआर/एपी-1539/74-75---यतः मझे, बी०
आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269 घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 631
मई, 1974 लिखा है, जो गांव बजवारा में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे
बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जगदीश राम जेरथ पुत्र स्वर्गीय चूनी लाल जेरथ
ए-330 डीफैम कालोनी, नई दिल्ली-24। (अन्तरक)

(2) श्री राम लाल, गोविंद राम और सीता राम पुत्र रत्ना
राम मोहनता मोरी बहादुरपुर तहसील और जिला होशियारपुर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) बोर्ड व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45-
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने
ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 631 मई, 1974
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी देहली में लिखा है।

बी० आर० सगर,

मक्षम प्राधिकारी,

तारीख: 1-1-75

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर:

अर्जन रेंज, अमृतसर।

(1) श्री वेद व्यास पुत्र अनन्त राम कृष्ण नगर, अमृतसर
(अन्तरक)

(2) श्री राम लाल पुत्र गंध रखा गल, शनीफ पुरा अमृतसर
कृष्ण लाल पुत्र मन्शी राम, मेवा मडी अमृतसर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोऽहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति हम सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिणी को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2340 मई, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों अमृतसर में लिखा है।

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी

तारीख 10-1-75 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर: अर्जन रेज, अमृतसर

THE GAZETTE OF INDIA, FEBRUARY 8, 1975 (MAGHA 19, 1896)

869

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

आन 269 घ (1) के अधीन सूचना

नारत गज पर

कामगिरि, सहायक प्रमुख - प्रायस्क (निरीक्षण),

—, २७ मार्च

अमृतसर दिनांक 10 जनवरी 1975

निदेश नं० गार/ग/एपी-1541/73-74—यत मुझे, वी० आर० गार आख्यतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास है कि कारण है कि स्वतंत्र मध्यम जिम्मा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सहायता देगा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2340 मई 1971 को जारी की जाने में स्थित है (और इससे उपाय अतिसूची के अंतर्गत प्रदान की गई है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के तात्कालिक रूप से प्रत्येक रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1905 (1905-1906) के अंतर्गत 1974 मई, को पूर्वोक्त नमूने के उचित बाजार मूल्य से अधिक के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और जो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वगत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरण (अन्तरण) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित रद्द करने के अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) = राजस्व में हुई किसी आय की बानत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) के अधीन कर की दर निर्धारण के दायित्व में कमी करने या उल्टे जमाने के लिए खबर बनाना; और/या

(ख) ऐसी जमीन जहाँ या किसी तब या अन्य आस्तियों पर, 1922 (1922) अधिनियम, 1961 (1961) अधिनियम, 1957 (1957) अधिनियम, 1957 (1957) के प्रयोजनार्थ अनारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था प्र किया जाना चाहिए 1922 के लिए सूकर बनाना ।

औरगत तन्त्र २ धिनियम, १९६१ (१९६१ पा४३)
के लक्ष्यवाचक भाष्य में प्रवर्तन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही प्रारम्भ की है। (अनुच्छेद २२४) अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, पारा 269-न के अन्तर्गण में, मै आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यवहार्यों, अर्थात् :—

6-444GI/74

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 10 जनवरी 1975

निर्देश न० अमृतसर/ए०पी०-1542/74-75—यतः, मुझे
बी० आर० नगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी नं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2336
मई 1974 लिखा है, जो तुंग पेन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में श्रेष्ठ पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 1974 मई,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति को
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शर्तों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री वेद व्यास पुत्र श्री अनन्त राम निवासी, कृष्णा नगर
अमृतसर।

(अन्तरक)

- (2) श्री राम लाल पुत्र श्री राम रखा मल,
निवासी शरीफ पुरा, अमृतसर।
श्री कृष्णलाल पुत्र श्री मुन्शी राम,
मेवा मण्डी, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह
व्यक्ति, जिसके बारे में अधाहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2336 मई, 1974
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

बी० आर० नगर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 10-1-1975

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 जनवरी 1975

निर्देश सं० अमृतसर/ए०पी०-1543/74-75—यतः, मुझे
बी० आर० सगर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी संघर्षती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1851 मई,
1974 लिखा है, जो गांव खैपर खेरी और बसरकी में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 मई,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के
लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गुरुबचत कौर पत्नी बलवत सिंह, गांव खापर
खेरी तहसील अमृतसर अब राधा स्वामी देग व्यास। (अन्तरक)

(2) श्री जरनैल सिंह, सुरजीत सिंह, अमरजीत सिंह पुत्र
हरवीर सिंह खापर खेरा त० अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जनाना है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भारती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1851 मई, 1974 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

बी० आर० सगर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख: 10-1-75।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 जनवरी 1975

निदेश सं० अमृतसर/ए०पी०-1544/74-75—यतः, मुझे वी० आर० सगर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1262 मई 1974 लिखा है जो गांव भैली दाई वाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तरन तारन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मोहिन्दर सिंह पुत्र श्री भगन सिंह
गांव भैली दाई वाला, न० अमृतसर। (अन्तरक)

(2) कर्म सिंह पुत्र ठाकुर सिंह, अजीम सिंह आम्सा सिंह पुत्र माधु सिंह, मुख्तियार सिंह पुत्र बहादुर सिंह गांव भैली दाई वाला (अमृतसर)। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 पर है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिकार में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके प्रकाशित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उद्देश्य में कि, मैं, आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत दिए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्याख्यानित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1262 मई 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, तरन तारन में लिखा है।

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 10-1-1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 8 नवम्बर, 1974

निर्देश सं० के०एन०एल०/28/74-75--यत मुझे जी० पी० सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सख्या प्लॉट न० 48, जलनैली कलौनी है जो सामने सिविल हस्पताल, करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई विसा आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमा करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना,

और यत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में प्रयोजित सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग क अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) (i) मनाहर लाल गम्भीर, बकौल करनाल

जिला कोर्ट, करनाल।

(ii) श्री देस राज पुत्र श्री लक्ष्मी दास,

निवासी बैस्ट पटेल नगर,

नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कृष्ण देव पुत्र श्री सालग राम,

निवासी भकान न० 1033, बारड न० 6,

नजदीक डिस्टेलरी, सदर बाजार, करनाल।

दफतर का पता ब्रिन्शी इमपोग्रियम, जी० टी० रोड, करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाही शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 48, जलनैली कलौनी, सामने सिविल हस्पताल, हस्पताल रोड, करनाल।

प्लॉट न० 48 उत्तर की तरफ से हस्पताल रोड से घिरा हुआ है। सड़क की दूसरी तरफ हस्पताल है, प्लॉट न० 46 श्री आर० एस० सेठी का है जिस पर नई दुकानें पश्चिम की तरफ बनी हुई हैं। इसके पीछे दक्षिण की तरफ प्लॉट न० 50 जो कि श्री बी० एस० भाटिया का है और प्लॉट न० 51 पर भी श्री के० डी० शर्मा का घर है, प्लॉट न० 52 पर पूर्व की तरफ श्री ऐन० ऐल० गम्भीर का घर है।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख: 8-11-1974।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 8 नवम्बर 1974

निर्देश सं० सीएचडी०/107/74-75—यतः, मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस० सी० एफ० नं० 18, सैक्टर 26, है जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इस उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से लक्षित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचामे के लिए सुकर बनाना और/या ;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती रछपाल कौर पुत्री श्री भगवन्त सिंह,
485, अजीत नगर, पटियाला । (अन्तरक)

- (2) श्री बसन्त सिंह पुत्र श्री बूटा सिंह,
गांव श्रीर डाकखाना : जनडीला, त० गढ़शंकर ।
जिला : हुशियारपुर ।

(अन्तरिती) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा ध्याते यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एफ० सी० एफ० नं० 18, सैक्टर 26, अनाज मण्डी, चण्डीगढ़

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 8-11-1974

बोहर :

प्रारूप आई०टी०एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 11 नवम्बर 1974

निदेश सं० सी०एच०डी०/113/74-75/ :—यत्. महे
जी० पी० सिंह,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज चण्डीगढ़
आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3061, सैक्टर 21-D है जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेब के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत्: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) श्री अमृत पाल अग्रवाल पुत्र श्री कुन्दन लाल,
33-एफ, कमला नगर, नई दिल्ली-7 (अन्तरक)

(2) श्री सुरिन्द्र नाथ सूद पुत्र श्री कनवर लाल सूद निवासी
94, सैक्टर 21-ग०, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवादी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्तीपरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3061, सैक्टर 21-डी० चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 11 नवम्बर 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आगहन (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चन्डीगढ़

चन्डीगढ़, दिनांक 15 नवम्बर 1974

निदेश सं० सी० एच० डी०/125/74-75 /—यन, मझे जी० पी० सिंह

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज चन्डीगढ़-आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है और जिसकी सं० एच०/न० 53, सैक्टर 21-ए० है जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूपसे कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिये सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना,

और यत् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसारण में मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री शान्ती सरूप अबू पुत्र श्री पूर्ण चन्द्र अबू 53 सैक्टर 21-ए०, चन्डीगढ़। (अन्तरक)

(2) (i) कृष्ण सिंह पुत्र बनन सिंह

(ii) श्री गुरनाथ सिंह

(iii) गुरमोत सिंह पुराना श्री कदन सिंह निवास गांव पिडी जागीर जिला जालंधर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 53, सैक्टर 21-ए०, चन्डीगढ़।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चन्डीगढ़

तारीख 15 नवम्बर, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, चन्डीगढ़

चन्डीगढ़, दिनांक 15 नवम्बर 1974

निदेश सं० एल० डी० एच०/सो०/188/74-75/ :—यतः,
मुझे, जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी संख्या जमीन है जो बाड़ेवाल भवाना, तहसील लुधियाना
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
प्रारंभ, 1974,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक(अन्तरकों)
और अन्तरिती(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती शिवाया बती उर्फ विद्या बी० प्रीतम सिंह
विधवा बिरीगेडियर प्रीतम सिंह निवासी देहली।

(ii) श्रीमती चान्द पुत्री बखशी प्रीतम सिंह, पत्नी सरदार
उज्जल सिंह निवासी देहली।

7-444GI/74

(iii) श्रीमती मनजीत कौर उर्फ मनजीत सोढ़ी पुत्री
बखशी प्रीतम सिंह, पत्नी कर्नल जी० एस० सोढ़ी, एडमिनि-
स्ट्रेटिव आफिसर, अम्बाला कैन्ट द्वारा मेजर बख्तार सिंह, मुख्यार-
ए-ग्राम। (अन्तरक)

(2) (i) मछतर सिंह } पुस्तान श्री आगौर सिंह
(ii) श्री सूरजीत सिंह } पुत्र श्री हजारा सिंह
(iii) श्री दलजीत सिंह }

निवासी-फतेहपुर अवाना, तहसील, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेतीवाड़ी की भूमि क्षेत्रफल 3 बीगा, 16 बिसवा, खेवट नं०
346, खतोनी नं० 358, खसरा नं० 285, गांव बाड़ेवाला ब्रह्मना
में स्थित है तहसील और जिला लुधियाना।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, चन्डीगढ़

तारीख : 15 नवम्बर 1974
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

अण्डाग, दिनांक 15 नवम्बर, 1974

निदेश सं० LDH/C/335/74-75/ :—दत्तः, मझे
जी० पी० सिंह

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अण्डाग
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
और जिसकी सं० जमीन र, जो तर्फ बाबा बारा (त० लघियाना),
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लघियाना में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
1974, जलाई,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारसबिक रूप
से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अफिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269 की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भाग सिंह पुत्र श्री हरी सिंह, कारा बारा, लघि-
याना (अन्तरक)

(2) न्यू इन्डिया कलौनाहंजरख 55, भादोड़ हाऊस,
लघियाना द्वारा श्री बाल कृष्ण। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान स्थित किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 8 कनाल, छेकट बं० 1164 किला० 13

1265 24/2

13

पक्ष काराबारा स्थिति है तहसील और जिला लघियाना
17/1

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अण्डाग

तारीख : 15 नवम्बर, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

चण्डीगढ़, दिनांक 24 दिसम्बर, 1974

निदेश सं० LDH/ C /446/74-75/—यतः,
मुझे जी० पी० सिंह,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी जमीन है जो गांव हैबोवाल कलां तहसील
और जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 1974 जून,

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात्:—

- (1) (i) श्री सरनजीत सिंह } पुत्रान श्री हीरा सिंह,
(ii) श्री अमर जीत सिंह } निवासी हैबोवाल कलां तहसील और जिला लुधियाना (अन्तरक)
(2) श्रीमती लाजवन्ती पत्नी श्री दौलत राम पुत्र श्री जीवन
दास निवासी टंगोर नगर लुधियाना।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पत्र के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क
में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4 कनाल भूमि जिसका खाता न० 547/599 और खास
न० 36/19, निन (जनाबन्दी 1971-73) जो कि हैबोवाल
कलां गांव में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख न० 1601, जून, 1974
में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है)।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 24 दिसम्बर, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, चन्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 24 दिसम्बर, 1974

निदेश सं० एल० डी० एच०/सी०/447/74-75:—यतः,

मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज चन्डीगढ़ आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक

और जिसकी सं० जमीन है जो गांव हैबोवाल कलां में तहसील और जिला लुधियाना में स्थित है (और इसके उनावद्ध अनुपूर्वों में और पूर्ण रूपा से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 जून,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे घटने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) (i) श्री सरनजीत सिंह

पुत्रान श्री हीरा सिंह

(ii) श्री अमर जीत सिंह (अन्तरक)

निवासी हैबोवाल कला तहसील और जिला लुधियाना

(2) श्रीमती सुरिन्द्र कुमारी पत्नी श्री कृष्ण लाल पुत्र श्री दीलत राम, निवासी टैगोर नगर, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को भी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुमूची

4 कनाल भूमि जिसका खाता न० 546/599 और खसरा न० 36/16 मिन (जमाबन्दी 1971-72) जो कि हैबोवाल कलां गांव में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख न० 1602, जून, 1974 में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है)।

जी०पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, चन्डीगढ़

तारीख : 24 दिसम्बर, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, अमृतसर

चण्डीगढ़, दिनांक 24 दिसम्बर, 1974

निदेश सं० एल०डी०एच०/सी०/448/74-75/ :—यतः,
मुझे जी० पी० सिंह,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रंज चण्डीगढ़
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन है जो गांव हैबोवाल कला तहसील और
जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, 1974 जून,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित
छद्म से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (i) श्री सरनजीत सिंह
पुत्रान श्री हीरा सिंह
(ii) श्री अमरजीत सिंह (अन्तरक)
निवासी हैबोवाल कला तहसील और जिला लुधियाना।

(2) श्री सुन्दर लाल पुत्र श्री बीलत राम निवासी देगोर,
नरग, लुधियाना। (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4 कनाल जमीन जिसका खाता न० 547/599 और खसरा
न० 36/17 मिम० (जमाबन्दी 1971-72) जो कि हैबोवाल
कला गांव में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख न० 1603, जून, 1974
में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है।)

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, चण्डीगढ़

तारीख : 24 दिसम्बर, 1974
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एच० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़,

चण्डीगढ़ दिनांक 24 दिसम्बर, 1974

निदेश सं० LDH/ C /449/75-75/ :—यतः,
जी० पी० सिंह,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज चण्डीगढ़
आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है जो गांव हैबोवाल कलां तहसील और जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 जून, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अगतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबीजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट सही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) (i) श्री सरनजीत सिंह
पुत्रान श्री हीरा सिंह, (अन्तरक)

(ii) श्री अमर जीत सिंह,

निवासी हैबोवाल कलां, तहसील और जिला लुधियाना

(2) श्रीमती लाजवन्ती पत्नी श्री दोलत राम, पुत्र श्री जीवन दास निवासी टेगोर नगर, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए के एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई है, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वाधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 4 कनाल जिसका खाता न० 547/589 और खसरा न० 36/17 मिन (1—3), 18/1,— मिन (1—12) और 19—मिन (1—5) (जमाबन्दी 1971-73) जोकि गांव हैबोवाल कलां में स्थित है।

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1604 जून, 1974 में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है।

(जी० पी० सिंह),

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़,

तारीख : 24 दिसम्बर, 1974

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज खण्डीगढ़
का कार्यालय

खण्डीगढ़, दिनांक 27 दिसम्बर, 1974

निदेश सै० एच०एस०आर०/25/74-75—यस: मुझे जी० पी० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से अधिक है और जिसकी संख्या जो खेती बाड़ी, अर्सीन, गांव सतरोद खास तहसील व जिला हिसार में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिति) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:—

(1) 1. श्री गिआनी राम, 2. श्री तेज राम पुतान श्री जोत राम जाट, गांव और डाकखाना सतरोद खास तहसील और जिला हिसार। (अन्तरक)

(2) दी प्रिंसिपल आफिसर मै: जनक स्टील ट्यूब प्राइवेट लिमिटेड देहली रोड, हिसार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाही शुरू करता हूं।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वस्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में समाविष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती बाड़ी जमीन 48 कनाल 9 मरले का 1/3 हिस्सा 16 कनाल 3 मरले जिसका खसरा नं० 167/10, 11, 12, 13, 18/2, 19, 22, 23/1 है और जो कि सतरोद खास, तहसील व जिला हिसार में स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हिसार के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 319 मास मई 1974 में दिखाया गया है।

जी० पी० सिंह,
सक्षम-अधिकारी

तारीख: 27-12-74
मोहर:

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, खण्डीगढ़

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़
का कार्यालय

चण्डीगढ़ दिनांक 27 दिसम्बर, 1974

निदेश सं० एच० एस० आर०/36/74व75—यत्. मुझे जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सख्या खेती बाड़ी जमीन है, जो गांव खतरोद खास, तहसील ब जिला हिसार में स्थित है (और इससे उपाध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मट्ट, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) (i) श्री गिम्पानी राम (ii) श्री तेज राम पुत्रान श्री जोत राम जाट गांव और डाकखाना सतरोद खास तहसील ब जिला हिसार । (अन्तरक)

(2) प्रिंसिपल आफिसर मै. जनक स्टील ट्यूब प्रा० लि० देहली रोड, हिसार । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पंरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खेती बाड़ी जमीन 48 कनाल 9 मरल का 1/3 हिस्सा 16 कनाल 3 मरले जिसका खसरा न० 167/10, 11, 12, 13, 18/2, 19, 22, 23/1 जो कि गांव सतरोद खास, तहसील ब जिला हिसार में स्थित है ।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हिसार कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 320, मास मई, 1974 में दिखाया गया है ।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 27-12-74

ओहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक 27 दिसम्बर, 1974

निर्देश सं० एच०एस०आर/37/74-75—यतः मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या है जो खेती बाड़ी जमीन, गांव सतरोड खास तहसील व जिला हिसार में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हिसार में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974 को पूर्वाधिकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अमिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8-444GI/74

(1) (i) श्री गिम्रानी राम, (ii) श्री तेजू राम पुत्रा श्री जोराम जाट गांव और डाकखाना सतरोड खास तहसील और जिला हिसार (अन्तरक)

(2) दी प्रिन्सिपल आफिसर मै: जनक स्टील ट्यूब प्रा० लि० देहली रोड, हिसार । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस रथावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त दंड के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खेती बाड़ी जमीन 48 कनाल 9 मरले का 1/3 हिस्सा 16 कनाल 3 मरले जिसका खसरा न० 167/10, 11, 12, 13 18/2, 19, 22, 23/1, है और जो कि गांव सतरोड खास, तहसील व जिला हिसार में स्थित है ।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हिसार के रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 321 मास मई, 1974 में दिखाया गया है ।

[जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 27-12-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, चण्डीगढ़ का कार्यालय

चण्डीगढ़, दिनांक 27 दिसम्बर, 1974

निदेश सँ० एच०एस०आर-3874-75—यतः मुझे, जी० पी० सिंह, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मर्यादा है, जो खेती बाड़ी जमीन गांव मतरौद खास, तहसील ब जिला हिसार में स्थित है (और इससे उपावस प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सूकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता नाद्विग था, दिवाने के लिए सूकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री जोत राम पुत्र श्री मातू जाट गांव श्रीर उन्कखाना मतरौद खास, तहसील श्रीर जिला हिसार। (अन्तरक)

(2) दी प्रिंसिपल आफिसर में जनक स्टील टयूब प्रा० लि० बहेली रोड हिसार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती बाड़ी जमीन 15 कनाल 11 मरला जिसका किला नं० 167/20, 21 और जो कि गांव मतरौद खास, तहसील ब जिला हिसार में स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हिसार के रजिस्ट्रीकृत विवेक नं० 323, में मास, मई, 1974 में दिखाया गया है।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज चण्डीगढ़

तारीख: 27-12-74

मोहर:—

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
का कार्यालय
भर्जन रेज चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 30 दिसम्बर 1974

निदेश सं० लुधि०/सी/450/74-75—यतः मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन मध्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है और जिस की म० जमीन है जो गांव हवोवाल कला तहसील और जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मई और

सितम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति 3 अचल बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) (i) श्री सरनजीत सिंह (ii) श्री अमरजीत सिंह पुत्रांम श्री हीरा सिंह, निवासी हवोवाल कला, तहसील और जिला लुधियाना (अन्तरक)
- (2) (i) श्रीमती सुरिन्दर कुमारी पत्नी श्री कृष्ण कुमार निवासी हंगौर नगर, लुधियाना,
(ii) श्रीमती लाजवन्ती पत्नी श्री दौलत राम निवासी छाबनी मुहल्ला, लुधियाना
(iii) श्री प्यारा लाल पुत्र श्री जीवन दाम निवासी छाबनी मुहल्ला, लुधियाना
(iv) श्री दौलत राम पुत्र श्री जीवन दाम निवासी प्रार्थ स्कूल रोड लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसमें ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 23 कनाल 5 मरले जो कि गांव हवोवाल कला तहसील और जिला लुधियाना,

रजिस्ट्रार डीड नं० 578/मई 1974 खाता नं० 548/600, खसरा नं० 36/18/2,

रजिस्ट्रार डीड नं० 580/मई 1974 खाता नं० 547/599, खसरा नं० 36/18/1,

रजिस्ट्रार डीड नं० 4365/सितम्बर 1974 खाता नं० 547/599, खसरा नं० 36/12/6 मिन०,

रजिस्ट्रार डीड नं० 4366/सितम्बर 1974 खाता नं० 547/599 खसरा नं० 36/12/6-मिन०

रजिस्ट्रार डीड नं० 4369/सितम्बर 1974 खाता नं० 547/599 खसरा नं० 36/18-मिन०

रजिस्ट्रार डीड नं० 4370 और 4371 सितम्बर 1974 खाता नं० 547/599, खसरा नं० 35/

11/1/(2-12) 11/2(5-08)

और खाता नं० 547/599, खसरा नं० 35

20 मिन० (5-17) 20/2 मिन० (2-7)

जमाबन्दी 1971-72, के अनुसार

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 576 और 580 मई 1974 नं० 4365, 4366 4369, 4370 और 4371 सितम्बर 1974 में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है।

जी० पी० सिंह

मध्यम प्राधिकारी,

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख 30-12-1974
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 24 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० एल० डी० एच०/आर/37/74-75—यतः मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या जमीन है जो गांव गयासपुरा, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, जून को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वक्षित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जगज्जन सिंह पुत्र श्री बलैती सिंह निवासी जसपाल बांगर तहसील लुधियाना (अन्तरक)

(2) मै० ओसवाल वूलन मिल्स लिमिटेड लुधियाना द्वारा श्री विद्या सागर ओसवाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद हिसब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

24 कनाल जमीन जो कि गयासपुरा, लुधियाना में स्थित है। जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1846, जून 1974 में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है।

खसरा नं० 47, खाता नं० 195/221, जमाबन्दी 1968-69

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 24 दिसम्बर 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 30 दिसम्बर 1974

निदेश सं० डीबीएस/18/74-75—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० जमीन, है जो गांव विष्णुपुरा जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेरा बसी, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 जून, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री देविन्द्र चन्द्र चोपड़ा पुत्र श्री भगीरथ चन्द्र निवास गांव कृष्णपुरा, जिला पटियाला (अन्तरक)

(2) श्री हर महिन्द्र सिंह, पुत्र श्री करतार सिंह, निवासी कोठी नं० 2, फरेंडज कालोनी, टेलर रोड, अमृतसर (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 38 बीघे 15 बिस्वे, जोकि गांव कृष्णपुरा जिला पटियाला में स्थित है खसरा नं० 973/4-0, 975/4-0, 976/4-0, 977/4-12, 978/2-3, 979/4-0, 980/4-0, 984/4-0, 986/4-0, 987/4-0, जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 489, जून 1974 को सब रजिस्ट्रार डेरा बसी के दफ्तर में लिखा है।

38 बिघा 15 बिस्वा भूमि, इमारत, मर्गीखाना और पशुओं की अगह सहित।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 30-12-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 23 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० डीबीएस/19/74-75—यतः, मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है जो गांव किण्णपुरा जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेरा बसी, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 जून को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिम्मे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री उदे चोपड़ा, पुत्र श्री डी० सी० चोपड़ा, निवासी गांव किण्णपुरा, जिला पटियाला (अन्तरक)

(2) श्री हरमहिन्द्र सिंह पुत्र श्री करतार सिंह, कोठी नं० 2 फरैन्डज कलौनी, टेलर रोड, अमृतसर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्तों द्वारा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापकपरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 44 बीघे 1 बिस्वा जो कि गांव किण्णपुरा, जिला पटियाला खसरा नं० 967/4-0, 968/4-0, 969/4-0, 970/4-0, 971/0-7, 972/3-14, 974/3-14, 985/4-0, 988/4-0, 989/4-0, 990/4-0, 991/4-0, जैसे कि राजस्त्रीकृत के विलेख नं० 490 जून 1974, में सब रजिस्ट्रार के दफ्तर में लिखा है।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, चण्डीगढ़

तारीख 30-12-1974

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 15-11-1974

निर्देश सं० लुधि०/सी/284/74-75—यसः, मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ व अधिनियम सभ्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० 313/बी—XIX—एस—4, डाक्टर शाम सिंह रोड़, है जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मई को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से धारित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भाग 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) प्रेम नाथ सुंद पुत्र श्री जगन नाथ पुत्र श्री नथू राम, डाक्टर शाम सिंह रोड़, लुधियाना (अन्तरक)

(2) श्री भस्मीर सिंह, पुत्र श्री साधू सिंह, पुत्र श्री कर्म सिंह, निवासी गांव भंडियाला लहसील समराला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त धारा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जायदाद नं० 313/बी—XIX—एस—4, में से प्लॉट मिन्नी 501 वर्ग गज, जो कि लुधियाना में डाक्टर शाम सिंह रोड़ पर है ।

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2133, मई 1974 को सब-रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है ।

जी० पी० सिंह,

सभ्य प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख 15-11-1974

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 26 नवम्बर 1974

निदेश सं० लुधि/सी/266/74-75—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० प्लॉट आशापुरी कलोनी, है जो बाड़ेवाल आवाता तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, मई को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः —

(1) मै० धीर एण्ड कम्पनी कालोनाईजर्स प्राइवेट लिमिटेड रजिस्टर्ड कार्यालय 57 भदौड़ हाउस, लुधियाना, द्वारा श्री राम चन्द्र धीर पुत्र श्री शादी राम निवासी जोधवाल, लुधियाना (अन्तरक)

(2) प्रेम नाथ सूद पुत्र श्री जगन नाथ सूद पुत्र श्री नभू राम सूद, निवासी बी-19-313, डाक्टर शाम सिंह रोड सिविल लाईन लुधियाना, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापकित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बाड़ेवाल अवाना (आशापुरी) में भूमि खाता न० 341 353, 342/354 खसरा नं० 910, 911 और 900 में से भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1600 वर्ग गज है।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख 26-11-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, तिथि 26-11-1974

निदेश सं० लधि/सी०/369/74-75—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिस की सं० प्लाट आशापुर कलोनी है जो बाड़ेवाल अवावा तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अन्तर्गत धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
9-444GI/74

- (1) मै० धीर एण्ड कम्पनी कालोनाइजर्म प्राइवेट लिमिटेड,
57 भदौह हाऊस लुधियाना द्वारा श्री राम चन्द धीर
(अन्तरक)
- (2) श्री प्रेम नाथ सूद पुत्र श्री जगन नाथ सूद बी-19-313,
डाक्टर ग्राम सिंह रोड, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बाड़ेवाल अवावा (आशापुरी) में भूमि खाता नं० 341/353, 342/354 खसरा नं० 910, 911 और 900 में से भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1220 1/2 वर्ग गज है।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 26-11-1974
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 26 नवम्बर 1974

निदेश सं० एल०डी०एच०/सी 415/74-75—यतः, मुझे, जी०पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० प्लॉट आशापुरी कालोनी, है जो वाडेवाल अवावा, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मै०धीर एण्ड कम्पनी कालोनाइजर्ज प्राइवेट लिमिटेड, 57, भदौड़ हाउस, लुधियाना द्वारा श्री रामचन्द्र धीर (अन्तरक)

(2) श्री प्रेम नाथ सूद पुत्र श्री जगन नाथ सूद, बी-19-313, डाक्टर शाम सिंह रोड़ लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

बाडेवाल अवावा (आशापुरी) में भूमि खाता नं० 341/353, 342/354 खसरा नं० 910, 911 और 900, में से भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 629 1/2 वर्ग गज है ।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ ।

तारीख : 26-11-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, तिथि 30 नवम्बर 1974

निदेश सं० करनाल/33/74-75—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० जमीन है जो गांव कालसोरा तहसील करनाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उबधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) (i) ज्ञान सिंह पुत्र श्री लक्ष्मी पुत्री श्रीमती ननी
(ii) श्री गुरदियाल सिंह, पुत्र श्रीमती कृष्णी
(iii) श्री अमर सिंह, पुत्री श्रीमती ननी
गांव सरबन माजरा तहसील करनाल, (अन्तरक)
- (2) (i) श्री कलियान सिंह, पुत्र मला
(ii) श्री बिरखा राम पुत्र माम राज,

- (iii) श्री सरबना, पुत्र सुरता पुत्र जयराम,
- (iv) श्री बचना पुत्र साधू राम पुत्र हरनाम,
- (v) श्री रतीया
- (vi) श्री खजाना } पुत्रान श्री हरदियान पुत्र
- (vii) श्री रणजीत } हरनाम

गांव कलसोरा, तहसील करनाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी हर सूचना ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 127 कनाल 12 मरने, जो कि गांव कलसोरा तहसील करनाल खतौनी नं० 414, खेबट नं० 359 आयत नं० 101, खसरा नं० 21/1, 6.4, आयत नं० 102—खसरा नं० 24/2/4.0, 25/8.9—

आयत नं० 108, खसरा नं० 6/6.19, 15/2/4.4, 20/2/3.11, 25/2/3.11

आयत नं० 109—खसरा नं० 11/7.12, 19/8.0, 20/1/4.0, 20/2/2.0, 21/8.0, 22/3.17

आयत नं० 124—खसरा नं० 1/8.0, 2/4.4

आयत नं० 125 खसरा नं० 5/8.0

खतौनी नं० 416, आयत नं० 108, खसरा नं० 5/9.0 10/6.0, 11/80 खतौनी नं० 417 आयत नं० 108 खसरा नं० 9/2/2.0, 10/6.0 11/80 12/8.0, 20/1/6.0 जमाबन्दी 64-65

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 969, मई 1974 को सब रजिस्ट्रार करनाल के दफ्तर में लिखा है।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 30-11-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, चण्डीगढ़
 चण्डीगढ़, दिनांक 30 नवम्बर 1974

निदेश सं० के० एन० एल०/38/74-75/—यतः मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है, जो गांव गढ़ी वीरबल, तहसील करनाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) सर्वेश्वरी पुरन } पुत्रान श्री नथू राम पुत्र
 (ii) श्री जयसिंह } श्री मनसा राम,
 (iii) श्री राम कुमार } निवासी गांव खान पुर । (अन्तरक)
 सर्व श्री :
2. (i) प्रेम सिंह } पुत्रान श्री राम सिंह,
 (ii) गुरनाम सिंह } पुत्र श्री बाबू राम,
 (iii) गुरमीत सिंह }
 (iv) बलबन्त सिंह } पुत्रान श्री अजमेर सिंह
 (v) करमवीर सिंह } पुत्र हरकृष्ण
 (vi) धर्मवीर सिंह }
 (vii) यशपाल अब्दुल कबाल }
 (viii) जसबन्त } पुत्रान श्री रामरतन पुत्र,
 (ix) जयचन्द } बुद्ध राम
 (x) राजपाल }

(xi) श्रीमोनलाल, } पुत्र श्री लछमन सिंह
 (xii) मेल सिंह } पुत्र दत्ता राम,
 (xiii) चमेल सिंह } निवासी गेरटू वीरबल, तहसील करनाल ।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 118 कनाल 7 मरले, जोकि गांव गढ़ी वीरबल तहसील करनाल में है ।

खेवट नं० 66,

खसरा नं० 56/17/10 65
 0 2 ' 9, 10, 11, 12, 17
 0. 8, 1. 15, 7. 18, 7. 2, 8. 0

14/1, 16, 18, 19 65
 3. 8, 8. 0, 8. 0, 7. 10, ' 20 22 23 2411
 2. 6 1. 0 8. 0 5. 8

66 89
 6 7 14 15 16 21 22 23
 1. 18 4. 12 2. 0 7. 7 2. 18 ' 2. 14 2. 11 0. 6
 20 96

25. 1/3. 9 1/8. 0, 2/4. 8

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 1125, मई, 1974 को सब-रजिस्ट्रार करनाल के दफ्तर में लिखा है ।

जी० पी० सिंह,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 30-11-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 30 नवम्बर, 1974

निर्देश सं० के० एन० एल०/39/74-75—यतः मुझे जी० पी० सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है जो गांव जुन्डला, तहसील करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जम्मे दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा, 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र श्री वेसाखा सिंह, गांव और डाकखाना जुन्डला, तहसील करनाल। (अन्तरक)

2. (1) श्री देविन्द्र सिंह
- (2) श्री सतिन्द्र सिंह
- (3) श्री बलविन्द्र सिंह

(4) श्री जोगिन्द्र सिंह

(5) श्री जसपाल सिंह

पुत्रान श्री करतार सिंह, निवासी गांव बलदी, तहसील करनाल। (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिणी को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 295 कनाल 18 मरले, गांव जुन्डला तहसील करनाल, जैसे कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 1119, मई 1974 को सब रजिस्ट्रार करनाल के दफ्तर में लिखा है ?

खतौनी नं० 599 और 1323, खेबट नं० 383, आयत नं० 69, खेबट नं० 890, खसरा नं० 19/7, 11, 20/7.4, 18/7, 11, 21/7, 12 22/8.0, 24/8.0, आयत नं० 70, किला नं० 16/7, 11, 18/8.0, 19/1.1.8, 21/2/7.12, 22/3.14, 23/7.14, 24/8.0, 25/8.0, आयत नं० 92—किला नं० 6/8.0—15/8.0, 16/8.0, आयत नं० 93—1/9.1, 2/4.16, 1/7, 11, 6/8.0, 9/5.14, 10/8.18, 11/8, 8, 12/6.4, 19/6, 14, 20/7, 18—आयत नं० 94—किला नं० 1/7.12, 2/8.0, 3/8.0, 4/8.0, 7/8.0, 8/8.0; 9/8.0, 10/7.12, 12/2/1.12, 13/6.7, 14/7.17। 15/1/3.0, जमाबन्दी 69-70।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 30-11-1974

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 30 नवम्बर 1974

निर्देश सं० चण्डीगढ़/105/74-75—यतः मुझे जी० पी० सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 51, सैक्टर-4, चण्डीगढ़ है जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री डी० के० महाजन, मकान नं० 51, सैक्टर 4, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. डा० अवतार सिंह अन्वाल, चाईम चांसलर, काश्मीर युनीवर्सिटी, श्रीनगर। (डेसिगनेज)

एडवाइजर एग्रीकलचर, जे० के० गौमैट कमरा नं० 109 न्यू सैक्रेटेरियट, श्री नगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति, आक्षेप यदि, कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 51, सैक्टर 4, चण्डीगढ़।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 30-11-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 17 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० चण्डीगढ़/118/74-75—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० खेती बाड़ी भूमि है जो मनी माजरा, यूनियन टैराटरी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. बचन सिंह पुत्र श्री अर्जुन सिंह निवासी गांव मनी माजरा, यूनियन टैरीटरी, चण्डीगढ़ । (अन्तरक)

2. मनी माजरा मोटर ट्रेडर्स यूनियन, मनी माजरा, द्वारा प्रधान श्री राजीन्द्र सिंह । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खेती बाड़ी भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 कनाल, 14 मरले, मनी माजरा, स्थित यूनियन टैरीटरी, चण्डीगढ़ में स्थित है । भूमि निसाल रोड, नजदीक चण्डीगढ़ रेलवे स्टेशन और मध्य मार्ग, चण्डीगढ़ के पास स्थित है ।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत अधिकारी चण्डीगढ़ के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 188 मास मई, 1974 में दिखाया गया है ।)

खेबट नं० 429, खतौनी नं० 532, खसरा नं० 89/15 (7-2), 89/16 (7-13), 90/11/2 (3-2), 90/20 (7-11), टोटल 25 कनाल 8 मरले और 1/2 भाग 12 कनाल 14 मरले ।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ ।

तारीख : 17-12-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़,

चण्डीगढ़, दिनांक 17 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० चण्डीगढ़/125-ए०/74-75—यतः सुखे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या खेती बाड़ी भूमि है जो मनी माजरा, यूनियन टैरीटरी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्ल आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री गुरुमुख सिंह,
- (2) श्री सुखदेव सिंह,

निवासी मनी माजरा, यूनियन टैरीटरी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. मनी माजरा मोटर ट्रेडर्ज, यूनियन, मनी माजरा, यन्त्रियन टैरीटरी, चण्डीगढ़, द्वारा प्रधान श्री गजिन्द्र सिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती बाड़ी की भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 कनाल, 14 मरले है, निसाल रोड नजदीक चण्डीगढ़, रेलवे स्टेशन और मध्य मार्ग मनी माजरा के पास स्थित है।

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत अधिकारी चण्डीगढ़ के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 144, मास मई, 1974 में दिखाया गया है।

खेबट नं० 429, खतौनी नं० 532, खसरा नं० 89/15, (7-2), 89/16 (7-13), 90/11/2 (3-2), 90/20 (7—11), टोटल 25 कनाल, 8 मरला, और 1/2 भाग 12 कनाल, 14 मरला।

(जी० पी० सिंह)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 17 दिसम्बर 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 17 दिसम्बर 1974

निदेश सं० चण्डीगढ़/99/74-75—यतः मझे, जी० पी० सिंह,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, चण्डीगढ़,
आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० खेती बाड़ी भूमि है, जो गांव धन्नास, यूनियन
टैरीटरी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाय अन्तर्ग्राही में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन मई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-
कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधित आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हजूर सिंह पुत्र श्री काबुल निवास गांव धन्नास,
यूनियन टैरीटरी, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

10—444GI/73

2. श्री रमेश चन्द्र कालिया पुत्र श्री दुसत राम कालिया,
निवास 3103, सैक्टर 27-डी०, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती बाड़ी भूमि जिसका क्षेत्रफल 9 कनाल, 18 मरला है
गांव धन्नास, यूनियन टैरीटरी, चण्डीगढ़ में स्थित है। (जैसा कि
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 123,
मास मई, 1974 में दिखाया गया है)।

खेबट नं० 53, खतोनी नं० 85, खसरा नं० 9/13/3/214/1/
3-13/2-14, टोटल एरिया 6 कनाल, 7 मरले 1/2 भाग, 3
कनाल, 42 मरला।

खसरा नं० 9/30/2, खेबट नं० 4, खतोनी नं० 167, खेबट
नं० 103, खतोनी नं० 166, खसरा नं० 9/29/2-3, और खेबट
नं० 136, खतोनी नं० 213, खसरा नं० 9/3/212/0-15 और
खेबट नं० 138, खतोनी नं० 215 और खसरा नं० 9/9/1/1/2-11
और 9/27/1-2, टोटल 3 कनाल, 13 मरले 1/2 भाग 1 कनाल
16 मरले, टोटल 9 कनाल, 18 मरला।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 17 दिसम्बर 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़,

चण्डीगढ़, दिनांक 17 दिसम्बर 1974

निदेश सं० चण्डीगढ़/100/74-75—यतः मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, चण्डीगढ़। आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० खेतीबाड़ी भूमि है जो गांव धन्नास, यूनियन टैरीटरी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और हमसे उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 के अधीन मई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार का 16) मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 (1) श्री हजूर सिंह }
1 (2) श्री अर्जुन सिंह } 'पुनान श्री काबूल
1 (3) श्री नसीब सिंह }

निवासी गांव धन्नास, यूनियन टैरीटरी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री रमेश चन्द्र कालिया पुत्र श्री दुलन राम कालिया, 3103, सैक्टर, 27-डी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति अक्षेप, यदि कोई है तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती बाड़ी भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 कनाल 4 मरला है गांव धन्नास, यूनियन टैरीटरी, चण्डीगढ़ में स्थित है। (जैसा कि रजिस्ट्रीकृत अधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख नं० 124, मास मई, 1974 में दिखाया गया है।)

खेवट नं० 60, खतौनी नं० 93, खसरा नं० 9/3/2, 9/7, 8, (1-10), (1-16), (8-0), खेवट नं० 107, खतौनी नं० 171, खसरा नं० 9/28/1—18। टोटल एरिया 13 कनाल 4 मरले।

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 17 दिसम्बर 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 17 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० चण्डीगढ़/136/74-75—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 10/7, सैक्टर 27-बी, जो कि प्लॉट नं० 3—5, सैक्टर 27-बी० पर बना हुआ है जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्रीमती भागवती वास्ते मैसर्स बलदेव अर्जुन, कलाथ मरचैट, चौड़ा बाजार, लुधियाना। (अन्तरक)

2. (i) श्रीमती शक्ती रानी,
(ii) श्रीमती जैश्री शर्मा, निवासी 229, सैक्टर 9-सी०, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1017, सैक्टर 27-बी०, जो कि प्लॉट नं० 3-एफ०, सैक्टर 27-बी, चण्डीगढ़ पर बना हुआ है। (क्षेत्रफल 2083.33 वर्ग गज)।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 17 दिसम्बर 1974

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 17 दिसम्बर 1974

निदेश सं० अम्बाला/18/74-75—यतः मुझे जी० पी० सिंह,

सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० लैन्ड है, जो गांव धूलकोट, पीछे फारेस्ट आफिस अम्बाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री राजिन्द्र सिंह,
- (2) श्री सुरिन्द्र सिंह
- (3) श्री वीरिन्द्र सिंह,
- (4) सातिन्द्र सिंह

पुत्रान श्री गुरदियाल सिंह, मारफत श्री वीरिन्द्र सिंह सरपंच, चम्बकौर साहिब, जिला रोहड़। (अन्तरक)

2. (i) श्री राम लभाया, पुत्र श्री दीवान चन्द, 91/मनाहली उस, माडल टाऊन, अम्बाला शहर,

(ii) श्री सेवा राम, थापर पुत्र गंगा राम, अनाज भंडों, अम्बाला शहर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 9 कनाल 17 मरला, गांव धूलकोट, पीछे फारेस्ट आफिस, अम्बाला।

खसरा नं०

पैमाइश

24/46	.	.	.	2 कनाल 02 मरला
47	.	.	.	2 कनाल 05 मरला
25/32	.	.	.	1 कनाल 02 मरला
35	.	.	.	1 कनाल 06 मरला
38	.	.	.	3 कनाल 02 मरला

9 कनाल 17 मरला

(जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अम्बाला के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1044, मास जून, 1974 में दिखाया गया है।)

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 17 दिसम्बर 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०— — —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 सितम्बर, 1974

सं० आर० ए० सी० 32/74-75—यतः, मुझे, एस० बालसुब्रह्मण्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 6-3-1110 बेगमपेट है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-5-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती स्त्रीलता भूपाल, 6-3-1100/बी०, सोभाजीगुडा, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती भरतराम भूपाल, बेगमपेट, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना का तार्मल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में दिए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएं और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में द्वापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नगर न० 6-3-1110 का पश्चिम भाग मकान जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है, जिसमें मुख्य मकान, नौकरों के मकानात, और उसे लगी हुई जगह। पूरी कुल जमीन का क्षेत्रफल 2433.129 वर्ग मीटर्स। जिसका बांधा हुआ भाग का क्षेत्रफल 568.405 वर्ग मीटर्स है।

चौहद्दी—

उत्तर—चल्लापल्ली के मकान।

दक्षिण—राजभवन की मुख्य सड़क।

पूर्व—सोमनाद्री भूपाल और केशव भूपाल के मकानात।

पश्चिम—राजभवन—बेगमपेट मुख्य रोड।

एस० बालसुब्रह्मण्यम्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 28-9-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 19 दिसम्बर 1974

सं० आर० ए० सी० 64/74-75—यतः, मुझे, के० एम० वेंकटरामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 16-2-145/5/3 नई मलकपेट है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1808 का 16) के अधीन 3-5-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्रीमती पोत्ताराजू रुक्मानी पुत्री पी० कृष्णारवि, जो वाशींगटन अमरीका में स्थित है। मुञ्जारनामादार द्वारा श्री जी० एस० द्वार केशवर राव, वकील नं० 4-8-700, गौलीगूडा, हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री वी० मुदर्शन, पुत्र वी० वेकम्पम, टिम्बर मचैट, शाह गंज, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर और अन्तराक के जमीन जिसके नं० 16-2-145/5/3 (प्लॉट नं० 12, क्षेत्रफल 440 वर्ग गज) जो नई मलकपेट, हैदराबाद में है।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 19-12-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 19 दिसम्बर, 1974

सं० आर० ए० सी० 65/74-75—यतः मुसे के० एस०

वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1051 बर्ग गज, खुली जमीन, राम कोट ह, जो प्लॉट नं० सी० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-5-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती विजया कपाडिया, पत्नी कीर्ति कुमार कपाडिया, कपाडिया निवास, सोमानीगूडा, हैदराबाद। (अन्तरक

2. श्रीमती शांतीबाई अग्रवाल पत्नी रामलाल जी, 15-1-52/1, उस्मानगंज, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सभी खुली जमीन जो 1051 बर्ग गज है, प्लॉट नं० सी० के सभी सोपड़पट्टियां जो पहला एडिन गार्डन का एस्टेट में दाखला था नं० 3-5-121 और 142, जो रामकोट, हैदराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 19-12-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 21 विसम्बर 1974

सं० आर० ए० सी० 68/74-75—यतः मुझे के० एस०
वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 16/448/42/सी० 4 राम मूर्ति नगर है, जो
नेल्लूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वेल्लूर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 27-5-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-
मान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वा सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री अन्नम अन्जनेयलू रेड्डी,

(2) श्री अन्नम पलनकुमार रेड्डी,

(3) श्री अन्नम म्नीवासुलू रेड्डी

पुत्र स्व० सुन्दर गमीरेड्डी, राममूर्ति नगर, नेल्लूर।

(अन्तरक)

2. डाक्टर पी० जयप्रदा, असिस्टेंट सिविल सर्जन,
मैटर्निटी हॉस्पिटल, नेल्लूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएँगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 448/42/सी० 4, वाई नं० 16, राममूर्ति नगर,
नेल्लूर टाउन।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 21-12-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 21 दिसम्बर, 1974

सं० आर० ए० सी० 67/74-75—यतः मुझे के० एस०
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3-5-121 और 142 एडिन गार्डन एस्टेट है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-5-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

1. श्रीमती लीलम कापाडिया पत्नी धीरज लाल टोकरसी कापाडिया, 6-3-660, सोमाजीगूडा, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती कान्ताबाई अग्रवाल पत्नी ईश्वरलालजी अग्रवाल, 15-1-52/1, उस्मान गंज, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुशी जमीन, 954 वर्ग मीटर्स, प्लॉट नं० बी, एडिन गार्डन, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

तारीख : 21-12-1974

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 दिसम्बर 1974

सं० आर० ए० सी० 70/74-75—यरे: मुझे के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 16/473 है, जो पोगतोटा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नेल्लूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-5-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर, बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ को उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा० एम० के० राजगोपालाचारी, के०- सप्तम नं० 10-12-103/1, सीताफल भंडी मिकन्दगवाड में ।

(अन्तरक)

2. यनाटी श्री निवामलू रेड्डी, सूपुत्र रामचन्द्रा रेड्डी, (2) यानादी रमनम्मा, पत्नी रामचन्द्र रेड्डी, पिडतलापुर गांव, नेल्लूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

संपत्ति 11 नं० 16/473 पोगतोटा नेल्लूर में है ।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 26-12-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी, 1975

सं० आर० ए० सी० 77/74-75—यतः मुझे के० एस०
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 3-5-1066 और 1067 नारायणगूडा है, जो
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 1-5-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए
गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री रमेश चन्द्र जैसवाल मुख्तार नामादार द्वारा जीयालाल
जैसवाल, 3-5-1083, नारायणगूडा, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्री कन्यालाल पुत्र अर्जुन दास, 3-4-433, नारायणगूडा,
हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन तथा इमारत नं० 3-5-1066 और 1067 (क्षेत्रफल
269 वर्ग गज), नारायणगूडा, हैदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-1-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी, 1974

सं० आर० ए० सी० 78/74-75—यतः मुझे के० एस०
बेंकट रामन आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 18-2-45 चन्द्रायन गुट्टा है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-5-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती और (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं :

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ओम प्रकाश पुत्र रामचन्द्र, 2-आर० टी०-38
सी०/बी० चन्दुलाल बारादरी, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री ग्यारसी लाल पुत्र कौशल चन्द भागीदार,
विष्णु दाल नया पशोर मिल्स, मुख्यार गंज, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

पट्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

नं० 18-2-45, चन्द्रायन गुट्टा, हैदराबाद, क्षेत्रफल
8509 वर्ग गज ।

के० एस० बेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक : 4-1-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी, 1974

सं० आर० ए० सी० 79 / 74-75—यतः मुझे के०
एस० बेकटरामन आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 3-5-1063 और 1077 नारायण गूडा है,
जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 16-5-1974 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एस० आर० जैस्वाल पुत्र श्री जीतालाल जैस्वाल,
मुस्तारनामावार द्वारा जीतालाल जैस्वाल, 3-5-1083, नारायण
गूडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री अर्जुनदास 3-4-433, नारायणगूडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 3-5-1063 और 1077, नारायणगूडा, हैदराबाद,
क्षेत्रफल 177 वर्गगज।

के० एस० बेकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 4-1-75

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जनवरी 1975

सं० आर०ए०सी० 80/74-75—यत/, मुझे के० एस०
बेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 5-1-27 आर०पी० रोड है, जो सिकन्दराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
16-5-1974 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत खिलेख के अनुसार अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-गके अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० काश नाथ पुत्र बेंकप्पा, नं० 3-3-86, कुर्मा बेंस्ती,
सिकन्दराबाद।

2. श्रीमती बंडारी लक्ष्मम्मा पत्नी बी० मल्लप्पा, नं०
17-2-333, कुर्मा गुडा, सईदाबाद, हैदराबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 5-1-27, किगसवे, सिकन्दराबाद।

क्षेत्रफल 305 वर्ग गज।

के० एस० बेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी,

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 4-1-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 जनवरी, 1975

सं० आर० ए० सी० 82/74-75—यतः, मुझे के०

एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 6-3-347/17/2 छ्वारकापुरी कालौनी, है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-5-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-ग के अन्तर्गम में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

श्री डाक्टर “एन० रमेशन” अ “ऐ० एस० सुपुत्र” के० नटेणउय्यार “मेमबर वीगड” आन्ध्रप्रदेश सरकार।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नीना मचनदा पत्नी एस० के० मचनदा, नं० 15, शान्ती नगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति नं० 6-3-347/17/2 सखे नं० मे० 142 छ्वारकापुरी कालौनी, हैदराबाद-4 विस्तृत 1640 वर्ग फीट तक।

के० एस० वेंकटरामन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-1-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 जनवरी 1975

सं० आर० ए० सी० 84/74-75—यतः, मुझे के० एस०
बेंकटरामन आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1-8-747/4 नलाकुनटा है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-5-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. (1) श्री एस० उत्पानारायणा,
- (2) श्रीमती एम० चन्द्राया,

(3) श्री एस० रमेशमारायन, सं० नं० 1-8-747/4, नलाकुनटा, हैदराबाद। (अन्तरक)

2. श्री सी० कृष्णामूरती, सुपुत्री सी० विरप्पा एम० जाल मेडचल तालुका, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति घर नं० 1-8-747/4, नलाकुनटा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 290.13 वर्ग मीटर।

के० एस० बेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-1-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, तारीख 4-1-1975

निर्देश सं० सी० अ०/5/मे-नम/हवेली-II/152/74-75—यतः, मुझे, एच० एस० अवैलख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 413/ए० 2 है, जो शनिवार पेठ, पूना-2 में स्थित है (और इससे उपाध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय हवेली-II में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-5-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह अन्तरक और अन्तरिती के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

1 श्री हरीहर चितामन नासु, 413/ए० शनिवार पेठ, पूना-2।

(अन्तरक)

2. श्री बाल विनायक जोगी, 20, प्रशांत नगर, नवी पेठ, पूना 30।

(अन्तरिती)

3. (1) मेसम पुरोहित जनरल स्टोर्स, 413/ए०, शनिवार पेठ, पूना 2।

4. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान घर क्रमांक 413/A-2, शनिवार पेठ पूना-2, क्षेत्र-1600 वर्ग फीट, फ्री होल्ड।

एच० एस० अवैलख

समक्ष प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 4-1-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सञ्चालना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना कार्यालय,

पूना, दिनांक 4 जनवरी, 1975

निर्देश सं० सी० ऐ०/5/मि०/74/हवेली-II/153/74-75--

यतः, मुझे, एच० एस० अवैलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० 413/ए-1 है, जो शनिवार पेठ, पूना-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली-II में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-5-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक और अन्तरिती के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रघुनाथ चिंतामन नातु 413/ए-2 शनिवार पेठ, पूना-2 (अन्तरक)

2. श्री बाल विनायक जोशी 20 प्रसांत नगर नवी पेठ, पूना-30 (अन्तरिती)

3. (1) डाक्टर एस० जी० गद्रे
(2) श्री राम भावे
(3) श्री के० डी० देशमुख
413/ए-2 शनिवार पेठ पूना-2

4. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान घर क्रमांक 413/ए-1 शनिवार पेठ, पूना-2
क्षेत्र:—1500 वर्ग फीट फ्री-होल्ड

एच० एस० अवैलख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, पूना ।

दिनांक : 4 जनवरी, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 6 जनवरी, 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/हवेली-I/से०-74/156/74-75—

यतः, मुझे, एच० एस० अवैलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का

43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नं० 27/598-सी०, कंटोमेन्ट नं० 57 है, जो खडकी, पूना-3 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय हवेली-I, पूना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-5-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से

कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चंपालाल प्रेमराज जैन नं० 59, खडकी बाजार, पूना-3 (अन्तरक)

2. श्री निहाल चन्द, रूप चन्द शहा नं० 57, न्यू बाजार, न्यू बाजार खडकी पूना-3 (अन्तरिती)

3. श्री कन्हैयालाल रतन चव

2. एम० आर० जैन

3. हिम्मल लाल चम्पालाल

4. आर० आर० कोहली

5. के० व्ही० जैन

6. डी० आर० नगरकर

7. टी० व्ही० वेंकटरामन

8. एस० के० जैन

9. व्ही० पी० आगरवाल

10. एन० आर० शहा

सभी रहने वाले 57 न्यू बाजार, खडकी पूना-3.

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और इसके ऊपर मकान, न्यू बाजार, खडकी, खडकी कंटोमेन्ट सं० नं० 27/598 सी० कंटोमेन्ट बोर्ड नं० 57, न्यू बाजार खडकी, पूना-3

क्षेत्र-1783.25 वर्ग फीट, जमीन लीज होल्ड

एच० एस० अवैलख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 6 जनवरी, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज पूना

पूना, दिनांक 7 जनवरी, 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/मे० 74/हवेली-II/157/74-75—

यतः, मुझे, एच० एस० अवेलेख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नं० 55/2/1 है, जो श्रीध, पूना-7 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली-II, (पूना) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-5-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री व्ही० टी० कोठारी 318/19 चतुःशृंगी रोड, पूना-16 (अन्तरक)

2. श्री डी० जी० पाठक द्वारा-स्पेको कार्ब्युरेटर्स (इंडिया) लि० पोस्ट बाक्स नं० 13, चिचवड, पूना-19 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्री होल्ड खुली जगह सं० नं० 55/2/1 श्रीध, पूना-7 क्षेत्र—10452.243 वर्ग फीट

एच एस० अवेलेख

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना।

तारीख : 7-1-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 जनवरी, 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/मि० 74/हवेली-II/158/74-75—
यतः, मुझे, एच० एस० अरवलख आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० नं० 55/2/1 है, जो औंध, पूना-7 में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली-II,
(पूना) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 27-5-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० टी० कोठारी 318/19 चतुःशृंगी रोड,
पूना-16 (अन्तरक)
2. श्री डी० जी० पाठक द्वारा-स्पंको कारख़ूरेटर्स (इडिया)
लि० पोस्ट बाक्स नं० 13 चिचवड़, पूना-19
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्री होल्ड खुली जगह—सं० नं० 55/2/1 औंध, पूना-7
क्षेत्रफल—10215 वर्ग फीट

एच० एस० अरवलख

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 7-1-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-दिनांक 8 जनवरी 1975

निर्देश सं० सी०ए० 5/आई 74/हवेली-II/159/74-75
यतः मुझे एच० एस० अवैलख आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वेक्ष० 124/1/अ-1 है, जो पर्वजा पूना में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली-II पूना में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
14-5-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. गंगाधर श्री सीता राम फुले,
2. श्री बाल गंगाधर फुले,

3. श्री उल्हास गंगाधर फुले अज्ञान पालन कर्ता स 1,

4. श्रीमती यमुनाबाई गंगाधर फुले, सब रहने वाले प्लॉट
स 4 सर्वेक्ष 1 सदाशिव पेठ, पूना (अन्तरक)

2. अर्चना को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० अध्यक्ष
श्री विष्णु विठ्ठल गोगरे, प्लॉक स 1, वर्णा अपार्टमेंट्स 33/5 &
प्रभात रोड, पूना स 4 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हो, को सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्री-होल्ड खुली जगह सर्वेक्ष 124/1/अ-1, पर्वती पूना
क्षेत्रफल :—3431 वर्ग मीटर्स

खुली जगह पूना म्यूनिसिपल कार्पोरेशन के कक्षा में निम्न
प्रकार से घिरी हुई है ।

पूर्व के तरफ—नाला और अन्तरक की बची हुई जमीन

दक्षिण के तरफ—श्रीमती नाईबाई फुले की जमीन

पश्चिम के तरफ—होनेवाला 40 फीट टी० पी० रोड, और

उत्तर के तरफ—श्री तावरे की जमीन ।

एच० एन० अवैलख

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 8-1-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना दिनांक 8 जनवरी 1975

निर्देश सं० सी०ए०-5/मई 74/हवेली-II/160/74-75
यतः मुझे एच० एस० अर्चलख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 548, सर्वे नं० 124/1/ब/1 है, जो पर्वती पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली-II पूना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-5-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती लार्डबाई बाबुराव फुले 1023 सदाशिव पेठ, पूना,

(2) श्रीमती हनुमती मोपानराव लंडगे 759/75-2 डेक्कन जिमखाना, पूना न-4 (अन्तरक)

2 अर्चना कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० अध्यक्ष : श्री विष्णु विठ्ठल गोगरे प्लॉक नं० 1, वर्षा अपार्टमेंट्स 33/5 प्रभात रोड, पूना-न-4 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उतर में किए गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों के सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है।

अनुसूची

फ्री-होल्ड खुली जगह फायनल प्लॉट नं० 548, सर्वे नं० 124/1/ब-1, पर्वती पूना। क्षेत्रफल : 2692.6 वर्ग मीटर

खुली जगह पूना म्यूनिसिपल कार्पोरेशन के क्षेत्र में निम्न प्रकार से घिरी हुई है :—

पूर्व के तरफ—नाल और फायनल प्लॉट नं० 546।

दक्षिण के तरफ—पी० डब्ल्यू० डी० कालोनी और फायनल प्लॉट नं० 546।

पश्चिम के तरफ—अन्तरक की बची हुई जमीन और

उत्तर के तरफ—फायनल प्लॉट नं० 549।

एच० एस० अर्चलख,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 8-1-75

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जनवरी 1975

निर्देश सं० अ० ई० 5/7/4/74-75—यतः मुझे जे० एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 5 बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 177 स० क्र० 249 हिस्सा 3 है, जो घाटकोपर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-5-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. गोर्धनदास शिवचन्द्राय और अन्य

(अन्तरक)

2. नरोत्तम मनीभाई और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का तमाम टुकड़ा या खाली जमीन जो गांव घाटकोपर के प्लॉट नं० 17, शरोडिया नगर योजना, घाटकोपर, ओ सर्वेक्षण नं० 3, रजिस्ट्रेशन उप-जिला और जिला बम्बई नगर और उपनगर और मापमे 950 वर्गगज समकक्ष 794-30 वर्गमीटर या आस-पास स्थित और मौजूद है।

जे० एम० मेहरा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5 बम्बई।

तारीख : 7-1-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जनवरी 1975

निर्देश सं० आई० 5/8/74-75—यतः मुझे जे० एम० मेहरा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करम
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे क्र 292 (अश) हिस्सा क्र 18 है जो मुलुङ
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-5-74 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
13— 444GI/74

1 श्री विग्बक रामचंद्र पाटील (अन्तरक)

2 श्री मिमसदेण वा० आ० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड
(अन्तरिती)

3 श्री टि० आर० पाटील और के० आर० पाटील

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति का जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वेक्षण न० 292 (अश) हिस्सा न० 1 बी, मण्ड पश्चिम,
बम्बई-80 ब्लॉक 1194-9 वर्ग मीटर में स्थित है।

जे० एम० मेहरा
सक्षम प्राधिकारी,
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-5 बम्बई।

तारीख 7-1-75

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी, 1975

निर्देश सं० अ०ई० 5/90/74-75.बोल्यूम I—अतः मुझे जे० एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-5, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिनकी सं० सर्वे क्र० 50 हिस्सा क्र०-1, (अंश) है, जो व्हिलेज, मोहिनी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-5-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीडत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रतीलाल वल्लभजी वोरा और अन्य 11

[भागीदार सम-हिता इन्डस्ट्रियल एन्टरप्राइज,

(अन्तरक)

2. श्री यशवन्त राय रामकृष्ण दवे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, नो :—

सर्वे क्र०-7, हिस्सा क्र०-10 (अंश). सर्वे क्र०-50, हिस्सा क्र०-2 (अंश)।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यह सभी जमीन के टुकड़े या खाली खेती के करने लायक जमीन का स्थान जो गांव मोहिनी जो कुला-अन्धेरी रोड पर स्थित है तालुका कसां जो रजिस्ट्रेशन उप जिला बान्द्रा, जिला बम्बई उपनगरों जो बृहत्तर बम्बई में है और जो माप में 2100 वर्ग गज (अर्थात् 1756 वर्ग मीटर है और जिसका सर्वेक्षण नं० 50 हिस्सा नं० 1 (अंश) सर्वेक्षण नं० 7 हिस्सा नं० 10 (अंश) और सर्वेक्षण नं० 50 हिस्सा नं० 2 (अंश) और धिरा है उत्तर की ओर से सर्वेक्षण नं० हिस्सा नं० 10 द्वारा दक्षिण की ओर से नसलसद्वारा, पूर्व की ओर से जमीन जिसका सर्वेक्षण नं० 50 हिस्सा नं० 2 (अंश) द्वारा और पश्चिम की ओर से जमीन जिसका सर्वेक्षण नं० 50 हिस्सा नं० 1 (अंश) द्वारा।

जे० एम० मेहरा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 10-1-75

मोहर:

अर्जन रेंज-5, बम्बई

प्रारूप आई० टी० एन०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जनवरी 1975

निर्देश सं० अ० ई०ए०-90/2/74-75 (व्ही०-2)---अतः

मुझे, जे० एम० मेहरा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, बम्बई

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सब क्र०-8 हिस्सा क्र०-1 (अंश) 5 और 10 है, जो वहीलेज मोहिली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-5-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि, अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-घ, के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री यशवतराव रामकृष्ण दवे

(अन्तरक)

2. श्री रतीलाल वल्लभजी बोरा और अन्य

भागीदार समूहीता इन्वस्टीयल इन्टरप्राइजेस,
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रतिआक्षेप, यदि कोई है तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वह सभी जमीन के टुकड़े या खाली खेती करन लायक जमीन का स्वींग जो गाव मोहिली जो कुर्णाग्रन्धेरी रोड पर स्थित है तालुका कुर्णा जो रजिस्ट्रेशन उप जिला बान्द्रा जिला बम्बई उपनगर जो बृहत्तर बम्बई में है और माप से निम्नलिखित है

सर्वेक्षण	हिस्सा क्र०	वर्गगज	वर्गमीटर
8	1	484	404.68
8	5	423	353.77
8	10	968	808.75

जे० एम० मेहरा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

तारीख : 10-1-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

2. श्री नानजी जीवराज करानी और अन्य

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 दिसम्बर, 1974

निर्देश सं० आई०-1/806-6/मई, 1974--अतः मुझे
श्री ग० फड़के सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन
रेंज-1 बम्बई आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1620 माहिम डिब्लिजन है, जो
काशीनाथ धुरु स्ट्रीट, कैंडेल रोड में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय मब रजिस्ट्रार, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-5-1974
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
का अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की
उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री किर्तीकुमार मोहनलाल मेहता

(अन्तरक)

3 किराएदार

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति अक्षेप, यदि कोई हो, तो :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएँगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

संश्लेषण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा या अंश या अथवा बची इमारत
के साथ स्वतंत्र जमीन जो काशीनाथ धुरु स्ट्रीट, कैंडेल
नगर और टापू और उप रजिस्ट्रेशन जिला बम्बई माप में
574.79 वर्ग गज अर्थात् 480.65 वर्गमीटर या त्रसपास
और भूराजस्व के संग्रहक की पुस्तकों में नया सर्वेक्षण नं०
1624 और 1626 (अंश) और कैंडेल सर्वेक्षण नं०
1620 माहिम खंड और नगरपालिका भावों एवं करों के
संग्रहक की पुस्तकों में जी वार्ड नं० 2703(3) पुरानी गली
नं० 1380 और नयी गली नं० 25ए के अंतर्गत पंजीकृत
है और इस प्रकार घिरा हुआ है अर्थात् पूर्व की ओर
आलाराम पांडुरंग परेलकर जिसका सी० एस० नं० 70,
माहिम खंड, की जायदाद द्वारा पश्चिम की ओर से बम्बई
नगर निगम द्वारा रास्ते के लिए सुरक्षित 20 मि० जमीन
द्वारा उत्तर की ओर से काशीनाथ धुरु स्ट्रीट
फीट चौड़े मार्ग द्वारा और दक्षिण की ओर से माहिम खंड
सी० एस० 59 की जमीन द्वारा।

श्री ग० फड़के

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 30-12-74

अर्जन रेंज-1, बम्बई

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 दिसम्बर, 1974

निर्देश सं० अ० ई०-1/806-6/मई, 1974—अतः मुझे श्री श० फडके सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० न० 1620 माहिम डिवाजन है, जो काशीनाथ धुरु स्ट्रीट, कैंडेल रोड में स्थित है (और हमसे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-5-1971 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं ।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री किर्तीकुमार मोहनलाल मेहता

(अन्तरक)

2. श्री नानजी जीवराज कगनी और अन्य (अन्तरिती)

3. किराणदार

(यह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में दिए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथार्थरूपसे है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का बहुतमाम टुकड़ा या अग्रहात अथवा बनी इमारत के साथ स्वतंत्र जमीन जो काशीनाथ धुरु स्ट्रीट, कैंडेल रोड, औरटापू और उपरजिस्ट्रेशन जिला बम्बई माफ में 574.79 वर्ग गज अर्थात् 480.65 वर्गमीटर या आसपास और भूराजस्व के संग्रहक की पुस्तकों में नया सर्वेक्षण न० 1624 और 1626 (अंश) और कैंडेल सर्वेक्षण न० 1620 माहिम खंड और नगरपालिका भावों एवं करा के संग्रहक की पुस्तकों में जी वार्ड नं० 2703(3) पुरानी गली नं० 1380 और गली नं० 25ए के अन्तर्गत पंजीकृत है और इस प्रकार घिरा हुआ है अर्थात् पूव की ओर बालाराम पांडुरंग परेलकर जिसका सी० एस० नं० 70 माहिम खंड, की जायदाद द्वारा पश्चिम की ओर से बम्बई नगर निगम द्वारा रास्ते के लिए सुरक्षित 20 फिट जमीन द्वारा, उत्तर की ओर से काशीनाथ धुरु स्ट्रीट, नामक 50 फीट चौड़े मार्ग द्वारा और दक्षिण की ओर से माहिम खंड, सी० एस० 59 की जमीन द्वारा ।

श्री श० फडके

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 30-12-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1974

निर्देश सं० एम० 191/नि०स०आ०प्र०ई०-2/71-75--

अतः मुझे श्री ग० सो० राव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4 बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 251 है, जो मौजे घाटकोपर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-5-1974 के पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति या उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से ब्यक्त नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आशयों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शांता मेघजी शाह,
शान्ति निवास, देवघर रोड, माटुंगा, बम्बई-19

(अन्तरक)

2. मैसर्स जे० के० को० प्रापरेटिव सोसायटी लिमिटेड
275, जे० के० हाऊस, तेलंग रोड, माटुंगा,
बम्बई-19

(अन्तरिती)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उतर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उतकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो कि बम्बई उपनगर जिले के रजिस्ट्री उप जिला बान्द्रा के मौजे घाटकोपर में स्थित है जोकि प्रस्तावित घाटकोपर टाऊन प्लानिंग स्कीम नं० 3 का अन्तिम प्लॉट नं० 251, सी० टी० सर्वेक्षण नं० 5731 धारण किए हुये हैं माप से 850 वर्गगज पानी कि 710.69 वर्गमीटर के समकक्ष और निम्नपवार से घिरा हुआ है :—

उत्तर में या ओर अन्तिम प्लॉट नं० 252 की खुली जगह और अगीचा दक्षिण में या ओर अन्तिम प्लॉट नं० 250, पूर्व में या ओर अन्तिम प्लॉट नं० 255 पश्चिम में या ओर स्कीम की 30 फीट सड़क ।

ग० सो० राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 1-11-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 14 जनवरी, 1975

निर्देश सं० अ० ई० 2/1012/2376/74-75.—अतः मुझे मुझे वि० र० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है, कि अस्थायी सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25-000/- रु० से अधिक है और जिसकी म० न० 42/14, 15 अ, 15 ब, (अंश) सी० टी० स० नं० 242, 243, 273 है, जो विलेपाले (पूर्व) में स्थित है (और इसमें उपावद्ध श्रानुचूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-5-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुविधा के लिए।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ए० एम० ईरानी

(अन्तरक)

2. मैगम यासदान सापूर को० अ० हाऊ० सो० लिमिटेड
(अन्तरिती)

3. मेम्बर ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो कि बम्बई उपनगर जिले के रजिस्ट्री उपजिला बान्द्रा के विलेपाले में स्थित है जोकि माप से 522 वर्ग गज (436.45 वर्ग मीटर है) तथा बृहत्तर बम्बई नगरपालिका के द्वारा अनुमोदित किये गये उपविभाग के नक्शे में प्लॉट क्र० 12 धारण किये हुए हैं, एवं सर्वेक्षण क्र० 42 हिस्सा क्र० 14 सी० टी० एस० क्र० 242 सर्वेक्षण क्र० 242 15 अ० सी० टी० एस० नं० 243 एवं सर्वेक्षण क्र० 15 ब (अंश) सी० टी० एस० क्र० 273 और सर्वेक्षण क्र० 44 हिस्सा क्र० 2 (अंश) एवं सी० टी० एस० क्र० 252 धारण किये हुए हैं तथा निम्न प्रकार से घिरा हुआ है अर्थात्—उत्तर में या और प्लॉट नं० 1 से, दक्षिण में या और प्लॉट नं० 13 से, पश्चिम में या और एक बाल से तथा पूर्व में या और महात्मा गांधी रोड एक्स-टेशन से, साथ में उस पर निर्मित याजदाननामक भवन से, घिरा हुआ है।

वि० र० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 14 जनवरी, 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1975

निर्देश सं० अ० ई० 2/1014/2395/74-75—अन: मुझे
वि० र० गुप्ते आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अन्ततम
रिवाइज्ड प्लॉट नं० 23 टि० पी० एम० नं० 6, सं० सं० 228, हि०
सं० 5, 6 और 13 है, जो विलेपाले में स्थित है (और इससे
उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-5-1974
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुझा बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए
था, छिपाने के लिए सुविधा के लिए.

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की

1. श्री अलिमुद्दीन गफर समसुद्दिन मनियार (अन्तरक)
2. मैंसमें नव अकल्पिता को० आप० हाऊ० सो० लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो कि
बृहत्तर बम्बई उपनगर जिले के रजिस्ट्री उप जिला बान्द्रा के
रेवेन्यू विल्हेज विलेपाले में 44 फीट चौड़ी सार्वजनिक सड़क
जो कि थर्ड रोड से जात है पूर्व भाग में स्थित मौजूद एवं 457
हुआ है, जो कि अन्धेरी टाऊन प्लानिंग स्कीम क्र० 6 का अन्तिम
रिवाइज्ड प्लॉट क्र० 23 (पहले प्लॉट क्र० 32) है जो कि
मूल रूप से सर्वेक्षण क्र० 228 हिस्सा क्र० 5, 6 और 13
धारण की हुई भूमि का भाग है जो कि माप से 970 वर्ग गज
थानी कि 800.04 वर्गमीटर के समकक्ष है एवं नगरपालिका
के द्वारा 'के' वार्ड क्र० 7838 (5) के अन्तर्गत निर्धारित
किया जाता है तथा निम्नप्रकार से घिरा हुआ है अर्थात्
उत्तर में या ओर रिवाइज्ड अन्तिम प्लॉट क्र० 21 से (पहले
प्लॉट नं० 31 धारण किए हुए है) दक्षिण में या ओर
रिवाइज्ड अन्तिम प्लॉट क्र० 24 से (पहले प्लॉट नं० 34
धारण किये हुए है) पूर्व में या ओर रिवाइज्ड अन्तिम प्लॉट
नं० 22 से (पहले प्लॉट नं० 33 धारण किए हुए है) पश्चिम
में या ओर अन्धेरी टाऊन प्लानिंग स्कीम रोड नं० 3 तथा
इन्टेन्चर से संलग्न नक्शे पर रेखांकित है एवं एक लाल रंग की
सीमा रेखाओं द्वारा घिरा हुआ दिखाया गया है।

वि० र० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 13 जनवरी, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना-411004

पूना-4110004, दिनांक 13 जनवरी 1975

निर्देश सं० सी० ओ० 5/मे/74/सोलापुर/बम्बई-161/74-
75—यतः मुझे एच० एस० ओलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक और जिसकी सं० फायनल प्लॉट क्र० 24अ (पार्ट) सि० टी० एम० क्रमांक 8928/2 सर्वे क्रमांक 1 अ है, जो सोलापुर शहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-5-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ स उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्री रतन चन्द्र होरा चन्द्र

कन्स्ट्रक्शन हाउस, वेलर्ड इस्टेट, बम्बई-1

(अन्तरक)

2. दि इंडियन ह्युम पाईप कंपनी लिमिटेड,

कन्स्ट्रक्शन हाउस, वेलर्ड इस्टेट, बम्बई-1 (अन्तरिती)

14—444GI/74

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवृतयो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(अन्तरिती)

अनुसूची

भूमि का एक टुकड़ा जो सोलापुर नगर तहसील उत्तर सोलापुर जिला सोलापुर, और सोलापुर म्युनिसिपैलिटी के कक्षा में है। जिसको उपर्ये प्लॉट कहते हैं। जिसका सर्वे क्रमांक 9अ टाउन प्लानिंग स्कीम क्रमांक 4 फायनल प्लॉट क्रमांक 24अ (पार्ट) सि० टी० एस० क्रमांक 8928 अ/2 जिसका क्षेत्र 0.3114 एकर है। उसमें 19 गुंठे जमीन सरकार ने ली और बची हुई जमीन 2 एकर 21 गुंठे याने 10218.3114 वर्ग मीटर्स जिसका सर्वे क्रमांक 8928 अ/2 पार्ट है और निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :—

उत्तर के तरफ : सर्वे क्रमांक सि० टी० एस० क्रमांक 8928 अ/1 पार्ट।

दक्षिण के तरफ : 19 गुंठे जमीन सरकार ने ली हुई।

पश्चिम के तरफ : जुना बाशी रोड।

पूर्व के तरफ : सी० टी० एस० क्रमांक 8928 अ/1 पार्ट लिज—होल्ट जमीन।

एच० एस० ओलख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 13-1-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-168(101)/1-1/74-75-
यतः मुझे जे० कथूरिया,
यतः, मुझे, सी० वी० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिम्मा
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 89 तथा 90/1, प्लॉट नं० 24,
25, 26, 28, 29, 30, 31, 32, 33, और 34 है, जो चार गढ़
रोड, अमरेली में स्थित है (और इससे, उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमरेली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन 9-5-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना और या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना और;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दुथी बेन, रामजीभाई,
सबजीपरा, अमरेली।

(अन्तरक)

2. मैसर्स सुखनाथ को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड
की ओर से :—

प्रमुख: श्री बी० बी० पटेल,

द्वारा तालुका पंचायत, अमरेली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने
ऐसा आक्षेप है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 3888.32 वर्ग
मीटर है और जिसका सर्वे नं० 89 तथा 90/1 है, और प्लॉट
नं० 24, 25, 26, 28, 29, 30, 31, 32, 33 और 34 है
और चारगढ़ रोड, अमरेली में स्थित है और जिसकी सीमाएं
निम्नलिखित हैं :—

पूर्व : रेलवे सड़क

पश्चिम : कृष्ण नगर

उत्तर : सुखनाथ परा

दक्षिण : चारगढ़ रोड

जे० कथूरिया,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 8-11-1974

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 सितम्बर 1974

निदेश सं० 156/ए०सी०क्यू०-23-176/14-4/74-75—

यतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 909 और 910 अवारिया जिनिंग एण्ड प्रेसिंग फैक्टरी है, जो कडी जिला मेहसाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-5-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री नवीनचन्द्र प्रह्लाद जी पटेल,
प्रो० : अवारिया जिनिंग एण्ड प्रेसिंग फैक्टरी,
स्टेशन रोड, कडी।

(अन्तरक)

2. मै० अमरीश शिवलाल एण्ड कं० की ओर से उसके सहिरांरी :

शिवलाल छगनलाल पटेल,

इशानपुर मोरा, तह० देहगाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अवारिया जिनिंग एण्ड प्रेसिंग फैक्टरी नामक अबल सम्पत्ति जिसका कुल क्षेत्रफल 11 एकड़ और 17 गुंथा है और जो कडी गांव में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कडी के 7-5-1974 को किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 20-9-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1974

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-179(106)/1-1/74-75

—यस: मुझे जे० कपूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 1418, 1419, म्युनिसिपल सैस नं० 1090, 1091, जमालपुर वार्ड-I है, जो ताडनीशेरी, ताजपुर अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908) का 16) के अधीन 2-5-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या ;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :-

- (1) 1. श्री मणी लाल गणेशजी खत्री,
2. श्री हरीलाल गणेशजी खत्री,
3. श्री प्रहलाद गणेशजी खत्री,

4. श्री वासुदेव हरीलाल खत्री,

5. श्री इश्वरलाल हरीलाल खत्री,

6. श्री नरेशकुमार हरीलाल खत्री,

ताडनीशेरी, जमालपुर, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) श्री करसनभाई हुसेनभाई भाटी, चम्पामील की चाल, काँचकी मसजिद के निकट जमालपुर, अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो ;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मकान जिसका सर्वे नं० 1418, म्युनिसिपल सैस नं० 1090 (जमीन जिसका क्षेत्रफल 30 वर्ग गज) तथा सर्वे नं० 1419, म्युनिसिपल सैस नं० 1091 (जमीन जिसका क्षेत्रफल 74 वर्ग गज), प्लॉट नं० 92, जमालपुर वार्ड-I है, और जो ताडनी-शेरी, ताजपुर, अहमदाबाद में स्थित है ।

जे० कपूरिया,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 28-11-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-182(III)/1-1/74-75—
यतः मुझे जे० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे न० 668, शीट न० 44, म्युनिसिपल सैसस न० 1277, 1277-1, शाहपुर वार्ड-I है, जो रंगीला पोल के निकट, नवधरी, शाहपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 8-5-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री नारणभाई मंगलदास पटेल,
श्री निरंजन नारणभाई महादेपिया,
श्री पंकज नारणभाई,
श्रीमती पुष्पावती नारणदास,
बंगला न० 20, सीमा सोमायटी, सेट जेवियर्स हाईस्कूल
रोड, अहमदाबाद-14 । (अन्तरक)

(2) श्री रतिलाल करशनदास गांधी, हिरा बिल्डिंग, पहला
पारसी बाड़ा, बम्बई-4 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

इमारत जो 147 वर्ग गज भूमि पर स्थित है और जिसका सर्वे न० 668, शीट न० 44, म्युनिसिपल सैसस न० 1277, 1277-1, शाहपुर वार्ड न० 1 है और जो, नवधरी, रंगीला पोल के निकट शाहपुर अहमदाबाद में स्थित है ।

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद ।

तारीख : 7-12-74

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1974

निदेश म० ग० सी० क्यू० 23-I-189(102)/16-6/74-75

—यतः मुझे जे० कथूरिया,

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० सर्वे नं० 143, 155, 171, हाउस नं० 2710, वार्ड नं० 8 है, जो आजी नदी के पूर्व तट पर राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन मई, '74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री मणीलाल दलपतराय शुक्ल,
श्री नौतमलाल दलपतराय शुक्ल,
सरदार बाग के निकट, राजकोट। (अन्तरक)

- (2) श्री गोपालजी बेचर, गोहेल
श्री मच्छा करणा डाभी,
श्री अरुणभाई जयाभाई डाभी,
श्री अशोक कुमार गोपालजी गोहेल,
श्री मुकुंद गोपालजी गोहेल,
10, विजय प्लॉट राजकोट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य-व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सकान जो 3433-1-6 वर्ग गज भूमि मर स्थित है, और जिसका सर्वे नं० 143, 155, 177, हाउस नं० 2710 वार्ड नं० 8 है और जो आजी नदी के पूर्व तट पर, पांजरा पुल के निकट राजकोट में स्थित है और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं :—

पूर्व : शीतला माता का मंदिर,

पश्चिम : 40 फुट का रास्ता

उत्तर : 30 फुट का रास्ता,

दक्षिण : जोडेश्वर मंदिर की दिवाल।

जे० कथूरिया,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

तारीख : 8-11-74

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1974

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-195(105)/1-1/74-75

—यतः मुझे जे० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 143, एफ० पी० नं० 388, सब प्लॉट नं० 24, टी० पी० एस० नं० 6 है जो फतेहनगर, पालडी, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 17-5-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस से बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कम्पोजिशन ट्रस्ट के ट्रस्टी :—

1. श्री अनुभाई देवजीभाई राठौर, "देवभवन" प्रितमनगर, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद।
2. श्री साराभाई जगाभाई शाह, दिप कुंज मोसायटी पालडी, अहमदाबाद-7।
3. श्री महेन्द्रभाई मणीलाल शाह, जैन मरचंद सोसायटी, पालडी अहमदाबाद।

4. श्री कातिलाल ठाकोरदास काशी प्रितमनगर

अखाडा के निकट, एलिसब्रिज, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) 1. श्री चंद्रकान्त रतीलाल शाह,

2. श्री दीनीप रतीलाल शाह,

3. श्री परेश रतीलाल शाह,

4. श्री मित्रगेन रतीलाल शाह, गुजरात

मोसायटी, कांकरिया, अहमदाबाद (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक सकान जो 967 वर्ग गज भूमि पर स्थित है और जिसका सर्वे नं० 143, सब प्लॉट नं० 24, फायनल प्लॉट नं० 388-24, 388-24-1, तथा टी० पी० एस० नं० 6 है और जो फतेहनगर पालडी, में अहमदाबाद में स्थित है, और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं :—

पूर्व : सब प्लॉट नं० 23

पश्चिम : 30 फुट का गमना

उत्तर : सब प्लॉट नं० 17-18

दक्षिण : सब प्लॉट नं० 25

जे० कथूरिया,
सक्षम प्राधिकारी

तारीख : 28-11-1974 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
मोहर : अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1974

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-196(110)/1-1/74-75
—यतः मुझे, जे० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सब-प्लॉट नं० 20-1, प्लॉट जी० नं० 622, टी० पी० एस० नं० 3 है, जो कोचरब, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 24-5-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री चंदुलाल कालीदास पटेल,
श्रीमती कान्ताबेन चंदुलाल,
श्री सुरेन्द्र चंदुलाल पटेल,
श्री भूपेन्द्र चंदुलाल पटेल,

श्री प्रकाश चंदुलाल पटेल,

श्री रजनीकान्त चंदुलाल पटेल,

24, हाटकैण्वर मोसायटी, सेंट जेवियर्स रोड,
अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) श्री रोहितभाई रणछोडभाई पटेल,

श्रीमती शारदाबेन रणछोडभाई पटेल,

बंगला नं० 7-ए, अतुलपार्क, नारणपुरा चार रास्ता,
अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिम्मे ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 489.53 वर्ग मीटर है और जिसका सब-प्लॉट नं० 20-1, फायनल प्लॉट नं० 622, टी० पी० स्कीम नं० 3 है, और जो कोचरब अहमदाबाद में स्थित है और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं :—

पूर्वः सब प्लॉट नं० 20-2

पश्चिमः सब प्लॉट नं० 21

उत्तरः रोड

बक्षिणः फायनल प्लॉट नं० 621

जे० कथूरिया,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

तारीख : 7-12-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

प्राथमिक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रोज, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 21 नवम्बर, 1974

निदेश सं० 171/ए० सी० क्यू० 23-205/19-7/74-75--
धन मुझे पी० एन० मिस्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 85-2 पैकी और 87-ए-2 पैकी है, जो फुलपाड़ा, ता० चोरियासी, जिला: सूत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 10-5-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री सूर्यकान्त चिममलाल

चंचलबेम - चिमनलाल

सगीर अनीष सूर्यकान्त और पियुष सूर्यकान्त अपने वाली सुशीला बेम सूर्यकान्त द्वारा (अन्तरक)

(2) प्रिन्सोपाल आफिसर शक्ति विजय को०-ग्रापरेटिव

15-444OI/74

हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड फुलपाड़ा की ओर से प्रेसीडेंट: दादूभाई जसभाई पटेल

सैक्रेटरी: हरमनभाई भीखाभाई पटेल

मेम्बर: मरेन्द्रकुमार गुन्वतराय ठक्कर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि म० 2 पर है । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकें ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 85-2 और 87-ए-2 पैकी :—

1. दक्षिण की ओर प्लॉट नं० 5 कुल माप 2762 वर्ग गज
2. पश्चिम की ओर प्लॉट नं० 1 कुल माप 2650 वर्ग गज
3. दक्षिण की ओर प्लॉट नं० 6 कुल माप 2762 वर्ग गज
4. उत्तर की ओर प्लॉट नं० 2 कुल माप 2650 वर्ग गज
5. पश्चिम की ओर प्लॉट नं० 7 कुल माप 2762 वर्ग गज
6. पूर्व की ओर प्लॉट नं० 3 कुल माप 2649 वर्ग गज
7. उत्तर की ओर प्लॉट नं० 2 कुल माप 2632 वर्ग गज
8. दक्षिण की ओर प्लॉट नं० 4 कुल माप 2632 वर्ग गज
9. पूर्व की ओर प्लॉट नं० 4 कुल माप 2762 वर्ग गज
10. उत्तर की ओर प्लॉट नं० 3 कुल माप 2632 वर्ग गज

जो फुलपाड़ा, ता० चोरियासी जि० सूत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सूत के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1732 से 1741 में प्रवर्णित है ।

सक्षम प्राधिकारी पी० एन० मिस्तल,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

तारीख: 21-11-1974

मोहर :

प्रकृति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II
अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 नवम्बर 1974

निर्देश सं० 169/ए० सी० वयु० 23-225/6-1/74-75
यतः मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 78 प्लोट नं० 57 (जमीन और मकान)
है, जो हरिमक्ती कालोनी रैस कोर्स सर्कल के पास, बड़ोदा में स्थित
है (और इसमें उपायध्वं अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ोदा में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 2-5-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ब के अधुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की
अधुसारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) 1. श्री कंचनलाल पीताम्बरदास शाह
2. श्री मती पुष्पावती कंचनलाल शाह
3. दिनेश कंचनलाल शाह

4. नीरव दिनेश (सगीर) अपने वाली दिनेश कंचन-
लाल शाह द्वारा।

5. राजेश कांतीलाल शाह अपने कुल मुख्तार कंचनलाल
पीताम्बरदास शाह द्वारा अहमदाबाद
(अन्तरक)

(2) मैं शरीफ कूपर एन्ड कं० की ओर से उसका भागीदार
वसंतलाल नानालाल शरीफ, बम्बई (अन्तरिती)

(3) मैं शशान्त ट्रेडिंग कं० 57 हरिमक्ती कालोनी जेलतपुर
रेस कोर्स के पास बड़ोदा (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तोः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है,
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान जो सर्वे नं० 78 प्लोट नं० 57, हरिमक्ती
कालोनी, रैस कोर्स सर्कल के पास, बड़ोदा में स्थित है जिसका
कुल जमीन का माप 7880 वर्ग फुट है बगले सहित, जैसा कि
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ोदा के 2-5-1974 को किये गये
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1899 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,

तारीख: 21-11-74 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर: अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 21 नवम्बर 1974

निर्देश सं० 170/ए० सी० क्यू० 23/13-8/74-75—यत
मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे न० 177, कुल माप 33275 वर्ग गज खुली
जमीन है, जो चकलासी पारी, नडियाद में स्थित है (और इससे
उपाधुत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, नडियाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 16-5-1974
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय
पाया गया, ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित
नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था,
छिपाने के लिये सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) श्री विठलभाई चुनीभाई देसाई
हरीभाई चुनीभाई देसाई

रामभाई चुनीभाई देसाई

देसाई बागी, नडियाद

(अन्तरक)

- (2) गोधीपार्क को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०
की ओर से उसके चेयरमेन शशीकान्त इश्वरभाई
पटेल, सेक्रेटरी विठलभाई शिवभाई पटेल

(अन्तरिती)

- (4) श्री नरेन्द्रभाई छमनभाई पटेल अनकपुरी सोसायटी
बड़ोदा (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्समवधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुमोदी

खुली जमीन सर्वे न० 172, जिसका कुल माप 33275 वर्ग
गज है और जो चकलासी पारी, नडियाद में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी नडियाद के 16-5-1974 को किये गये रजिस्ट्री-
कृत विवेक न० 1432, 1433, 1434, 1435 और 1436
में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मित्तल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 21-11-74

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1974

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-213(104)/16-6/74-75—यतः मुझे जे० क्यू० आरिया आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 27 तथा 28 है, जो कुवाडवा रोड राजकोट में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध भूतसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1961 (1908 का 16) के अधीन 30-5-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कान्तीलाल लीलाधर नयवाणी, कर्ता हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब नेशनल प्रोटो स्पेस, 531/ए सेंड हस्टिंग्स चौपाटी बम्बई (अन्तरकृति)

2. मैसर्स फोहेनूर पेपर इन्डस्ट्रीज सुरेन्द्रनगर रोड, राजकोट की ओर से

भागीदार :—(1) श्री प्रकाश बल्लभदास शेठ, (2) श्री दिनकर बल्लभदास शेठ, (3) श्री रजनीकान्त मोहनलाल शेठ, (4) श्री निस्तिन रमणीकलाल शेठ, (5) श्रीमती प्रभाकुमार खुशालदास मेरेता, (6) श्री सुभाष बल्लभदास शेठ, (7) श्री बालुभाई डायभाई पटेल,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति (बाधकाम सहित) जिसका क्षेत्रफल 11 एकड़ और 20 गुंठा है और जिसका सर्वे नं० 27 तथा 28 है जो कुवाडवा रोड, राजकोट पर स्थित है और जिसकी सीमाएँ निम्नलिखित हैं :—

पूर्व :—रणछोड़ भाई की बाड़ी

पश्चिम :—लालपरी का रास्ता

उत्तर :—रणछोड़ भाई की बाड़ी

दक्षिण :—वडवाण रोड

जे० क्यू० आरिया

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 8-11-74

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 6 जनवरी 1975

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-218 (120)/18-5/14-75—यत मझे जे० कपूरिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे न० 1697 सब प्लॉट न० 2/ए है, जो आबावाडी वडवाण में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वडवाण में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-5-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अर्ज, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

1 श्री- मोहनलाल दाभाभाई मकवाना पसरवाली जीण, गीता मन्दिर रोड, अहमदाबाद (अर्ज-क)

2 गोहील पोटरिज अपने मार्गदर्शक द्वारा --

(1) श्री तुलसीभाई दानाभाई,

(2) श्री-छगन भाई तुलसी भाई,

(3) श्री किशनलाल तुलसी भाई, छीपाचल गीता मन्दिर रोड अहमदाबाद।

4 कोई व्यक्ति या सम्पत्ति में रचित रहता है। (यह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में द्विगुण है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति अक्षर, यदि कोई है तो ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विगुण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि हम स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अर्जन सम्पत्ति जो 2050 वर्ग गज भूमि पर स्थित है और जिसका सर्वे न० 1697 सब प्लॉट न० 2/ए है, और जो आबावाडी वडवाण में स्थित है।

जे० कपूरिया,

मध्यम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख 23-1-75

मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 2 नवम्बर 1974

निर्देश सं० 167/ए० सी० क्यू० 23-235/19-8/74-75
यतः मुझे पी० एन० मिश्र आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसको सं० रे० सं० नं० 42 पैकी और 43 पैकी है, जो उधमा ता० चोरियासी, जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपायय अनुपूर्वी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1961 (1908 का 16) के अधीन 3-5-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर दान के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

प्रतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्ता :—

मै० बड़ोदा ब्रिक फैक्टरी अपने भर्गवारी द्वारा :—

1. जीवन लाल जोड़ाराम
2. जयन्तीलाल जीवन लाल
3. हीरालाल जीवन राम सगरामपुरा, सचीन हाउस सूरत (अन्तरक)

2. जीवन ज्योत नगर फ्लैट्स को० धो० हा० सोमदई उधमा सूरत की ओर से उसके—

प्रमुख :—भगम भाई नरोत्तम भाई पटेल

सेक्रेटरी :—शान्ती लाल हिममत लाल

मेम्बर :—दिनेश चन्द्र साकर लाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अजल सम्पत्ति (नीचे तक के बाध काम सहित) जिसका सं० सं० नं० 42 पैकी और 43 पैकी जो उधमा (सूरत उधमा रोड) ता० चोरियासी जि० सूरत में स्थित है और जिसका क्षेत्रफल 1364 वर्ग गज (मकान नं० 1) है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के में 1974 के रजिस्ट्री विलेख नं० 1670 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मिश्र,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 2-11-1974

ओहर:

SHRAM MANTRALAYA
SHRAM BUREAU

Simla, the 8th February 1975

No. 23/74-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 decreased by five points to reach 326 (Three hundred and twenty six) during the month of December, 1974. Converted to base : 1949=100, index for the month of December, 1974 works out to 396 (Three hundred and ninety six).

K. K. BHATIA, Director.

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER.

Bombay-20, the 19th December 1974

No. 10(1)/73-74/CLB. II:—In exercise of the powers conferred on me by Clause 5(1) of the Cotton Control Order, 1955, and in supersession of the Textile Commissioner's Notification No. 10(1)/73-74/CLB. II dated the 11th April, 1974, I hereby direct that no manufacturer shall have at any time in his possession a quantity of Indian Cotton requir for consumptioned on his own spindles whether held by himself or held in his behalf by any other person and including quantities to be delivered against outstanding contracts in excess of the limits specified in the Schedule below:—

SCHEDULE

Sl. No.	Area	Quantity
1	2	3
1.	Manufacturer having his place of manufacture in the City limits of Bombay and Ahmedabad.	Not exceeding the quantity equivalent to his three months' average monthly consumption.
2.	Manufacturer having his place of manufacture in the States of Assam, Orissa, West Bengal and Bihar.	Not exceeding the quantity equivalent to his four and half month's average monthly consumption.
3.	Manufacturer having his place of manufacture in the areas other than those mentioned in items 1 and 2 above.	Not exceeding the quantity equivalent to his four months' average monthly consumption.

Provided that, in the case of a manufacturer who is required to execute orders for defence purposes, the Textile Commissioner may, on application made to him in this behalf, permit such manufacturer to keep stocks of Indian cotton in excess of these limits to the extent of contracts to be executed.

Provided further that in the case of a Co-operative Spinning Mill, the Textile Commissioner may, on application made to him in this behalf, permit such manufacturer to keep stocks of Indian cotton upto six months of the Mills' average monthly consumption.

Provided further that in the case of a manufacturer who has exported in the preceding calendar year ending on 31st December, a part or whole of his packed production the Textile Commissioner may, on application made to him in this behalf accompanied by necessary particulars, permit such manufacturer to keep Indian cotton upto the limits indicated below:—

- | | |
|---|---|
| (a) Manufacturer who has exported upto and including 10% of his packed production in the preceding calendar year ending on 31st December. | Quantity equivalent to his half month's average monthly consumption over and above the applicable stock limits indicated in the Schedule above. |
| (b) Manufacturer who has exported more than 10% but upto and including 25% of his packed production in the preceding calendar year ending on 31st December. | Quantity equivalent to his one month's average monthly consumption over and above the applicable stock limits indicated in the Schedule above. |
| (c) Manufacturer who has exported more than 25% of his packed production in the preceding year ending on 31st December. | Quantity equivalent to his one and half months' average monthly consumption over and above the applicable stock limits indicated in the Schedule above. |

Provided further that the quantity of Indian cotton which can be held in the possession of a manufacturer who has been using wholly or mainly foreign cotton, shall be as specified by the Textile Commissioner from time to

time on application made to him by the said manufacturer in this behalf.

Further, in exercise of the powers conferred on me by Clause 4(1) of the above said order, I direct that no manufacturer shall purchase Indian cotton unless his stock of such cotton at any time comes down below the limit prescribed for him in column (3) of the Schedule above or the limit specified in the provisos above as the case may be.

Mills which have Indian cotton stocks in excess of the above limits are required to send details to the Textile Commissioner. Such mills are prohibited from buying any further quantity of Indian cotton till such excess position is corrected to the levels below the limits now prescribed. Dealers other than banks holding quantities of Indian cotton on behalf of the mills are advised to satisfy themselves that such stocks of cotton are within the limits prescribed for the mills concerned.

Explanation

- (i) The average monthly consumption will be computed on the basis of the figures reported by the manufacturer to the Textile Commissioner in Form CST-II for the preceding cotton year ending the 31st day of August.
- (ii) The average monthly consumption will be computed on the basis of full working months during the preceding cotton year without taking into consideration the strike period, if any.
- (iii) The cases of mills which were closed and have been restarted recently either by the National Textile Corporation or private parties will be considered on merit on submission of application to the Textile Commissioner.
- (iv) For the purpose of this Notification, Indian cotton shall include all varieties of Indian cotton.

G. S. BHARGAVA
Joint Textile CommissionerMINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 18th December 1974

No. A.19018(157)/74-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries is pleased to appoint Shri R. S. Rastogi, an Accounts Officer of the Office of the Accountant General, Central Revenues, New Delhi, as Accounts Officer in the Office of Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi, on deputation with effect from the forenoon of 7th December 1974.

K. V. NARAYANAN, Director (Admn.).

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION
(DEPARTMENT OF SUPPLY)

NATIONAL TEST HOUSE

Calcutta-27, the 12th December 1974

No. G-318/A.—The Director, National Test House, Alipore, Calcutta, has been pleased to appoint Shri N. Madhavan, a permanent Assistant, borne on the cadre of the Ministry of Finance and attached to the Internal Finance Branch, Department of Supply, Bombay as Assistant Director (Admn.) (Grade II) in the National Test House, Bombay Branch, Bombay with effect from the forenoon of 20-11-74 and until further orders.

2. Shri N. Madhavan assumed charge of the post of Assistant Director (Admn.) (Grade II) in the National Test House, Bombay Branch, Bombay with effect from 20-11-1974. (F.N.)

S. K. BOSE, Dy. Director (Chem.)
for Director, National Test House.

DEPARTMENT OF SUPPLY
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES &
DISPOSALS

New Delhi-1, the 31 December, 1974.

No. A-1/1(762).—The President is pleased to appoint Shri Janardan Sahay, Senior Purchase Officer in the Bharat Cooking Coal Limited, Dhanbad to officiate on ad-hoc basis as Deputy Director of Supplies, Grade II of the Indian Supply Service in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 2nd December, 1974 and until further orders.

No. A-1/1(929).—Shri D. E. De-Sarkar relinquished charge of the office of Deputy Director (Grade II of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi on the afternoon of 8th November, 1974 for his reversion to his parent office as Deputy Manager in the High Explosives Factory, Kirki (Poona), under the DGO (Ministry of Defence).

No. A-1/1(242).—The President is pleased to appoint Shri Mahman Singh, Assistant Director of Supplies (Grade I) (Grade III of ISS) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay to officiate on ad-hoc basis as Deputy Director of Supplies, Grade II of the Indian Supply Service in the office of the Director of Supplies & Disposals, Bombay, with effect from the afternoon of 30th November 1974 and until further orders.

No. A-1/1(224).—The President is pleased to appoint Shri C. Bhandari, Permanent Director (Grade I of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi to officiate as Deputy Director General (Supplies & Disposals), in the office of the Deputy Director General of Supplies & Disposals, Calcutta with effect from the forenoon of 15th November, 1974 and until further orders.

No. A-6/247(1287)/60.—The President has been pleased to appoint Shri K. Ganguly, Assistant Inspecting Officer (Engg.) to officiate as Inspecting Officer in the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service Class I from the forenoon of the 30-11-74.

Shri K. Ganguly relinquished charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the Calcutta Inspection Circle in the forenoon of 30-11-74 and charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the same circle of the Directorate General of Supplies and Disposals in the forenoon of the 30-11-74.

No. A-6/247(276)/60.—The President has been pleased to appoint Shri A. K. Bose, Asstt. Inspecting Officer (Engg.) to officiate as Inspecting Officer in the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service, Class I from the afternoon of the 2-12-74.

Shri A. K. Bose relinquished charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the Calcutta Inspection Circle in the afternoon of 2-12-74 and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the same circle of the Directorate General of Supplies in the afternoon of the 2-12-74.

The 2nd January 1975

No. A-17011(78)/74-A.6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri S. K. Bandopadhyay, Assistant Director of Supplies (Grade II) in the Headquarters office of the DGS&D, to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the Calcutta Inspection Circle w.e.f. the forenoon of the 11-12-74 until further orders.

Shri Bandopadhyay relinquished the charge of the post of Assistant Director of Supplies (Grade II) in the Headquarters office of DGS&D, on the afternoon of 30-11-74 and assumed charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the Calcutta Inspection Circle on 11-12-74 (FN).

New Delhi, the 4th January 1975

No. A-6/247(292)/60.—The President has been pleased to appoint Shri R. J. Vaziraney, Assistant Inspecting Officer (Engg.) to officiate as Inspection Officer in Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service, Class I from the forenoon of the 3rd December, 1974.

Shri Vaziraney relinquished charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the Bombay Inspection Circle in the afternoon of the 27th November 1974 and after availing of the earned leave for 5 days from 28-11-74 to 2-12-74 assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the Bombay Inspection Circle in the forenoon of the 3rd December, 1974.

The 7th January 1975

No. A-17011/56/73-A.6.—Shri P. Arthur Raju, permanent Examiner of Stores and officiating Asstt. Inspecting Officer (Tex.) in the Madras Inspection Circle of the Directorate General of Supplies & Disposals retired from Government service w.e.f. 30-11-74 (A.N.) on attaining the age of superannuation.

No. A-17011/79/74-A.6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri K. V. Narayanan, Assistant Director of Supplies (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Tex.), Bombay to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the Bombay Inspection Circle w.e.f. the forenoon of 18-12-74 until further orders.

Shri Narayanan relinquished the charge of the post of Assistant Director of Supplies (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Tex.), Bombay on 18-12-74 (F.N.) and assumed charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the Bombay Inspection Circle on 18-12-74 (F.N.).

The 9th January 1975

No. A-6/247(343)/62-II.—The President has been pleased to appoint Shri A. K. Sur, Assistant Inspecting Officer (Engg.) to officiate as Inspecting Officer in the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service Class I from the forenoon of the 30-11-74.

Shri A. K. Sur, relinquished charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the Calcutta Inspection Circle in the forenoon of 30-11-74 and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the same circle of the Directorate General of Supplies & Disposals in the forenoon of the 30-11-74.

BALWANT SINGH, Deputy Director (Admin.)

New Delhi, the 19th December 1974

No. A-6/247(279)/60-II.—The President has been pleased to appoint Shri A. T. Nachnani, Assistant Inspecting Officer (Engg.) to officiate as Inspecting Officer in the Engg. Branch of Grade III of the Indian Inspection Service Class I from the forenoon of the 20-11-74.

Shri Nachnani relinquished charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the Bombay Inspection Circle in the forenoon of the 8-8-74, and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the Madras Inspection Circle in the forenoon of the 20-11-74.

The 30th December 1974

No. A-6/247(198)/III.—Shri G. N. P. Rao, Inspecting Officer (Engg.) in Grade III of Indian Inspection Service Class I in the Madras Inspection Circle of the Directorate General of Supplies & Disposals, retired from service w.e.f. 31-10-74 (A.N.) on attaining the age of superannuation.

The 31st December 1974

No. A-1/1(994).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri A. V. S. P. Sinha, a permanent Head Clerk in the office of the Deputy Director of Inspection, Kanpur to officiate on local ad-hoc basis as Assistant Director (Administration) (Grade II) in the Directorate General of Supplies & Disposals, Kanpur with effect from the forenoon of 18th November, 1974, and until further orders.

No. A-1/1(950).—Shri S. K. Bandopadhaya relinquished charge of the post of Assistant Director of Supplies (Grade II) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the afternoon of 30th November, 1974 on his appointment as Assistant Inspecting Officer, (Engg.) in the office of the Director of Inspection, Calcutta.

No. A-1/1(903).—Shri M. S. Sundareswaram relinquished charge of the office of Assistant Director of Supplies Grade II in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the afternoon of 30th November, 1974 on his reversion to his parent office viz. DEAFMS (Ministry of Defence).

The 6th January 1975

No. A-6/247(26)/57/III.—Shri D. T. Gursahani a permanent Deputy Director of Inspection and officiating Director of Inspection, in Grade I of the Indian Inspection Service Class I in the Bombay Inspection Circle under the Directorate General of Supplies & Disposals retired from Government service in the afternoon of the 30th November, 1974 on the expiry of Extension of service granted to him.

No. A-17011/81/74-A.6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri B. K. Malakar, Examiner of Stores (Engg.) in the office of the Director of Inspection, Calcutta to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the same circle w.e.f. the forenoon of the 10th December 1974, until further orders.

The 7th January 1975

No. A-17011/80/74-A.6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri R. K. Guha, Examiner of Stores (Engg.) in the office of the Director of Inspection, Calcutta to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the same circle w.e.f. the forenoon of the 10-12-74 until further orders.

BALWANT SINGH, Dy. Director (Admn.),
for Director General of Supplies & Disposals.

New Delhi-1, the 8th January 1975

No. A-1/1(997).—Shri K. V. Narayanan relinquished charge of the office of Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay with effect from the forenoon of 18th December, 1974 on his appointment as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the office of the Director of Inspection, Bombay.

No. A-1/1(991).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri S. K. Desai, Head Clerk in the office of the Director of Inspection, Bombay to officiate on local *ad-hoc* basis as an Assistant Director (Administration) (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay with effect from the forenoon of 23rd December 1974 and until further orders.

K. L. KOHLI,
Deputy Director (Administration)
for Director General, Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF MINES)
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-13, the 17th December 1974

No. 2181(RK)/19B.—Dr. Rajendra Kumar, M.Sc., Ph.D., is appointed as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on minimum of pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 23rd September 1974, until further orders.

No. 51/62/19A.—Shri D. N. De, Administrative Officer, Geological Survey of India retired from Government service on superannuation with effect from 31st August 1974 (afternoon).

16—444GI/74

The 27th December 1974

No. 40/59/C/19A.—Shri Aditya Kishore Mookerjee, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on *ad-hoc* basis with effect from 11-11-1974 (F.N.), until further orders.

The 1st January 1975

No. 2251(NKS)/19B.—Shri N. K. Sinha, Senior Drilling Assistant, Geological Survey of India is appointed on promotion as Driller in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- (Revised) in a temporary capacity with effect from the forenoon of 21st October 1974, until further orders.

No. 2251(RRKN)/19B.—Shri R. R. K. Nair, Senior Drilling Assistant, Geological Survey of India, is appointed on promotion as Driller in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- (Revised) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 11th December 1974, until further orders.

C. KARUNAKARAN,
Director General

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi, the 4th January 1975

No. F.20(B-3)14/61-A.1.—Shri B. N. Das Gupta, Offg. Archivist (General) expired on the 6th December 1974.

Sd. ILLEGIBLE.
Director of Archives

DELHI MILK SCHEME

New Delhi-8, the 20th December 1974

No. 2-28/74-Estt-I.—Chairman, Delhi Milk Scheme is pleased to appoint Shri I. S. Anand, an Accounts Officer of the office of Accountant General, Posts & Telegraphs, as Accounts Officer (Class-II Gazetted) in the Delhi Milk Scheme on deputation with effect from the forenoon of 19-11-74 until further orders.

R. SUBRAHMANTIAM
Dy. General Manager (Admn.)

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 4th January 1975

No. E(I)/03498.—On attaining the age of Superannuation Shri K. D. Mukherjee, Asstt. Meteorologist, office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta retired from Govt. service w.e.f. the afternoon of 31-7-1974.

NOOTAN DAS
Meteorologist (Establishment)
for Director General of Observatories

DIRECTORATE GENERAL
ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 9th January 1975

No. 5(21)/69-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri V. L. Gavit, Transmission Executive, All India Radio, Parbhani as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 23rd December, 1974 and until further orders.

No. 5(122)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri B. R. Kumar, Transmission Executive, All India Radio, Tiruchirapalli as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 23rd December, 1974 and until further orders.

No. 5(24)/69-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. V. L. Liani, Transmission Executive, All India Radio, Imphal as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 21st December, 1974 and until further orders.

No. 5(103)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri A. K. Biswas, Transmission Executive, All India Radio, Ranchi as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 26th December, 1974 and until further orders.

No. 5(23)/69-S.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri N. S. Issac, Transmission Executive, All India Radio, Calicut as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 21st December 1974 and until further orders.

No. 5(116)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Kum. Vimla Shastri Transmission Executive All India Radio, New Delhi as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 18th December, 1974 and until further orders.

No. 5(77)/67-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri V. S. Pansare, Transmission Executive, All India Radio, Poona as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 23rd December, 1974, until further orders.

No. 5(90)/67-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri D. P. Jatav, Transmission Executive, All India Radio, Allahabad as Programme Executive All India Radio, Jabalpur in a temporary capacity with effect from the afternoon of 23rd December, 1974 and until further orders.

No. 5(1)/69-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri F. Ekka Transmission Executive, All India Radio New Delhi as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 20th December, 1974 and until further orders.

SHANTI LAL
Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi, the 23rd December 1974

No. 2/9/74-S III.—The Director General, All India Radio, hereby appoints the following officers in the cadre of Assistant Engineer in All India Radio in an officiating capacity at the offices/Stations of All India Radio as shown against their names with effect from the date mentioned against each until further order:—

S. No.	Name of the officer	Name of the office/ Station where posted	Date of appointment.
1.	Smt. Chandra Aiyangar	Research Department, All India Radio, New Delhi.	15-11-1974
2.	Shri R. Narasimha Rao	All India Radio, Cuttack.	28-11-1974

The 8th January 1975

CORRIGENDUM

No. 2/9/74-SIII.—The date of appointment of Shri R. Narasimha Rao, Assistant Engineer, All India Radio, Cuttack may please be read as 23-11-74 instead of 28-11-74 in this Notification No. 2/9/74-SIII dated 23-11-74.

P. K. SINHA
Prashasan Upnideshak
Krite Mahanideshak

New Delhi, the 13th January 1975

No. 2/71/60-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri G. Ramalingam, Accountant Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Madras to officiate as Administrative Officer at All India Radio, Vijayawada on *ad hoc* basis with effect from 1-1-75 (FN).

I. S. PANDHI
Section Officer
for Director General

(CIVIL CONSTRUCTION WING)

New Delhi, the 20th December 1974

No A-35017/1/73-CWI.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri K. K. Deb Roy, a Junior Engineer (Electrical) in the Central Public Works Department as Assistant Engineer (Elect.) Rs. 650—1200 in the Civil Construction Wing of All India Radio and to post him as Assistant Engineer (Electrical), Gauhati under Divisional Office (Electrical), New Delhi with effect from the 19th October 1974 (afternoon) on the deputation for a period of one year in the first instance.

K. G. KRISHNAMURTHY
Engineer Officer to C.E. (Civil)
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-1, the 19th December 1974

No. 7/15/68-Est.II.—On his reversion to his parent Department in Uttar Pradesh State Government, Shri S. C. Bansal, relinquished charge of the post of Field Exhibition Officer in this Directorate with effect from 11th November, 1974 (forenoon).

R. L. JAIN
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity

New Delhi, the 19th November 1974

No. 2/202/56-Est.I.—Consequent on their reversion to the post of Draftsman, Shri Om Parkash Kashyap and Shri D. R. Bhanot relinquished charge of the post of Senior Artist in this Directorate on the afternoon of the 31st October, 1974.

R. L. JAIN
Deputy Director (Admn.)

FILMS DIVISION

Bombay-26, the 16th December 1974

No. 40/PFII/48-Est.I.—The Chief Producer Films Division, has appointed Shri V. R. Peswani, Officiating Superintendent in the Films Division, Bombay to officiate as Assistant Administrative Officer in the same office with effect from the forenoon of the 11th December, 1974 vice Shri M. K. Jain granted leave.

Sd. ILLEGIBLE
for Chief Producer.

Bombay-26, the 18th December 1974

No. 17/26/49-Est.I.—Consequent on attaining the age of superannuation, Shri F. Joseph, officiating Branch Manager in the Films Division at Hyderabad retired from service with effect from the afternoon of 30-11-1974.

The Chief Producer, Films Division has appointed Shri R. P. Sharma, permanent Salesman in the Films Division at Lucknow to officiate as Branch Manager, Films Division at Hyderabad from the afternoon of the 30th November, 1974 vice Shri F. Joseph, officiating Branch Manager, Hyderabad retired.

The 24th December 1974

No. 17/40/49-Est.I.—The Chief Producer of the Films Division has appointed Shri P. V. Rao, Officiating Salesman, Films Division, Nagpur to officiate as Branch Manager in the same office with effect from the afternoon of the 16th November, 1974 vice Shri A. K. Mehra granted leave.

The 2nd January 1975

No. A.19012/3/74-Est.I.—Consequent on repatriation of Shri M. P. Advani, Accounts Officer (Admn.) to his parent Department on 7-12-1974 (F.N.) Shri K. Rajagopalan, Accounts Officer of the office of the Controller General of Defence Accounts (Airforce), Dehra Dun assumed charge of the post of Accounts Officer (Admn.), Films Division, Bombay on that date.

The 7th January 1975

No. 17/20/49-Est.I.—The Chief Producer, Films Division has appointed Shri V. Shrinivasan Permanent Salesman, Films Division, Bangalore to officiate as Branch Manager, Films Division Bangalore with effect from 17-6-1974 (A.N.) until further orders vice Shri S. N. Ray, Branch Manager, Films Division, Bangalore tendered his resignation of the post.

V. R. PESWANI
Asstt. Administrative Officer
for Chief Producer

New Delhi, the 23rd December 1974

N. A.12026/2/74-Admn.I.—In continuation of this Division Notification No. A.12026/2/74-Admn.I, dated 4-9-1974, Director Publications Division is pleased to appoint Shri K.C. Singhal, a permanent Senior Accountant, to officiate as Accounts Officer with effect from 27-11-1974 until further orders.

M. L. TANDON, Deputy Director (Admn.).

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 30th December 1974

No. 13-13/74-Admn.—The President is pleased to appoint Dr. Balraj Sur to the post of Staff Surgeon (Dental), Central

Government Health Scheme, New Delhi with effect from the forenoon of the 12th November, 1974 on ad-hoc basis and until further orders.

Consequent on his appointment to the post of Staff Surgeon (Dental) Central Government Health Scheme, Dr. Balraj Sur relinquished charge of the post of Junior Staff Surgeon (Dental) Central Government Health Scheme on the forenoon of 12th November, 1974.

The 1st January 1975

No. 28-5/70-II-Admn.I.—The Government of India announce with profound regret the death of Dr. H.M.L. Srivastava, Assistant Director (Ent), R.C.O., National Malaria Eradication Programme, Lucknow on the 15th October 1974.

No. 9-3/74-Admn.I.—The Director of Administration of Vigilance is pleased to appoint the following officers to the posts of Clinical Instructor at the RKAK College of Nursing, New Delhi with effect from the date mentioned against each in a temporary capacity and until further orders :—

1. Kumari Manjeet Kaur, 28-9-74 (F.N.).
2. Kumari Aleyamma John, 28-8-74 (F.N.).
3. Kumari Lily K. Abraham, 13-9-74 (A.N.).
4. Kumari Kiran Sachdeva, 13-9-74 (A.N.).

The 7th January 1975

No. 9-35/74-Adm.I.—The Director of Administration and Vigilance in the Directorate General of Health Services is pleased to accept the resignation from service of Kumari Bharthy Namudripad, Clinical Instructor, Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing New Delhi with effect from the afternoon of the 30th November, 1974.

No. 10-16/73-Admn.I.—The President is pleased to appoint Smt. Gayatri Biswas, to the post of Senior Analyst in the Central Food Laboratory, Calcutta with effect from the forenoon of the 9th December 1974, in a temporary capacity, and until further orders.

The 10th January 1975

No. 17-93/73-Admn.I.—The Director General of Health Service is pleased to appoint Shri H.K. Dhote to the post of Assistant Architect in the Directorate General of Health Services with effect from the forenoon of the 26th September, 1974 in a temporary capacity and until further orders.

S. P. JINDAL, Deputy Director (Admn.).

New Delhi, the 21st December 1974

No. 16-9/72-Admn.I (CGHS I)—Consequent upon appointment of Dr. S. B. Singh as Homoeopathic Physician on regular basis the services of Dr. (Kum) Uma Jain, Homoeopathic Physician appointed on ad-hoc basis under Central Govt. Health Scheme, Delhi, are terminated with effect from the afternoon of the 5th November 1974.

The 24th December 1974

No. 20-80/74-CGHS-I.—Consequent on the acceptance of of his resignation, Dr. Vikram Singh Junior Medical Officer (ad-hoc), C.G.H., Scheme, Delhi relinquished charge of his post on the 17th September, 1974 (A.N.).

K. VENUGOPAL
Deputy Director, Admn. (C.G.H.S.)

New Delhi, the 23th December 1974

No. 36-5/73-CHS(I)—Consequent on her transfer Dr (Mrs.) K. L. Aggarwal relinquished charge of the post of Junior Medical Officer (ad-hoc) under the Central Government Health Scheme, Delhi on the afternoon of 12th August, 1974 and assumed charge in the same capacity in the Willingdon Hospital, New Delhi on the same terms and conditions on the afternoon of 12th August, 1974.

The 6th January 1975

No. 20-23/74-CHS II.—Consequent upon the acceptance of his resignation, Dr. C. Kannan, relinquished charge of the post of Junior Medical Officer, Central Leprosy Training & Research Institute, Chingleput on the afternoon of the 4th November, 1974.

R. N. TEWARI,
Dy. Director Admn. (CHS).

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION
(HEAD OFFICE)

Faridabad, the 20th December 1974

No. F.4-5(34)/74-A.I.—On his attaining the age of 58 years, Shri K. Seshadri, Marketing Officer, Group I, Visakhapatnam superannuated from Government Service with effect from 31-10-74. (Afternoon).

No. F.P.C. 4-5(1)/74-A.I.—Shri R. Kannan, Marketing Officer, (Group I), Cochin was appointed to officiate as Deputy Senior Marketing Officer, Group I, on a purely temporary and ad-hoc basis in the Directorate of Marketing and Inspection as Bhopal for the period from 7-10-74 to 31-10-74. He has been reverted as Marketing Officer, Group I, on 1-11-74 (F.N.) and posted at Bhopal until further orders.

The 9th January 1975

No. F.4-5(3)/74-A.I.—On the basis of the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Ram Singh, has been appointed as Marketing Officer, Group I, on officiating basis in the Directorate of Marketing and Inspection, with effect from 1-8-1973 (F. N.), until further orders.

N. K. MURALIDHARA RAO
Agricultural Marketing Adviser
to the Government of India

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION
(BRANCH HEAD OFFICE)

Nagpur, the 9th January 1975

No. F.2/8/74-DN.II.—For the purpose of Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), Ministry of Foreign Trade, Ministry of Commerce, Ministry of Finance (Department of Revenue and Company Law), Ministry of Finance (Department of Revenue), Ministry of Finance (Revenue Division), notifications No. 125, 126, 127 Dt. 15-9-1962, No. 1131, 1132 Dt. 7-8-1965, No. 2907 Dt. 5-3-1971, No. 3601-A 3601-B 3601-C Dt. 1-10-1971, No. 3099 Dt. 3-11-1973, No. 1127 Dt. 21-4-1973, No. SRO 3184, Dt. 28-12-1956, No. 83 Dt. 29-7-1961, No. 3752 Dt. 26-12-1955, No. 1157 Dt. 22-6-1963, No. GSR-904 Dt. 27-6-1964, No. 1130 Dt. 7-8-1965, No. 12 Dt. 9-6-1945, No. 1 Camp Dt. 5-1-1946, No. 6 Dated 5-2-1949, No. 64 Dated 17-6-1961, No. 48 dated 24-5-1954, No. 172 dated 29-12-1954, No. 5 dated 14-1-1961, No. 174-CUS dated 26-12-1964, No. 448 dated 14-3-1964, No. 1421 dated 31-8-1963, No. 124 dated 15-9-1962, No. 1133, 1134 1135 dated 7-8-1965, and published in the Gazette of India, I hereby authorise Shri N.Y.Z. Faruqi, Senior Marketing Officer,

Incharge, Northern Region, New Delhi to issue Certificate of Grading from the date of issue of this notification in respect of Black Pepper, Chillies, Cardamom, Ginger, Turmeric, Coriander, Fennel Seed, Fenugreek, Celery Seed, Cumin Seed, Curry Powder, Sandalwood Oil, Palmarosa Oil, Lemongrass Oil, Vetiver Oil, Vegetable Oils, Tendu Leaves, Tobacco, Wool, Bristles, Goat Hair, Animal Casings, Table Potatoes, Walnuts, Myrobalans, Onions, Garlics and Pulses, which have been graded in accordance with the provisions of the Grading and Marking Rules of the respective commodities as amended from time to time and formulated under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) and the export of which is subject to the provisions of the above mentioned notifications.

No. F.2/8/74-DN.II.—For the purpose of Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), Ministry of Foreign Trade, Ministry of Commerce, Ministry of Finance (Department of Revenue and Company Law), Ministry of Finance (Department of Revenue), Ministry of Finance (Revenue Division), notifications No. 1130 Dt. 7.8.1965, No. 12 Dt. 9.6.1945, No. 1 camp Dt. 5.1.1946 No. 6 Dt. 5.2.1949, No. 448 Dt. 14.3.1964, No. 125, 126, 127 Dt. 15.9.1962, No. 1131, 1132 Dt. 7.8.1965, No. 1133, 1134, 1135 Dt. 7.8.1965, No. 2907 Dt. 5.3.1971, No. 3601-A, 3601-B, 3601-C Dt. 1.10.1971, No. 3099 Dt. 3.11.1973, No. 64 Dt. 17.6.61 and published in Gazette of India, I hereby authorise Shri P. S. Jagannath Babu, Dy. Senior Marketing Officer, to issue Certificate of Grading from the date of issue of this notification in respect of Tendu Leaves, Tobacco, Table Potatoes, Black Pepper, Chillies, Cardamom, Turmeric, Ginger, Onions, Garlic, Pulses, Coriander, Fennel Seed, Fenugreek, Celery Seed and Cumin Seed, which have been graded in accordance with the provisions of Grading and Marking Rules of the respective commodities as amended from time to time and formulated under Section 3 of the Agriculture Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) and the export of which is subject to the provisions of the above mentioned notifications.

No. F.2/8/74-DN.II.—In partial modification of Notification No. F.2/8/72-DN.II Dt. 30.3.74, No. 3(44)/9/72-D.II, No. 3(TL)/2/65-D.II Dt. 6.4.74, published in the Gazette of India, Part III, Section 1, dated 30.3.74 and 6.4.74, the name of Shri B. S. Bhardwaj, Assistant Marketing Officer, wherever occurring in the said notifications may be treated as cancelled.

No. F.2/8/74-DN.II.—In partial modification of Notification No. 3(TL)/2/65-D.II, No. 3(44)/9/72-D.II, No. F.3(13)52/73-D.II, No. F.3(13)57/72-D.II, No. F.74/15/72-D.I, No. F.5/11/69-D.II, No. F.2/8/70-DN.II published in the Gazette of India, Part III, Section I, dated 21.7.73, the name of Shri L. K. Shukla, Senior Marketing Officer, wherever occurring in the said notifications may be treated as cancelled.

N. K. MURALIDHARA RAO
Agricultural Marketing Adviser.
to the Government of India.

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)**

The 22nd December 1974

Bombay-400 085, the 5th December 1974

No. PA/81(88)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Kadava Ramchandra Sharma, a temporary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

The 8th December 1974

No. PA/81(98)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Sat Dev Singh Walia, a permanent Scientific Assistant (B) and a temporary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

The 13th December 1974

No. PA/76(4)/74-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, Appoints Shri Dattatraya Laxman Bhawe, a permanent Assistant Accountant and a temporary Accountant in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Assistant Accounts Officer on an *ad-hoc* basis in the same Research Centre, with effect from the forenoon of October 14, 1974, until further orders.

The 18th December 1974

No. PA/81(99)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Trimbak Krishna Khare, a permanent Tradesman-E and an officiating Tradesman-G in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

No. PA/81(62)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Rajendra Prasad Jain, a temporary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

No. PA/81(90)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Harbhajan Singh Dua, a permanent Scientific Assistant (B) and an officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

The 20th December 1974

No. PA/34(1)/74-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Upendra Nath Mitra, a permanent Assistant Security Officer in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Security Officer in the same Research Centre, with effect from the forenoon of December 6, 1974, until further orders.

No. PA/81(50)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Pratap Bashomal Rawlani, a permanent Scientific Assistant (B) and an officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

No. PA/81(123)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Mchraj Beg Mirza, a temporary Scientific Assistant (B) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

No. PA/81(121)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints the undermentioned permanent Scientific Assistants (B) and officiating Scientific Assistants (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officers/Engineers-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

Sl. No. and Name

1. Shri Tarun Kumar Sen Gupta.
2. Shri Manatosh Kumar Mitra.

The 27th December 1974

No. PA/81(95)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Kanjibhai Tribhovandas Patel, temporary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

No. PA/81(87)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Nilkanth Shridhar Nathaye, a permanent Tradesman E and officiating Foreman in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

The 30th December 1974

No. PA/81(92)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Kum. Nirmala Kishinchand Shumdasani, a permanent Scientific Assistant (B) and officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade (SB) in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

No. PA/81(122)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Sujeer Parameshwarayya, a permanent Assistant Foreman and officiating Foreman in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

No. PA/81(122)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints the undermentioned temporary Scientific Assistants (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

Sl. No. and Name

1. Shri Ashok Mohanrao Karnad.
2. Shri Manohar Govindray Bhandari.

The 1st January 1975

No. PA/81(120)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints the undermentioned temporary Scientific Assistants (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officers/Engineers-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

Sl. No. and Name

1. Shri Krishan Avtar Sharma.
2. Shri Salil Das Gupta.

No. PA/81(97)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Dattatraya Harishchandra Saitawdekar, a permanent Scientific Assistant (B) and officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from forenoon of August 1, 1974, until further orders.

No. PA/81(121)/74-R-IV(PF).—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Debabrata Deb, a temporary Tradesman-C in the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

The 2nd January 1975

No. PA/81(100)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Kithanhalli Cheluviah Keshava Kumar, temporary Scientific Assistant (C) in the Variable Energy Cyclotron Project of the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

No. PA/81(123)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Pandharinath Viithal Nikam, a permanent Assistant Foreman and officiating Foreman in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1974, until further orders.

No. PA/73(5)/73-R-IV.—In continuation of this Office Notification of even number dated July 30, 1974, the Director, Bhabha Atomic Research Centre, has approved the continued officiating appointment in a temporary capacity of Dr. (Smt.) Shashikala Rajnikant Tribhuwan as Resident Medical Officer in this Research Centre from August 17, 1974 to December 31, 1974 or until further orders whichever is earlier.

No. PA/73(5)/73-R-IV.—In continuation of this office Notification of even number dated July 30, 1974, the Director, Bhabha Atomic Research Centre, has approved the continued officiating appointment in a temporary capacity of Dr. Dharmaraj Halligud Patil as Resident Medical Officer in this Research Centre from September 1, 1974 to forenoon of September 30, 1974.

P. UNNIKRISHNAN,

Dy. Establishment Officer (R)

Bombay 400 085, the 23rd December 1974

Ref. 5/1/74-Estt.V/386.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre hereby appoints Shri Tillamannatil Kunchirama Somasundaram, Stenographer (Sr.) to officiate as Assistant Personnel Officer in temporary capacity in this Research Centre for the period from August 12, 1974 to November 8, 1974.

The 4th January 1975

No. Ref. 5/1/74/Estt. V/63 :—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre hereby appoints the undermentioned officials in this Research Centre to officiate against the following posts for the period from 30-8-1974 to 5-10-1974 as indicated against them:—

Sl. No.	Name & Designation	Post to which appointed	Remarks
1.	Kum. H. B. Vijayakar Admn. Officer I	Admn. Officer II	Vice Shri V.P. Chopra, A.O. II granted leave.
2.	Shri N.Venkatasubramanian Asstt. Personnel Officer	Admn. Officer I	Vice Kum. H.B. Vijayakar appointed to officiate as A.O. II.
3.	Shri P. S. Mokhasi Stenographer (Sr.)	Asstt. Personnel Officer	Vice Shri N. Venkatasubramanian appointed to officiate as A.O. I.

The 9th January 1975

No. R/771/Estt.V/104.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri Madhukar Sadashiv Ranadive, Officiating Assistant Personnel Officer in this Research Centre relinquished charge of his post with effect from 31-12-1974 (A.N.).

A. SANTHAKUMARA MENON,
Dy. Establishment OfficerDEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay 400001, the 7th December 1974

No. DPS/A/11013/4/73/Est.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri V. C. Kuruvilla, a permanent Storekeeper and officiating Stores Officer (Class II) in the scale of pay of Rs. 650—960 (Revised), as Assistant Stores Officer in the same scale of pay in a temporary capacity in the same Directorate with effect from 5-10-1974 until further orders.

No. DPS/A/11013/4/73/Est.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints M. Banerjee, a permanent Storekeeper and officiating Stores Officer (Class II) in the scale of pay of Rs. 650—960 (Revised), as Assistant Stores Officer in the same scale of pay in a temporary capacity in the same Directorate with effect from 5-10-1974 until further orders.

No. DPS/A/11013/4/73/Est.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri V. C. Cherian, a permanent Storekeeper and officiating Stores Officer (Class II) in the scale of pay of Rs. 650—960 (Revised), as Assistant Stores Officer in the same scale of pay in a temporary capacity in the same Directorate with effect from 5-10-1974 until further orders.

K. P. JOSEPH,
Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 1st January 1975

No. AMD-2/2048/70-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, hereby appoints Shri V. Ramachandran, a permanent Accountant of the Office of the Controller General of Defence Accounts at present on deputation to the Atomic Minerals Division, as Assistant Accounts Officer in a substantive capacity with effect from the forenoon of March 1, 1973.

The 3rd January 1975

No. AMD/1/6/73-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, hereby appoints Shri Shashi Bindu Vyas as Scientific Officer/Engineer (Mechanical) Grade SB in an officiating capacity in the Atomic Minerals Division w.e.f. the forenoon of 20th December 1974, until further orders.

S. RANGANATHAN,
Sr. Administrative and Accounts Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Bombay, the 31st December 1974

No. TAPS/ADM/735-A.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri M. I. Cherian, a quasi-permanent Personal Assistant in the Tarapur Atomic Power Station as Assistant Personnel Officer in the same Power Station on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of January 1, 1975 to February 28, 1975 or till a regular incumbent is appointed whichever date is earlier.

K. V. SETHUMADHAVAN,
Chief Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500040, the 1st January 1975

Ref. No. NFC/Adm/22/13(2)/2.—The Officer-on-Special Duty, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri J. Suryanarayana Rao, Assistant Accountant, as Assistant Accounts Officer, in an officiating capacity, in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, for a period from 1st January 1975 to 30th June 1975 or until further orders whichever is earlier.

S. P. MHATRE,
Senior Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 10th December 1974

No. A. 32013/10/73-ES.—The President is pleased to appoint Shri D. P. Bhardwaj Senior Aircraft Inspector, Office of the Director General of Civil Aviation, New Delhi to officiate as Controller of Aeronautical Inspection, with Headquarters at Calcutta, on regular basis with effect from the 16th November 1974 until further orders.

H. L. KOHLI,
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 11th December 1974

No. A-32013/8/74-EC.—The President is pleased to appoint Shri N. C. Nath, Assistant Director (Communication) to officiate as Deputy Director (Communication) in the Civil Aviation Department New Delhi (Headquarters) with effect from the 30th November 1974 (F.N.).

The 31st December 1974

No. A.32013/8/74-EC.—The President is pleased to appoint Shri G. Govindaswamy, Controller of Communication Bombay Region, Santacruz Airport, Bombay, on return from leave to officiate as Assistant Director of Communication in the Civil Aviation Department New Delhi (Headquarters) with effect from the 9th December 1974 (forenoon).

H. L. KOHLI,
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 16th December 1974

No. 16/167/69-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to confirm the following officers in the permanent posts of Assistant Lecturer in Engineering and Surveying from the dates noted against each:

- (1) Shri P. N. Doraiswamy, S.F.R.C., Coimbatore—
With effect from 5-11-69.
- (2) Shri R. N. Nandi N.F.R.C., Dehra Dun—With
effect from 1-7-70.

P. R. K. BHATNAGAR,
Deputy Registrar,

COLLECTORATE OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

Allahabad, the 7th January 1975

No. 9/1975—Shri Sant Bahadur Singh, officiating Office Superintendent, previously posted in the Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad and appointed to officiate as Administrative Officer of Central Excise, until further orders, in the scale of Rs. 650—30—740—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, assumed charge as Administrative Officer of Central Excise in the Integrated Divisional Office, Moradabad, on 6-6-1974 (Afternoon) against a post temporarily diverted from Kanpur Collectorate from 6-6-1974 to 31-7-1974, vide Ministry's letter F. No. A. 11013/E/182/74-Ad.IV dated 27-11-1974.

H. B. DASS,
Collector

Patna, the 28th November 1974

C. No. II(7)1-ET/70/19499.—In pursuance of this office Estt. Order No. 270/74 dated 12th September 1974 appointing Sri Ghamanda Singh S. G. Inspector of Central Excise and Customs to officiate provisionally and on *Ad-hoc* basis as Superintendent of Central Excise and Customs Class II in the time scale of pay of Rs. 650—30—740—35—8'0—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- plus usual allowance as admissible under rules, Sri Ghamanda Singh assumed charge as Superintendent of Customs Raxaul in the forenoon of 11-10-1974.

H. N. SAHU,
Collector

Shillong, the 8th January 1975

No. 1/75.—Shri Nara Nath Bora, an officiating Office Superintendent, Customs and Central Excise, Shillong Collectorate was appointed to officiate as Administrative officer (Class II) Customs and Central Excise until further orders. Shri Nara Nath Bora assumed charge as Administrative officer, Customs and Central Excise Dibrugarh on 30-12-74 (F.N.).

H. R. SYTEM,
Collector

Madras-600034, the 14th November 1974

C. No. II/3/47/74-Estt.—Shri P. T. Narayanaswamy, Administrative Officer, Madras Central Excise Collectorate has retired from Service on superannuation with effect from

31-10-74 A.N.

C. CHIDAMBARAM,
Collector.

**DIRECTORATE OF INSPECTION CUSTOMS AND
CENTRAL EXCISE**

New Delhi, the 7th January 1975

No. 1/75.—Shri M. S. Deshpande, lately posted as Superintendent of Central Excise Class II in the Drawback Directorate of the Ministry of Finance, Department of Revenue & Insurance assumed charge as Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Class II in the D.I.C.C.E., New Delhi w.e.f. the 1st January 1975.

The 9th January 1975

No. 2/75.—Shri J. M. Roy, lately posted as C.A.O. in the Calcutta and Orissa Central Excise Collectorate, Calcutta assumed charge as Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Class II in the East Regional Unit of this Directorate at Calcutta w.e.f. the 18th December 1974.

B. S. CHAWLA,
Director of Inspection

Bombay-400038, the 9th December 1974

CUSTOMS

No. 10.—Shri B. K. Kale, Permanent Appraiser, Bombay Custom House, retired from service with effect from 30-11-1974 (AN).

B. B. GUJRAL,
Collector of Customs

**CENTRAL BUREAU OF NARCOTICS
NARCOTICS DEPARTMENT
OFFICE OF THE NARCOTICS COMMISSIONER**

Gwalior-6, the 21st December 1974

No. 22.—Shri R. V. Kothare, Superintendent of Central Excise; Class II, who was posted as District Opium Officer Mandsaur-I (now transferred to Bombay Central Excise Collectorate), is allowed to cross the efficiency bar at the stage of Rs. 1000/- in the revised scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the 1st January 1974.

ABHILASH SHANKER,
Narcotics Commissioner

**MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT
DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING**

Bombay, the 1975

Admission to the T. S. "Rajendra and the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta/Bombay for the academic year 1975.

A combined written examination will be held on 22nd and 23rd May, 1975, for admission to the Navigation and Marine Engineering Courses in the abovementioned institutions at the following centres subject to sufficient number of candidates being available at each centre :

EXAMINATION CENTRES

- (1) Ahmedabad
- (2) Bangalore
- (3) Bhopal
- (4) Bombay.
- (5) Calcutta
- (6) Chandigarh
- (7) Cuttack
- (8) Delhi

- (9) Ernakulam
- (10) Gauhati
- (11) Hyderabad
- (12) Jaipur
- (13) Lucknow
- (14) Madras
- (15) Nagpur
- (16) Patna
- (17) Port Blair
- (18) Srinagar
- (19) Trivandrum and
- (20) Visakhapatnam.

Subjects for the examination will be (i) English (One paper) 3 hours—100 marks, (ii) Mathematics (One paper) 3 hours—100 marks, (iii) Physics (One paper) 3 hours—100 marks, (iv) Chemistry (One paper) 1½ hours—50 marks, (v) General Knowledge (One paper) 1½ hours—50 marks. On the basis of the result of the Entrance Examination, candidates will be called for a medical examination and an interview before the Selection Board at Calcutta/Bombay. The candidates will have to bear the travelling expenses and to arrange for the boarding and lodging at the centres of the examination and interview.

Fifteen percent of the seats are reserved for candidates belonging to Scheduled Caste and five percent for Scheduled Tribes provided suitable candidates are available.

AGE LIMIT

Candidates must be within the age limit of 16 to 19 years on the 1st September, 1975, i.e., born between the 2nd September 1956 and 1st September 1959. Candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes must be within the age limit of 16 to 20 years on the 1st of September 1975 i.e. born between the 2nd September 1955 and 1st September 1959. Age limits will in no case be relaxed.

QUALIFICATION FOR ADMISSION

Candidates must have passed the Higher Secondary Examination/Pre-University Examination or its equivalent of a recognised Board of Secondary Education or a University in the Science stream with **physics, Chemistry and Mathematics** as elective subjects. The candidates who have appeared or intend to appear at the above mentioned qualifying examination are also eligible to apply for admission subject to their producing documentary proof of having passed the examination not later than 10th July, 1975.

APPLICATION

Application forms and other instructions are available free of cost from the Assistant Director General of Shipping (Training) on submitting an application in writing, enclosing a self-addressed envelope 23 cms. by 10 cms. with 25 paise postal stamps and words "**Book-Post**" superscribed on it. Complete postal address in **Capital Letters** should be given both in the application and the self-addressed envelope. Cover containing the application for supply of application form should bear the words "**Request for Rajendra/DMET Application Form**" on the top left corner of the envelope.

PROSPECTUS

Prospectus containing full particulars of the two courses and details of fees, scholarships, etc., is obtainable from Asstt. Director General of Shipping (Training) on payment of Rs. 2/- by Crossed Indian Postal Order payable to the Director General of Shipping, Bombay-1. Separate application should be made for supply of prospectus with complete postal address in capital letters. Cover containing the application for supply of prospectus should bear the words "Request for Prospectus" on the top left hand corner.

CLOSING DATE

Applications in the prescribed form completed in all respects from unmarried male candidates should reach the Assistant Director General of Shipping (Training) on or before the 31st March, 1975. Applications received after the due date will not be considered. Supply of blank application forms by post will be closed on 24th March 1975.

N. K. PRASAD,
Asstt. Director General of Shipping,
for Dy. Director General of Shipping.

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF

New Delhi, the 9th January 1975

No. 27/24/74-Admn.IV.—The Engineer-in-Chief is pleased to appoint Shri S. Shiv Kumar as Assistant Architect in a temporary and officiating capacity in the Central P.W.D. on the pay of Rs. 650/- p.m. in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 (plus usual allowances) with effect from 18-12-1974 F.N. on the terms and conditions of service as enumerated in this office letter No. 33/9/73-Admn.IV dated 17th/18th December, 1974.

(Sd.) ILLEGIBLE
Dy. Director of Administration

New Delhi, the 31st December 1974

No. 5/3/74-ECI.—The President is pleased to appoint the following candidates on the results of Engineering Services Examination, held in 1973 on probation to the Central Engineering Service Class I, in the Central P.W.D. against temporary posts of Assistant Executive Engineers (Civil) with effect from the dates noted against each :—

1. Shri M. K. Goel
formerly Asstt. Engineer
Central Designs Organisation,
CPWD, New Delhi. 20-11-74 (AN).
2. Shri R. D. Aggarwal,
formerly A.S.W.
Office of Works (II) CPWD,
New Delhi. 21-11-74 (F.N.).
3. Shri K. T. Sambandam,
formerly A.S.W.,
Madras Central Circle, PWD,
Madras. 25-11-74 (F.N.).

4. Shri V. K. Sharma,
formerly Asstt. Eng. CPWD,
Central Designs Organisation,
New Delhi. 13-12-74 (F.N.).

P. S. PARWANI,
Dy. Director of Administration.

CENTRAL WATER AND POWER COMMISSION
(POWER WING)

New Delhi-110022, the 14th October 1974

No. 6/3/74-Adm. II (PW) Vol. II.—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints the following Technical Assistant/Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of Central Power Engineering Class II Service with effect from the dates shown against their names, until further orders :—

1. Shri Mohan Lal S. Rajani—13-9-74 (F.N.).
2. Shri H. C. Seth—12-9-74 (F.N.).
3. Shri G. Suryanarayan—16-9-74 (F.N.).
4. Shri V. K. Arora—12-9-74 (F.N.).
5. Shri D. M. Wadhwa—12-9-74 (F.N.).
6. Shri Jagat Prakash—12-9-74 (F.N.).
7. Shri Mukul Banerjee—16-9-74 (F.N.).
8. Shri Jagdish Singh—24-9-74 (F.N.).
9. Shri P. D. Goyal—13-9-74 (F.N.).
10. Shri Sri Kumaran Nayar—24-9-74 (F.N.).

The 26th November 1974

No. 6/3/74-Adm.II(PW) (Vol.II).—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints the following Technical Assistant/Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of Central Power Engineering Class II Service with effect from the dates shown against their names, until further orders :—

1. Shri Bhoj Raj—14-10-1974.
2. Shri D. P. Bhasin—7-10-1974.

M. S. PATHAK,
Under Secy.
for Chairman.

New Delhi-110022, the 17th December 1974

No. 6/3/74-Adm.II(PW) (Vol.II).—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri M. K. Jain, Technical Assistant to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Class-II) Service with effect from the forenoon of the 31st October, 1974, till further orders.

M. S. PATHAK,
Under Secy.

(WATER WING)

New Delhi-22, the 6th January 1975

No. A-12017/1/72-Adm.V.—In continuation of this Commission's Notification No. A-12017/1/72-Adm.V, dated the 3rd Oct., 1974, the Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri T. P. Yegnan to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Mathematics Group) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, on a purely temporary and ad hoc basis, for a period from 1-1-75 to 28-2-75 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The 7th January 1975

No. A-19012/418/73-Adm.V.—Consequent upon his selection by the Union Public Service Commission, the Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri Hari Chand Gandhi to the post of Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry Group) in the Poona Gauging Division of the Central Gauging Circle, Central Water and Power Commission, Poona, with effect from the forenoon of the 4th December, 1974.

Shri Hari Chand will be on probation for a period of two years with effect from the same date and time viz. 4-12-74. (Forenoon).

No. A-19012/432/73-Adm.V.—Consequent upon the acceptance of his resignation by the Chairman, Central Water and Power Commission Dr. G. L. Dwivedi relinquished charge of the office of Assistant Research Officer (Scientific-Physics Group), Central Water and Power Research Station, Poona, C.W. & P.C. (WW), with effect from the afternoon of the 10th December, 1974.

The 9th January 1975

No. A-19012/523/74-Adm.V.—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri G. S. Saini, Professional Assistant to officiate as an Extra Assistant Director (Forestry) in the Central Water and Power Commission on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 25-11-74 (F.N.) until further orders.

Shri G. S. Saini took over charge of the office of Extra Assistant Director (Forestry) in the Central Water and Power Commission (Water Wing) with effect from the above date and time.

K. P. B. MENON,
Under Secy.
for Chairman, C.W. & P. Commission.

SOUTH EASTERN RAILWAY
(GENERAL MANAGER'S OFFICE)

Calcutta-700042, the 31st December 1974

No. P/G/14/300C.—Shri Ch. V. K. Sreeramamurthy is confirmed as Assistant Controller of Stores (Class II) with effect from 2nd October, 1969 in the Stores Department.

V. RAMANATHAN,
General Manager.

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY

GENERAL MANAGER'S OFFICE

(Personnel Branch)

Pandua, the 7th January 1975

1. E/283/III/128 PIII(O).—Shri R. N. Ghosh Dastider, Asstt. Electrical Engineer (Class II) is appointed to officiate in senior scale purely on ad hoc measure as Divisional Electrical Engineer w.e.f. 5-11-74.

2. E/283/III/133 PIV(O).—Shri C. R. Mukherjee, CTCI (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on ad hoc measure as Asstt. Tele-comm. Engineer w.e.f. 19-11-74.

3. E/283/III/133 PIV(O).—Shri A. K. Sen, Asstt. Tele-comm. Engineer (Class II) is appointed to officiate in senior scale as Divisional Signal & Tele-comm. Engineer w.e.f. 21-11-74.

M. R. REDDY,
General Manager.

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Maharaja Sree Jitendra Narayan Club Limited

Calcutta, the 26th December 1974

No. 19591/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of the three months from the date hereof the name of the Maharaja Sree Jitendra Narayana Club Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Bhattacharjee Traders Private Limited

Calcutta, the 26th December 1974

No. 21697/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of the three months from the date hereof the name of the Bhattacharjee Traders Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Bhai Wadhara Singh & Sons Private Limited

Calcutta, the 26th December 1974

No. 21823/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of the three months from the date hereof the name of the Bhai Wadhara Singh & Sons Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Durga Engineering Works Private Limited

Calcutta, the 26th December 1974

No. 23747/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of the three months from the date hereof the name of the Durga Engineering Works Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Nikunja Printing Works Private Limited

Calcutta, the 26th December 1974

No. 27193/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of the three months from the date hereof the name of the Nikunja Printing Works Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Barasat Tools Factory Private Limited

Calcutta, the 2nd January 1975

No. 27051/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Barasat Tools Factory Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Pioneer Motors of India Private Limited

Calcutta, the 2nd January 1975

No. 24442/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Pioneer Motors of India Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Mithisons Private Limited

Calcutta, the 2nd January 1975

No. 24329/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Mithisons Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Eastern Entrepreneurs Private Limited

Calcutta, the 2nd January 1975

No. 18881/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Eastern Entrepreneurs Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Diamond Power Speciality Private Limited

Calcutta, the 2nd January 1975

No. 26773/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Diamond Power Speciality Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

N. R. SIRCAR,
Nagaland, Arunachal Pradesh & Mizoram
West Bengal

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. R. S. Sundaram Chit Fund Private Limited

Tamil Nadu, the 1975

No. DN/5694/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. R. S. Sundaram Chit Fund Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

S. SRINIVASAN
Assistant Registrar of Companies
Tamil Nadu

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Assam Printers and Publishers Limited

Shillong, the 6th December 1974

No. 210/560/3929.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Assam Printers and Publishers Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. VASHISTHA,
Registrar of Companies,
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura,
Nagaland, Arunachal Pradesh & Mizoram
Shillong

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
The Dhubri Loan Office Limited

Shillong, the 6th December 1974

No. 187/560/4401.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the expiration of three months from the date hereof, the name of The Dhubri Loan Office Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. P. VASHISTHA,
Registrar of Companies,
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura,
Nagaland, Arunachal Pradesh & Mizoram
Shillong

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Manipur State Bank Limited

Shillong, the 7th January 1975

No. 1110/560/4432.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of Manipur State Bank Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. VASHISTHA,
Registrar of Companies,
Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura,
Nagaland, Arunachal Pradesh & Mizoram
Shillong

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES
*In the matter of Companies Act, 1956
and of Tirhut Financing Corporation Private Limited.*

Patna, the 31st December 1974

No. 6(677)73-74/4166.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Tirhut Financing Corporation Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies,
Bihar Patna.

*In the matter of Companies Act, 1956
and of M/s. M. Ambaidas and Sons Traders Private Limited*

Gujarat, the 13th December 1974

No. 1819/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. M. Ambaidas and Sons Traders Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956
and of M/s. Marsden Processors Ltd.*

Gujarat, the 18th December 1974

No. 1110/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Marsden Processors Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956
and of M/s. Super Jyoti Benefit Private Ltd.*

Gujarat, the 21st December 1974

No. 1845/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s Super Jyoti Benefit Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. G. GATHA
Registrar of Companies,
Gujarat

*In the matter of Companies Act, 1956
and of Epic Enterprises Private Limited*

Delhi & Haryana, the 19th December 1974

No. 4708/19688.—Notice is hereby given pursuant to sub section(3) of section 560 of the Companies

Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Epic Enterprises Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

C. KAPOOR
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956
and of Alico Laboratories Private Limited*

Hyderabad-1, the 17th December 1974

No. 983/T.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Alico Laboratories Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

O. P. JAIN
Registrar of Companies,
Andhra Pradesh

*In the matter of Companies Act, 1956
and of M/s. Shree Jagat Priya Saving Fund Private Ltd.*

Bombay, the 4th December 1974

No.13415/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section(3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Shree Jagatpriya Saving Fund Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956
and of M/s. Ramesh Chandra Satish Kumar
and Co. Private Limited.*

Bombay, the 4th December 1974

No. 13650/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section(3) of section 560 of the Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Ramesh Chandra Satish Kumar and Co. Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956
and of M/s. Unique Machinery Co. Pvt. Ltd.*

Bombay, the 4th December 1974

No. 14902/1560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Unique Machinery Co. Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956
and of M/s. Chemical and Refrigeration equipment
Mfg Co. Private Limited.*

Bombay, 4th December 1974

No. 14123/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section(3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Chemical and Refrigeration equipment Mfg. Co. Pvt. Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN
Addl. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay.

*In the matter of the Companies Act, 1956
and of Chidambaram Textiles Private
Limited*

Madras, the 1974

No. DN, 426/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560() of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hercof the name of Chidambaram Textiles Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Nagummai Cotton Mills Private Limited*

Madras, the 1975

No. DN/6158/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560() of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Nagummai Cotton Mills Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Vishram Electricals and Equipment Company Private
Limited*

Madras, the 1975

No. DN/5978/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560() of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Vishram Electricals and Equipment Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Sundra Raja Bus Transports Private Limited*

Madras, the 1975

No. DN/6003/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560() of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sundara Raja Bus Transports Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

S. SRINIVASAN
Assistant Registrar of Companies
Tamilnadu

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Sree Narayana Industrial & Trading Corporation Limited,
Tellicherry*

Ernakulam, the 12th December 1974

No. 1655/Liq/560/18717/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the expiration of three months from the date hereof the name of Sree Narayana Industrial & Trading Corporation Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Valayil Plantations Limited, Kottayam*

Ernakulam, the 12th December 1974

No. 2351/Liq/560/1879/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the expiration of three months from the date hereof the name of Valayil Plantations Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. S. ANWAR
Registrar of Companies
Kerala

*In the matter of Companies Act, 1956
And*

In the matter of the Rupee Association Private Limited

Bangalore, the 26th December 1974

No. Liqn/1330/74.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that an order for winding up of the above named company was made by the Honourable High Court of Karnataka at Bangalore on 6-9-74 and the Official Liquidator attached to the High Court of Karnataka has been appointed as the Liquidator of the Company.

PROBODH
Registrar of Companies
Karnataka, Bangalore

COLLECTORATE OF CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

Patna, the 6th January 1975

No. I.T.XIII-2/69.—In partial modification of this office notification no. I.T. XIII-2/69/7291-7429 dated, the 24th April, 1972 and in exercise of the powers conferred under Sub-section (2) of section 124 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) the Commissioner of Income-tax, Bihar-I, Patna hereby orders that with effect from 8-1-1975 the Income-tax officer, Arrah and Additional Income-tax officer, Arrah shall exercise and hold concurrent jurisdiction in respect of the assessee of I.T. Circle, Arrah.

JAGDISH CHAND
Commissioner of Income-tax,
Bihar-I Patna.

Patna, the 17th December 1974

No. I.T. XIII-3/71.—In partial modification of this office notification of even no. dated the 4th January, 1973 and no. I.T. XIII-4/58-59 dated, the 17th April 1972 and in exercise of the powers conferred under Sub-section (1) Section 124 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961), the Commissioner of Income-tax, Bihar-II, Patna hereby orders that with effect from 23-12-1974 the Income-tax Officer (Survey) Monghyr shall also perform all functions in respect of all persons or classes of person within the Sadar and Jamui Sub-divisions of the revenue district of Monghyr, who have not hitherto been assessed, in respect of all assessments for and upto the assessment year, 1974-75, excluding the Govt. Salary cases.

No. I.T. XIII-3/71.—In partial modification of this office notification of even no. dated the 4th January, 1973 and no. I.T. XIII-12/59-60 dated, the 27th July, 1974 and the 3rd August, 1974 and in exercise of the powers conferred under Sub-Section (1) of Section 124 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961), the Commissioner of Income-tax Bihar-II, Patna hereby orders that with effect from 23-12-1974, the Income-tax officer, (Survey), Muzaffarpur shall also perform all functions in respect of all persons or classes of persons within the revenue districts of Muzaffarpur, Sitamarhi and Vaishali who have not hitherto been assessed in respect of all assessments for and upto the assessment year 1974-75 excluding the Govt. Salary cases assigned to Income-tax Officer, Ward-A, Muzaffarpur.

A. K. DAS GUPTA,
Commissioner of Income-tax,
Bihar-II, Patna

Bombay, the 13th December 1974

No. 1202.—In exercise of the powers conferred by the sub-section (2) of the Section 117 of the Act, 1961 (Act 43 of 1961), I, Shri B. S. Nadkarni, Commissioner of Income-tax, Bombay City-I, Bombay, have appointed the undermentioned Inspectors of Income tax to officiate as Income-tax Officers, Class-II with effect from the date shown against their names and until further orders :—

1. Shri S. M. Gore, Inspector, BSD(W), Bombay—28-11-74 FN.

2. Shri R. R. Gavit, Inspector, Central, Bombay—27-11-74 FN.

3. Shri D. M. Mirchandani, Inspector, Film Circle, Bombay—27-11-74 FN.

4. Shri K. V. Nair, Inspector, ITO (Hqrs) VII, Bombay—28-11-74 FN.

5. Shri M. A. Chougule, Inspector, High Court Section, CIT's Office, Bombay 28-11-74 FN.

6. Shri M. P. Nair, Inspector, C-III Ward, Bombay—5-12-74 FN.

2. They will be on probation for a period of two years in terms of letter F. No. 22/3/64-Ad.V, dated 25-4-64 from the Government of India Ministry of Finance (Dept. of Revenue), New Delhi. The period of probation may, if necessary, be extended beyond the above period. Their confirmation and/or retention in the post will depend upon successful completion of the probationary period.

3. Their appointments are made on a purely temporary and provisional basis and liable to termination at any time without notice

B. S. NADKARNI,
Commissioner of Income-tax,
Bombay City-I, Bombay.

Bombay, the 20th November, 1974

No. 1159.—It is hereby notified with regret that Shri M. A. Vaswani an Officer of the Indian Income-tax Service, Class-II lately posted as Income-tax Officer (Colln.), A-Ward, Section-I, Bombay expired on 10th November, 1974.

S. N. SASTRI,
Commissioner of Income-tax,
Bombay City-III, Bombay.

New Delhi, the 31st December 1974

INCOME-TAX ESTABLISHMENT

Subject :—Establishment—Gazetted—Income-tax Officers
(Class II-Direct Recruits)—Confirmation of.

No. Est.I/CIT(I)/DPG(Class II)/Confirmation/74-75/9972.
—Shri Ram Singh is appointed substantively to the permanent post of Income-tax Officer, Class II, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the 19th September, 1973.

The date of confirmation is subject to modification at a later stage if found necessary.

The 1st January 1975

INCOMETAX

No. JUR-DLJ-I/74-75/152/16683.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the I.T. Act 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi I, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Circle shall be created in Delhi I, New Delhi with effect from 30th December 1974.

“PSC VIII New Delhi”

AVTAR SINGH,
Commissioner of Income-tax, Delhi I,
New Delhi.

Bhubneswar, the 24th December 1974

No. Ad.I-1/PCC/74-75.—Upon being relieved from the Indian Revenue Services (Direct Taxes) Staff College Nagpur on 15th November, 1974, Shri P. C. Chhotaray, Income-tax Officer, Class-I (Probationer) posted as Income-tax Officer on Special Duty in the Income-tax Circle, Sambalpur is granted extension of joining time upto 26th November, 1974 AN, under the provision of S.R. 294 and 302(b).

2. Shri P. C. Chhotaray assumed charge of Income-tax Officer on Special Duty on the forenoon of 27th November, 1974.

M. W. A. KHAN,
Commissioner of Income-tax,
Orissa.

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st December 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1518/74-75.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 1503 of May, 1974 situated at V. Jalla Singh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur in May 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagir Singh s/o Arjan Singh s/o Dara Singh r/o Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Kapal Dutta Mahey s/o, Pt. Daulat Ram Mahey through Shri Jagdish Chander Adda Hoshiarpur, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above, so far as it is known to the undersigned. [Person(s) its occupation of the Property].
- (4) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may also file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1503 of May, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31st December 1974
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 31st December 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1519/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 1505 of May, 1974 situated at V. Jalla Singh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in April 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagir Singh Birk s/o Arjan Singh Birk, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Kapal Dutt Mahay s/o Pt. Daulat Ram through Shri Jagdish Chander Adda Hoshiarpur, Jullundur. (Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above, so far as it is known to the undersigned, [Person(s) in occupation of the Property].

- (4) No. knowledge of the persons interested in the property. However, any person interested in the property may also file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1505 of May, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31st December 1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE—AMRITSAR.

Amritsar, the 31st December 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1520/74-75.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 1274 of May, 1974 situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in May 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kul Bhushan s/o Nand Lal of NB 270 Dharam Vir, Narinder Dev Jagdish Mitter Avnash Chand, Pushpa Devki wd/o Dr. Nand Lal GA of Joginder Kumar, Nirmala Dutt ss/o Pt. Saran Dass of Raipur Gaho Teh. Dasua.

(Transferor)

- (2) Leader Engg.; Works, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above, so far as it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the Property]

- (4) No knowledge of the persons interested in the property. However, any person interested in the property may also file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1274 of May, 1974 of the Registering Authority, Jullundur

V. R. SAGAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31st December 1974

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR.

Amritsar, the 31st December 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1521/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 2297 of May, 1974 situated at Adampur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in May 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harbhajan Singh s/o Partap Singh s/o Ralla Singh r/o Adampur

(Transferor)

- (2) Preet P. Jace Adampur through S. Mohinder Paul Singh in front of Petrol Pump New Jawahar Nagar Jullundur

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2297 of May, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31st December 1974

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT, COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 31st December 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1522/74-75.—Whereas, L. V. R. Sagar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1382 of May, 1974 situated at Basti Sheikh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in May 1974, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such, apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or any other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Shri Karam Chand s/o Wariam Ram s/o Hira Ram. Nai Abadi, Ramdaspora H. No. 191 Jullundur Attorney of Shri Lachhman Singh s/o Raj Ram Singh of Chamba (H.P.)

(Transferor)

(2) Smt. Kishani Devi w/o Shri Karam Chand s/o Wariam Ram of Ramdaspora Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. So far as it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) No knowledge of the persons interested in the property. However, any person interested in the property may also file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1382 of May, 1974 of the Registering Authority, Jullundur

V. R. SAGAR.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31st December 1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
AMRITSAR.

Amritsar, the 31st December 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1523/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 2017 of May, 1974 situated at Mota Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in May 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of of evasion or the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harbans Singh s/o Shri Jawala Singh s/o Partap Singh GA Harbans Kaur w/o Harbans Singh, Jullundur.
(Transferor)

- (2) Shri Ravi Raj Singh Gill s/o Balwant Singh s/o Datar Singh V. Garah Teh. Jullundur.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. So far as it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) No knowledge of the persons interested in the property. However, any person interested in the property may also file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 760 Mota Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 2017 of May, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31st December 1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(D) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 31st December 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1524/74-75.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1444 of May, 1974 situated at Gopalpur Urf Bidhipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in May 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Baljinder Kaur w/o Tara Singh s/o Dana V & P.O. Madopur Teh. Phagwara. (Transferor)
- (2) M/s Monarch Rubber Industries through Shri Madan Gupta 99, Adarsh Nagar, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. So far as it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may also file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1444 of May, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar

Date : 31st December 1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st December 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1525/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1499 of May, 1974 situated at Nangal Salimpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in May 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Surinder Kaur d/o Raghbir Singh s/o Udham Singh of Fauji Road, Jullundur Cantt.

(Transferor)

- (2) Smt. Anant Kaur w/o Shri Sohan Singh Palwinder Kaur d/o Shri Kewal Singh, Kewal Singh s/o Shri Sohan Singh, Rachpat Singh s/o Kewal Singh of V. Reru Teh Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above, So far as it is known to the undersigned, [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1499 of May, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range,

Amritsar.

Date : 31st December 1974

Seal : —

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st December 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1526/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1890 of May, 1974 situated at Guru Nagar, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in May 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Charanjit Kaur w/o Shri Umrao Singh of Alawalpur.
(Transferor)
- (2) Shri Baldev Raj s/o Mela Ram s/o Daulat Ram of Dasuya District Hoshiarpur.
(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. So far as it is known to the undersigned. [Persons] in occupation of the Property]
- (4) No knowledge of person interested in the property. However, any person interested in the property may file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1890 of May, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st December 1974

Sd/-

FORM ITNS—

(2) Sarabjit Singh s/o Bhupinder Singh s/o Chana Singh,
Harjit Singh s/o Surinder Singh V. Bal Teh. &
District Jullundur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st December 1974

Ref No. ASR/JUL/AP-1527/74-75—Whereas I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1774 of May, 1974, situated at V. Ali Khel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in May 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Karam Singh Chela Babu Harnam Singh V
Jai Rampur Teh. & District Kapurthala.

(Transferor)

(3) As at S. No. above so for it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the property]

(4) No knowledge of the persons interested in the property. However, any person interested in the property may also file the objections.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in V. Ali Khel as mentioned in the Registered Deed No. 1774 of May, 1974 of the Registering Authority Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-12-1974
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, 31 December 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1528/74-75—Whereas I, V. R. Sagar

being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

I and as mentioned in the Registered Deed No. 1601 of May, 1974, situated at V. Ali Khel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundhr in May 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Sant Karam Singh chela Baba Harnam Singh V. Jairampur Teh. Kapurthala.

(Transferor)

(2) Paul Kaur w/o Surinder Singh
Bhajan Kaur w/o Shri Bhupinder Singh of V. Bal Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above, so far as it is known to the undersigned, [Person(s) in occupation of the Property]

(4) No knowledge of the persons interested in the property. However, any person interested in the property may also file the objections.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1601 of May, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-12-1974

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 31st December 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1529/74-75—Whereas I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1184 of May, 1974 situated at Nangul Salimpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in May 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transfer to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt Rajinder Kaur d/o Raghbir Singh s/o Udham Singh of Fauji Road, Jullundur Cantt.

(Transferor)

(2) Smt. Anant Kaur w/o Sohan Singh s/o Munsha Singh Palwinder Kaur d/o Shri Kewal Singh s/o Shri Sohan Singh, Kewal Singh s/o Shri Sohan Singh, Rachpal Singh s/o Kewal Singh s/o Shri Sohan Singh of V. Reru Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. above so for it is known to the undersigned. [person(s) in occupation of the property]

(4) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may file the objections.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned. —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby further notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to the notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every persons who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1184 of May, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31-12-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, 31 December 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1530/74-75—Whereas J. V. R. Sagar

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1188 of May, 1974, situated at Nangal Salimpur

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullundur in May 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Rajinder Kaur d/o Raghbir Singh s/o Udham Singh Fauji Road, Jullundur Cantt.
(Transferor)
- (2) Anant Kaur w/o Shri Sohan Singh s/o Munsha Singh Palwinder Kaur d/o Kewal Singh s/o Shri Sohan Singh s/o Munsha Singh Rachpal Singh s/o Kewal Singh s/o Sohan Singh Kewal Singh s/o Shri Sohan Singh s/o Munsha Singh V. Reru Teh. Jullundur.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above so far as it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land is mentioned in the Registered Deed No. 1188 of May, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-12-1974

Seal :

FORM ITNS—

(1) Surinder Kaur d/o Raghbir Singh s/o Udhām Singh
r/o Jullundur Cantt Fauji Road.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Anant Kaur w/o Sohan Singh, Palvinder Kaur d/o
Kewal Singh, Kewal Singh s/o Shri Sohan Singh
Rachpal Singh s/o Kewal Singh s/o Shri Sohan Singh
s/o Reru.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar 31 December 1974

(3) As at S. No. 2 above so far as it is known to the
undersigned. [Person(s) in occupation of the
Property](4) No knowledge of the person interested in the pro-
perty. However, any person interested in the
property may file the objections. [Person(s) whom
the undersigned knows to be interested in the
property]Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. ASR/JUL/AP-1531/74-75—Whereas J. V. R. Sagar being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1495 of May, 1974, situated at Nangal Salimpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in May 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1495 of May, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date 31-12-1974
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar 31 December 1974

Ref. No ASR/Phg/AP-1532/74-75—Whereas J. V. R. Sagar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 240 of May, 1974 situated at V. Bhagwanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in May, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mehar Singh s/o Dalip Singh V. & P.O. Rampur Sunra Teh. Phagwara.
(Transferor)

- (2) Ajit Singh s/o Beant Singh V. Bern Teh. Phagwara.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above so far as it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice therefore shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 240 of May, 1974 of the Registering Authority Jullundur.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-12-1974
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar 31 December 1974

Ref. No. ASR/NS/AP-1533/74-75—Whereas I, V. R. Sagar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 751 of May 1974 situated at Railway Road, Nawan Shehar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nawan Shehar May 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Ramesh Chander for self and GA of Dharambha s/o Maharaj r/o Nawan Shehar. (Transferor)
- (2) Sohan Singh s/o Kartar Singh r/o V. Urapur Teh. Nawan Shehar (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above so far as it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 751 of May 1974 of the Registering Authority, Nawan Shehar.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31-12-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar 31 December 1974

Ref. No. ASR/NS/AP-1534/74-75—Whereas J. V. R. Sagar

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 673 of May, 1974 situated at Railway Board, Nawan Shehar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Nawan Shehar in May 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Bipin Chander alias Bipin Chander Pal Harish Chander s/o Maharaj s/o gopi r/o Nawan Shehar. (Transferor)

- (2) Guimukh Singh s/o Kartar Singh V. Urapur Teh. Nawan Shehar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above so far as it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the property]

- (1) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may file the objections [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 673 of May, 1974 of the Registering Authority, Nawan Shehar.

V. R. SAGAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-12-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, 31 December 1974

Ref. No. ASR/AP-1535/74-75—Whereas J. V. R. Sagar being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/3 share of Kothi as mentioned in the Registered Deed No. 1710 of August, 1974 situated at 59 Hukam Singh Road, Amritsar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as between the transferor(s) and the transferee has been truly stated in the said instrument object of—

the reduction or evasion of the tax payable by the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of arising from the transfer; and/or

the concealment of any income or profits or other assets which have not been disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely,

- (1) The New Suraj Transport Co (P) Ltd, o/s Bandhi Gate Amritsar through Shri Baldev Krishnan, Chaudhary. (Transferor)
- (2) Amarjit Kaur w/o Shri Ajit Singh Baldev Kaur w/o Joginder Singh Hukam Singh Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above so far as it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2/3 share of Kothi No. 59 Hukam Singh Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1710 of August, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-12-1974

Seal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st December 1974

Ref. No. Asr/AP-1536/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property as mentioned in the Registered Deed No. 2976 of December, 1974 situated at H. No. 1285 & 897 in Dhab Khatikan, Amritsar, (and more

X-5 X-5
fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in December, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice

20—444GI/74

under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shubh W/o Kewal Krishan Kapoor,
R/O Dhab Khatikan, Amritsar. (Transferor)

(2) Sh. Ashok Kumar S/o Sh. Sataya Pal Seth,
Katra Charat Singh, Amritsar. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above so far as it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of house No. 1285 & 897 situated in Dhab Khatikan, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2976 of December, 1974 of the Registering Officer, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 31-12-1974.
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st December 1974

Ref. No. ASR/1537/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 2977 of December, 1974 situated at H., No. $\frac{1285}{x-5}$ & $\frac{897}{x-5}$ in Dhab Khatikan, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in December, 1974 consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Shubh W/o Kewal Kishan Kapoor,
R/O Dhab Khatikan, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Sh. Raman Kumar S/O Sh. Satya Pal
Katra Charat Singh, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above so far as it is known to the undersigned.
[Person(s) in occupation of the Property].
- (4) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may file the objections.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of house No. $\frac{1285}{x-5}$ & $\frac{897}{x-5}$ situated in Dhab Khatikan, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2977 of December, 1974 of the Registering Officer. Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 31-12-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st December 1974

Ref No. ASR/AP-1538/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 2978 of December, 1974 situated at H. No. 1285 & 897 in Dhab Khatikan, Amritsar, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in December, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Shubh W/o Kewal Krishan Kapoor,
R/O Dhab Khatikan, Amritsar. (Transferor)

(2) Smt. Swaran Lata W/O Sh. Satya Pal Seth,
Katra Charat Singh, Amritsar. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above so far as it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of house No. 1285 & 897 situated in Dhab Khatikan, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2978 of December, 1974 of the Registering Officer, Amritsar.

V. R. SAGAR.

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.
Amritsar.

Date : 31-12-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1539/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 631 of May, 1974, situated at V. Bajwara,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi in May 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagdish Ram Jerath S/o Late Chuni Lal Jerath A-330, Defence Colony, New Delhi-24.

(Transferor)

- (2) Shri Ram Lal, Gobind Ram & Sita Ram s/o Shri Ralla Ram, Mohalla Mori, Bahadurpur Teh. & District Hoshiarpur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above so far as it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) No knowledge of the person interested in the property. However, any interested person in the property may file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 631 of May, 1974 of the Registering Authority, Delhi.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 1-1-1975

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th January 1975

Ref. No. ASR/AP-1541/73-74.—Whereas I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 2340 of May, 1974 situated at Tung Pain, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in May 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ved Vyas s/o Anant Ram, Krishan Nagar, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Ram Lal s/o Ram Rakha Mal, Sharif Pura, Amritsar, Krishan Lal s/o Munshi Ram, Mewa Mandi, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above so far as it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2340 of May, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-1-1975
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th January 1975

Ref No. ASR/AP-1542/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 2336 of May, 1974 situated at Tung Pain, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in May 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ved Vyas s/o Anant Ram,
r/o Krishan Nagar, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Ram Lal s/o Ram Rakha Mal,
r/o Sharif Pura, Amritsar.
Krishan Lal s/o Munshi Ram,
Mewa Mandi, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above so far as it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2336 of May, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-1-1975
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 10th January 1975

Ref. No ASR/AP-1543/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1851 of May, 1974 situated at V. Khaper Kheri & Baserki (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Register Officer at Amritsar in May 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Gurbachan Kaur w/o Balwant Singh, V. Khaper Kheri Teh. Amritsar, at present Radha Swami Dera, Beas. (Transferor)
- (2) Jarnail Singh, Surjit Singh, Amarjit Singh ss/o Hardip Singh of Khaper Khera Teh. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above so far as it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1851 of May, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 10-1-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th January 1975

Ref. No. ASR/AP-1544/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No 1262 of May, 1974 situated at V. Bhail Dhal Wala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Taran Taran in May 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mohinder Singh s/o Shri Bhagat Singh, V. Bhail Dhal Wala Teh. Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Karan Singh s/o Thakar Singh, Ajit Singh, Atma Singh s/o Sadhu Singh, Mukhtiar Singh s/o Jhanda Singh, V. Bhail Dhal Wala (Amritsar).

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above so far as it is known to the undersigned. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) No knowledge of the person interested in the property. However, any person interested in the property may file the objections. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1262 of May, 1974 if the Registering Authority, Tarn Taran.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 10-1-1975
Seal:

FORM ITNS—

2 Shri Des Raj S/o Sh. Lakshmi Dass,
West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Krishan Dev S/o Sh. Salig Ram
Residence at H. No. 1033 Ward No. 6, near
Distillery, Sadar Bazar, Karnal.
Office address: Binay Emporium, G.T. Road,
Karnal.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
156 SECTOR 9-B CHANDIGARH

Chandigarh, the 8th November 1974

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the
objections if any, made in response to this notice against the
acquisition of the immovable property will be fixed and notice
thereof shall be given to every person who has made such
objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom
notice is given under the preceding paragraph shall have a
right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXXA of the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 48, Jarnailly Colony, Opposite Civil Hospital,
on Hospital Road Karnal.

(Plot No. 48 bounded by the Hospital Road towards North
having Hospital on the other side of the road. Plot No. 46
of Shri R. S. Sethi With newly constructed shops towards
West, on its back towards South is Plot No. 50 of Shri
B. S. Bhatia and house of Shri K. D. Sharma at Plot No.
51, Plot No. 52 of Shri M. L. Gambhir is towards East)

Ref No KNL/28/74-75. Whereas, I G. P. Singh,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-Tax Act,
1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000 and bearing
Plot No. 48 Jarnailly Colony situate at Opposite Civil
Hospital, Karnal,
(and more fully described in the Scheduled annexed
hereto), has been transferred as per deed registered under
the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at Karnal in May, 1974
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Income Tax
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income
arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or
the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the
acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter
XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been
recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid prop-
erty by the issue of this notice under sub-section (1) of
section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to
the following persons, namely:—

- (1) Shri Manohar Lal Gambhir, Advocate,
Karnal, District Courts, Karnal.

Date: 8-11-1974
Seal:

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

FORM ITNS—

(1) Smt Rachhpal Kaur D/o Sh. Bhagwant Singh,
485, Ajit Nagar, Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Basant Singh S/o Sh. Boota Singh of village
and post office Jandiala Tehsil Garshankar, Distt
Hoshiarpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 8th November 1974

No. CHD/107/74-75.—Whereas, I G. P. Singh,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25 000/- and bearing No
S.C.F. No. 18 Sector 26 situated at Chandigarh
(and more fully described in the Schedule Annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering Officer at Chandigarh in May, 1974.for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income
arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the
acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded
by meNow, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property
by the issue of this notice under sub-section (1) of section
269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the
following persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.It is hereby notified that a date and place for hearing
the objections, if any, made in response to this notice
against the acquisition of the immovable property will
be fixed, and notice thereof shall be given to every per-
son who has made such objection, and the transferee of
the property.It is hereby further notified that every person to whom
notice is given under the preceding paragraph shall have a
right to be heard at the hearing of the objections.EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the Income-tax Act, 1961
(43 of 1961) shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.C.F. No. 18, Sector 26, Grain Market, Chandigarh.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range,
Chandigarh.Date : 8-11-1974
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
156 SECTOR 9-B CHANDIGARH

Chandigarh the 11th November 1974

No. CHD/113/74-75 --Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 3061 Sector 21-D situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh in May, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Shri Amrit Pal Aggarwal S/o Shri Kundan Lal
C/o, 33-F, Kamla Nagar, New Delhi-7.
(Transferor)

(2) Shri Surinder Nath Sood,
S/o Shri Kunwar Lal Sood.
R/o 94 Sector 21-A, Chandigarh
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3061 Sector 21-D, Chandigarh.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 11-11-1974
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 15th November 1974

No. CHD/125/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe, that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing H. No. 53, Sector 21-A, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the Acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shanti Sarup Abbu, s/o Shri Puran Chand Abbu, 53, Sector 21-A, Chandigarh.
(Transferor)

- (2) 1. Shri Kundan Singh, s/o Shri Battan Singh,
2. Shri Gurnam Singh, Shri Gurmail Singh s/o Shri Kundan Singh, Residents of Village Pidhi Jagir, District Jullundur.
(Transferee)

- (a) As at S. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property].

- (4) Any person interested in the property [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 53, Sector 21-A, Chandigarh.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 15-11-1974.
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 136, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 15th November 1974

No. LDH/C/188/73-74.—Whereas, I, G. P. Singh Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Barewal Awana, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. Vidya Vati Alias Vidya B. Pritam Singh Wd/o Brig. Pritam Singh R/o Delhi. (2) Smt. Chand, D/o Bakhshi Pritam Singh, W/o S. Ujjal Singh, R/o, New Delhi (3) Smt. Manjit Kaur, Alias Manjit Sodhi, D/o Bakhshi Pritam Singh, W/o Col. G. S. Sodhi, Administrative Officer, Ambala Cantt. through Maj Avtar Singh, Mukhti-ar-am.

(Transferor)

(2) Shri Nachhtar Singh, Shri Surjit Singh and Shri Daljit Singh sons of Shri Jagir Singh S/o Shri Hazara Singh, R/o, Fatehpur Awana, Tehsil Ludhiana.

(Transferee)

[Person(s) in occupation of the property]
[Person(s) whom the undersigned nows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land, measuring 3 bighas 16 biswas, Khewat No. 346, Khatauni No. 358, Khasra No. 285, situated at Village Barewal Awana, Tehsil and District Ludhiana.

G. P. SINGH,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 15-11-1974

Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Bhag Singh, s/o Shri Hari Singh, Kara Bata, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) New India Colonisers, 55-Bhaddau House, Ludhiana, through Shri Bal Krishan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE CHANDIGARH

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Chandigarh, the 15th November 1974

No LDH/C/355/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 and, situated at Taraf Kara Bata, Teh Ludhiana (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 8 kanals, Khewat No 1164/1265, Killa Nos. 13 242, 13 171, situated at Taraf Kara Bata, Tehsil and District Ludhiana

G. P. SINGH,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range, Chandigarh

Date, 15-11-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 156
SECTOR 9-B CHANDIGARH

Chandigarh the 24th December 1974

No LDH/C/446/74 75—Whereas, I, G P Singh, Commissioner of Income tax, Acquisition Range 156, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No Land, situated at Village Habowal Kalan Tehsil & Distt Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922), or the Income tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

(1) Shri Saranjit Singh, and Shri Amarjit Singh sons of Shri Hua Singh Residents of Habowal Kalan, Tehsil & District Ludhiana

(Transferor)

(2) Smt Ijawanti w/o Shri Daulat Ram, son of Shri Jiwan Dass Resident of Tagore Nagar, Ludhiana

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby further notified that every person to whom the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanals situated in Village Habowal Kalan Tehsil and District Ludhiana

Khata No 547 599

Khata No 36/19 Min Jamabandi 1971-72,

(Property as mentioned in the Registered Deed No 1601 of Jun 1974 of the Registering Authority, Ludhiana)

G P SINGH,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income Tax Acquisition Range Chandigarh

Date 24.12.1974

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,
156, SECTOR 9-B,
CHANDIGARH.

Chandigarh, the 24th December 1974

No. LDH/C/447/74-75.—Whereas, I, **G. P. Singh**, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Village Habowal Kalan, Teh. & Distt. Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Saranjit Singh and Shri Amarjit Singh sons of Shri Hira Singh, Residents of Habowal Kalan, Tehsil & District Ludhiana,

(Transferor)

- (2) Smt. Surinder Kumari, w/o Shri Krishan Lal, s/o Shri Daulat Ram, Resident of Tagore Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof, shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanal 8 marlas situated at Habowal Kalan, Tehsil and District Ludhiana.

Khata No. 457/599,

Khasra No. 36/16-Min., Jamabandi 1971-72.

(Property mentioned in the Registered Deed No. 1602 of June 1974 of the Registering Authority, Ludhiana).

G. P. SINGH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 24-12-1974

Seal :

FORM ITNS-- --

(2) Shri Sunder Lal s/o Shri Daulat Ram Resident of
Lahore Napat, Ludhiana

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS
SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE
156 SECTOR 9-B CHANDIGARH

Chandigarh the 24th December 1974

No LDH/C/448/74-75—Whereas 1. G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Village Habowal Kalan, Tehsil & Distt Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Saranjit Singh and Shri Amarjit Singh sons of Shri Hira Singh, Resident of Habowal Kalan, Tehsil & District Ludhiana

(Transferor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanal situated at Village Habowal Kalan Tehsil and District Ludhiana

Khata No. 547/599.

Khusra No 36/17-Min Jamabandi 1971-72.

(Property as mentioned in the Registered Deed No 1603 of June 1974 of the Registering Authority Ludhiana)

G. P. SINGH.

Competent Authority

Inspecting Asstt Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date 24-12-1974

Seal

FORM ITNS—

(1) Shri Saranjit Singh and Shri Amarjit Singh sons of Shri Hira Singh, Resident of Habowal Kalan, Tehsil & District Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH.

(2) Smt. Lajwanti, w/o Shri Daulat Ram, son of Shri Jiwan Dass, Resident of Tagore Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Chandigarh, the 24th December 1974

No. LDH/C/499/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Land, situated at Village Habowal Kalan, Tehsil & District Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanal situated at Village Habowal Kalan, Tehsil and District Ludhiana.
Khata No. 547/399,
Khasra No. 36/17-Min (1-3) 18/1-Min (1-12) 19-Min (1-5) Jamabandi 1971-72.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1604 of June 1974 of the Registering Authority, Ludhiana).

G. P. SINGH,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 24-12-1974

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTIONS 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE.

156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 27th December 1974

No HSR. 25/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land, situated at Village Satrod Khas, Teh. & District Hissar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in May, 1974

Hissar in May, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Gauri Ram and Shri Teju Ram, sons of Shri Jot Ram Jat, Village and Post Office Satrod Khas, Tehsil & District Hissar.

(Transferor)

(2) The Principal Officer, M/s Janak Steel Tubes Private Limited, Delhi Road, Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 1/3rd share out of 48 kanals 9 marlas comprising in Khasta Nos 167/10 11, 12, 13, 18/2, 19, 22, 23/1 area transferred amounting to 16 kanals 3 marlas, situated at Village Satrod Khas, Tehsil & District Hissar,

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 319 of May 1974 of the Registering Authority, Hissar).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Chandigarh

Date : 27-12-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) The Principal Officer, M/s Janak Steel Tubes Private Limited, Delhi Road, Hissar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,
156 SECTOR 9-B, CHANDIGARH.

Chandigarh, the 27th December 1974

No. HSR/36/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land, situated at Village Satrod Khas, Teh. & District Hissar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in May 1974,

Hissar in May, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely

(1) Shri Gram Ram, and Shri Teju Ram, sons of Shri Jot Ram Jat, Village and Post Office Satrod Khas, Tehsil & District Hissar

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 1/3rd share out of 48 kanals 9 marlas comprising in Khasra Nos. 167/10, 11, 12, 13, 18/2, 19, 22, 23/1 area transferred amounting to 16 kanals 3 marlas, situated at Village Satrod Khas, Tehsil & District Hissar.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 320 of May 1974 of the Registering Authority, Hissar).

G. P. SINGH,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range Chandigarh

Date, 27-12-1974

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gian Ram and Shri Feju Ram, sons of Shri Jot Ram Jat, Village and Post Office Satrod Khas, Tehsil and District Hissar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) The Principal Officer, M/s Janak Steel Tubes Private Limited Delhi Road Hissar

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Chandigarh, the 27th December 1974

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. HSR/37/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. Agricultural land, situated at Village Satrod Khas, Teh. & District Hissar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in May, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land 1/3rd share out of 48 kanals 9 marlas comprising in Khastia No 167/10, 11, 12, 13, 18/2, 19, 22, 23/1 area transferred amounting to 16 kanals 3 marlas, situated at Village Satrod Khas, Tehsil & District Hissar.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 321 of May 1974 of the Registering Authority, Hissar).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

G. P. SINGH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Date 27-12-1974

Seal :

FORM ITNS-----

(2) The Principal Officer, M/s Janak Steel Tubes Private Limited Delhi Road, Hissar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE CHANDIGARH

Chandigarh the 27th December 1974

No HSR/38/74-75.—Whereas, I. G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land, situated at Village Satrod Khas, Teh & District Hissar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in May, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And, whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Shri Jot Ram, s/o Shri Matu Jat, Village & Post Office Satrod Khas, Tehsil and District Hissar.
(Transferor)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15 kanals 11 marlas bearing Kulla Nos. 167/20, 21 situated at Village Satrod Khas, Tehsil and District Hissar.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 323 of May 1974 of the Registering Authority, Hissar).

G. P. SINGH,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 27-12-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 30th December 1974

Ref. No. LDH/450/74-75/—Whereas, I G P Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Land situated at Village Habawal Kalan, Tehsil and District Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in May and September, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (i) Shri Saranjit Singh,
 - (ii) Shri Amarjit Singh,
- sons of Shri Hira Singh,
Residents of Village Habawal Kalan,
Tehsil & District Ludhiana.

(Transferor)

(2) () Smt. Surinder Kumari w/o Krishan Kumar
Resident of Tagore Nagar
Ludhiana.

(ii) Smt. Lijwanti w/o Daulat Ram,
Resident of Chhawri Mohalla
Ludhiana.

(iii) Pyare Lal s/o Jiwan Dass
Resident of Chhawri Mohalla
Ludhiana.

(iv) Daulat Ram s/o Jiwan Dass
Resident of Arva School Road,
Ludhiana

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transaction of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 23 kanal 5 marlas situated in Village Habawal Kalan, Tehsil and District Ludhiana.

Registered Deed No. 576/May-1974, Khata No 548/600, Khasra No. 36/18/2.

Registered Deed No. 580, May-1974 Khata No 547/599, Khasra No. 36/18/1.

Registered Deed No. 4365/Sept. 74, Khata No 547/599, Khasra No. 36/12/6-Min.

Registered Deed No. 4366/Sept 74, Khata No. 547/599, Khasra No. 36/12/6-Min.

Registered Deed No. 4369/Sept 74, Khata No 547/599, Khasra No. 36/12/6-Min

Registered Deed No. 4369/Sept 74, Khata No. 547/599, Khasra No. 36/19-Min.

Registered Deed No. 4370 and 4371/September, 1974, Khata No 547/599, Khasra No

35

20 Min (5-17) 11/2 (5-8)

and Khata No 547/599, Khasra No.
35

20 Min (5-17) 20/2 Min (2-7)

as per Jamabandi 1971-72

(Property as mentioned in the Registered Deed Nos. 576 and 580 of May 1974 and Nos. 4365, 4366, 4370 and 4371 of September, 1974 of the Registering Authority, Ludhiana)

G. P. SINGH

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 30-12-1974

Seal :

FORM INTS— — —

(2) M/s. Oswal Woollen Mills Ltd,
Ludhiana,
through Shri V. dya Sagar Oswal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
OF INCOME-TAX

Chandigarh, the 24th December 1974

Ref. No. LDH/R/37/74-75/—Whereas I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Village Giaspura Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagjiwan Singh s/o Shri Walaiti Singh,
Resident of Jaspal Bangar,
Tehsil Ludhiana

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 24 kanal situated at Giaspura, Ludhiana (Property as mentioned in the Registered Deed No. 1846 of June, 1974 of the Registering Authority, Ludhiana) Khasra No. 47, Khata No. 195/221. Jamabandi 1968-69.

G. P. SINGH,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Chandigarh

Date : 24-12-1974

Seal

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Chandigarh, the 30th December 1974

Ref. No. DBS/18/74-75/.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land/ situated at Village Kishanpura, District Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dera Bassi in June, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Devinder Chander Chopra,
s/o Shri Bhagirath Chand,
Resident of Village Kishanpura,
District Patiala.

(Transferor)

- (2) Shri Harmohinder Singh s/o Shri Kartar Singh,
Resident of Kothi No. 2, Friends Colony,
Tailor Road, Amritsar.

(Transferee)

THE SCHEDULE

Land measuring 38 bigha 15 biswa situated at Village Kishanpura, District Patiala.

Khasra No.	973,	975,	976,	977,	978,	979,	980,	984,
	4-0	4-0	4-0	4-12	2-3	4-0	4-0	4-0
986, 987								
4-0	4-0							

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 489 of June 1974 of the Registering Authority, Dera Bassi.)

Land measuring 38 bigha 15 biswa alongwith buildings, poultry farm sheds, cattle sheds etc.

G. P. SINGH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Chandigarh

Date : 30-12-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 30th December 1974

Ref. No. DBS/19/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Village Kishanpura, District Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in June, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Uday Chopra s/o Shri D. C. Chopra,
Resident of Village Kishanpura,
District Patiala.
(Transferor)

(2) Shri Harmohinder Singh s/o Shri Kartar Singh,
Kothi No. 2, Friends Colony,
Tailor Road, Amritsar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 44 bighas 1 biswa situated in Village Kishanpura, District Patiala.

Khasra Nos. 967, 968, 969, 970, 971, 972, 974,

4-0 4-0 4-0 4-0 0-7 3-14 3-14

985, 988, 989, 990, 991.

4-0 4-0 4-0 4-0 4-0

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 490 of June, 1974 of the Registering Authority, Dera Bassi.)

G. P. SINGH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 30-12-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 15th November 1974

Ref. No. LDH/C/284/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 313/B-XIX-S-4, Dr. Sham Singh Road, situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under

sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Prem Nath Sud s/o Shri Jagan Nath, s/o Shri Nathoo Ram, Dr. Sham Singh Road, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Shri Amir Singh s/o Shri Sadhu Singh, s/o Shri Karam Singh, Resident of Village Mandiala, Tehsil Samrala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 501 sq. yds. out of property No. 313/B-XIX-S-4, Dr. Sham Singh Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2133 of May, 1974 of the Registering Authority, Ludhiana).

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 15.11.1974.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 26th November 1974

Ref. No. LDH/C/266/74-75 —Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent

Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot, Asha Puri Colony, situated at Barewal Awana, Tehsil Ludhiana

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) M/s. Dhir & Co. Colonizers Private Ltd.,
Regd. Office, 57-Bhadaur House, Ludhiana,
through Shri Ram Chand Dhir,
s/o Shri Shadi Ram,
Resident of Jodhowal-Managing Director.
(Transferor)

(2) Shri Prem Nath Sood s/o Shri Jagan Nath Sood,
s/o Nathoo Ram Sood,
Resident of B-19-313,
Dr. Sham Singh Road,
Civil Lines, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a such objection, and the transferee of the property.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1600 sq. yds. out of land comprising Khata No. 341/353, 342/354, Khasra Nos. 910, 911 and 900, situated at Barewal Awana, Tehsil Ludhiana, Asha Puri Colony.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 26-11-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 26th November 1974

Ref. No. LDH/C/369/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot in Ashapuri Colony situated at Barewal Awana, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Dhir and Co. Colonizers Private Ltd.,
57, Bhadaur House, Ludhiana,
through Shri Ram Chand Dhir.
(Transferor)
- (2) Shri Prem Nath Sood s/o Shri Jagun Nath Sood,
B-19-313, Dr Sham Singh Road,
Ludhiana,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1220½ sq. yds. out of land comprising Khata No. 341/353 342/354, Khasia Nos. 910, 911 and 900, situated at Barewal Awana, Tehsil Ludhiana, Asha Puri Colony.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range,
Chandigarh

Date : 26-11-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 26th November 1974

Ref. No. LDH/C/415/74-75.—Whereas, J. G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot in Ashapuri Colony situated at Barewal Awana, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in July, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) M/s, Dhir & Co. Colonizers Private Ltd.,
57, Bhadaur House, Ludhiana,
through Shri Ram Chand Dhir.

(Transferee)

(2) Shri Prem Nath Sood s/o Shri Jagan Nath Sood,
B-19-313, Dr. Sham Singh Road,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 629½ sq. yds. out of land comprising Khata No. 341/353, 342/354, Khasra Nos. 910, 911 and 900, situated at Barewal Awana, Tehsil Ludhiana, Asha Puri Colony.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 26-11-1974

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 30th November 1974

Ref. No. KNL/33/74-75/.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Village Kalsora, Tehsil Karnal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in May 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) (i) Shri Gian Singh s/o Smt. Lachhmi, d/o Smt. Nanhi,
(ii) Shri Gurdial Singh,
(iii) Shri Amar Singh, sons of Smt. Krishni, d/o Smt. Nanhi, Village Sarwan Majra, Tehsil Karnal.
(Transferor)
- (2) (i) Shri Kalyan Singh,
(ii) Shri Birkha Ram, sons of Malha, s/o Mam Raj,
(iii) Shri Sarwana s/o Surtia s/o Jai Ram,
(iv) Shri Bichha s/o Sadhu Ram s/o Harnam,
(v) Shri Ratia,
(vi) Shri Khajana,
(vii) Shri Ranjit, sons of Hardhian s/o Harnam. Village Kalsora, Tehsil Karnal.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have at right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 127 karnal 12 marlas, situated at Village Kalsora, Tehsil Karnal.

Khatauni No. 414, Khevat No. 359-Aayat No. 101, Khasras No. 21/1, 6.4, Aayat No. 102-Khasras Nos. 24/2/4.0, 25/8.0.

Aayat No. 108, Khasra No. 6/6.14, 15/2/4.4, 20/2/3.11, 25/2/3.11.

Aayat No. 109, Khasra Nos. 11/7.12, 19/8.0, 20/1/4.0, 20/2/2.0, 21/8.0, 22/3.17.

Aayat No. 124, Khasra Nos. 1/8.0, 2/4.4.

Aayat No. 125, Khasra Nos. 5/8.0.

Khatauni No. 416, Aayat No. 108, Khasra No. 5/9.0.

Khatauni No. 417, Aayat No. 108, Khasra Nos. 9/2/2.0, 10/6.0, 11/8.0, 12/8.0, 20/1/6.0 Jamabandi 64-65. (Property as mentioned in the Registered Deed No 969 of May, 1974 of the Registering Authority, Karnal).

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner,
of Income Tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 30-11-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 30th November 1974

Ref. No. KNL/38/74-75/—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land, situated at Village Garhi Bir Bal, Tehsil Karnal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in May, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) (i) Shri Puran,
(ii) Shri Jai Singh,
(iii) Shri Ram Kumar,
Sons of Shri Nathu Ram, s/o Shri Mansa Ram,
Residents of Village Khanpur.
(Transferor)
- (2) (i) Shri Prem Singh,
(ii) Shri Gurnam Singh,
(iii) Shri Gurmit Singh,
Sons of Ram Singh, S/o Banu Ram,
(iv) Shri Balwant Singh
(v) Shri Karamvir Singh,
(vi) Shri Dharamvir Singh,
Sons of Ajmer Singh S/o Harikishan,

- (vii) Yashpal, alias Iqbal,
(viii) Jaswant,
(ix) Jai Chand,
(x) Raj Pal,
Sons of Ram Rattan S/o Budh Ram.
(xi) Amin Lal,
(xii) Mail Singh,
(xiii) Chamail Singh
Son of Tehna Singh S/o Data Ram
Residents of Gertu Birbal, Tehsil Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 118 Kanal 7 marlas situated at Village Garhi Bir Bal, Tehsil Karnal.

Khevat No. 66 Khasras Nos, 56/17/10 65

	0.2	9,10,11,12,17		
		0.8, 1.15, 7.18, 7.2, 8.0		
14/1, 16, 18, 19	65			
3.8, 8.0, 8.0, 7.10	20	22	23	24/1
	2.6	1.0	8.0	5.8
66	89			
6	7	14	15	16
1.18	4.12	2.0	7.7	2.18
				2.14
90				2.11
				0.6
25.1/3.9				96
				1/8.0, 2/4.8

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1125 of May, 1974 of the Registering Authority, Karnal).

G. P. SINGH

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Chandigarh

Date : 30-11-1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 30th November 1974

Ref. No. KNL/39/74-75.—

Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Village Jundla, Tehsil Karnal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in May, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Shri Joginder Singh S/o Shri Baisabha Singh,
Village & Post Office Jundla Tehsil Karnal.
(Transferor)

(2) 1. Shri Devinder Singh,
2. Shri Satinder Singh,
3. Shri Balvinder Singh,
4. Shri Joginder Singh
5. Shri Jaspal Singh.
Sons of Shri Kartar Singh,
Residents of Village Baldi, Tehsil Karnal.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, Measuring 295 kanal 13 marlas, in Village Jundla, Tehsil Karnal

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1119 of May, 1974 of the Registering Officer, Karnal.)

Khatuni No. 599 & 1323 Khevat No. 383—Ayat No. 69—Khevat No. 890. Khasra Nos. 19/7.11, 20/7.4, 18/7.11, 21/7.12, 22/8.0, 24/8.0—Ayat No. 70—Killa No. 16/7.11, 17/7.11, 18/8.0, 19/1/1.8, 21/2/7.12, 22/3.14, 23/7.14, 24/8.0, 25/8.0. Ayat No. 92—Killa No. 23/8.0, 6/8.0 15/8.0, 16/8.0. Ayat No. 93—1/9.1, 2/4.16, 5/7.11, 6/8.0, 9/5.14, 10/8.18, 11/8.8, 12/6.4, 19/6.14, 20/7.18—Ayat No. 94 Killa No. 1/7.12, 2/8.0, 3/8.0 4/8.0, 7/8.0, 8/8.0 9/8.0, 10/7.12, 12/2/1.12, 13/6.7, 14/7.17, 15/1/3.0 Jamabandi 69-70.

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 30-11-1974
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh the 30th November 1974

Ref. No. CHD/105/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 51 Sector 4, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri D. K. Mahajan,
H. No. 51, Sector 4, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Avtar Singh Atwal,
Vice-Chancellor, Kashmir University, Srinagar
(disgrace) Adviser Agriculture, J & K Govt.
Room No. 109, New Secretariat, Srinagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 51, Sector 4, Chandigarh.

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 30-11-1974
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 17th December 1974

Ref. No. CHD/118/74-75.—

Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land, situated at Mani Majra, Union Territory, Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Bachan Singh, s/o Shri Arjan Singh,
R/o Village Mani Majra, Union Territory,
Chandigarh.
(Transferor)
- (2) The Mani Majra Motors Traders Union,
Mani Majra, through President
Shri Rajinder Singh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 12 kanal 14 marlas situated at Mani Majra, Union Territory, Chandigarh. Land is situated at Naisal Road near crossing of road to Chandigarh Railway Station and Madhya Marg, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 188 of the Registered Authority, Chandigarh for the month of May, 1974.)

Khewat No. 429 Khatauni No. 532, Khasra No. 89/15 (7-2), 89/16 (7-13), 90/11/2 (3-2), 90/20 (7-11), Total 25 kanal 8 marlas and 1/2 share of the same 12 kanal 14 marlas

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 17-12-1974
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 17th December 1974

Ref No. CHD/125-A/74-75.

Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land, situated at Mani Majra, Union Territory, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office of the registering officer at Chandigarh in May, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Gurmukh Singh,
2. Shri Sukhdev Singh,
R/o Mani Majra, Union Territory, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) The Mani Majra Motors Traders Union,
Mani Majra, Union Territory, Chandigarh, through
President Shri Rajinder Singh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 12 kanal 14 marlas situated at Mani Majra, Union Territory, Chandigarh. Land is situated at Naisal Road near crossing of road to Chandigarh Railway Station and Madhya Marg, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 144 of the Registering Authority, Chandigarh for the month of May, 1974.)

Khewat No. 429, Khatauni No. 532, Khasra No. 89/15 (7-2), 89/16 (7-13), 90/11/2 (3-2), 90/20 (7-11), Total 25 kanal 8 marlas and 1/2 share of the same 12 kanal 14 marlas.

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 17-12-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 17th December 1974

Ref. No. CHD/99/74-75.—

Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Agricultural land, situated at Village Dhannas, Union Territory, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of section 269D of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hazura Singh, s/o Shri Kabul, R/o Village Dhannas, Union Territory, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Romesh Chander Kalra s/o Shri Daulat Ram Kalra, R/o 3103, Sector 27-D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land, measuring 9 kanal 18 marlas, situated in Village Dhannas, Union Territory, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 123 of May, 1974 of the Registering Authority, Chandigarh.)

Khewat No. 53, Khatauni No. 85, Khasra No. $\frac{9/13/3/2}{3-13}$

$\frac{14/1}{2-14}$, total area 6 kanal 7 marlas $\frac{1}{2}$ share of the same

3 kanal 4 marla.

Khasra No. $\frac{9/30}{2}$, Khewat No. 4, Khatauni No. 167,

Khewat No. 103, Khatauni No. 166, Khasra No. $\frac{2/29}{2-3}$

and
Khewat No. 136, Khatauni No. 213, Khasra No. $\frac{9/3/2/2}{0-15}$

Khewat No. 138, Khatauni No. 215 and Khasra No. $\frac{9/9/1/1}{2-11}$ and $\frac{9/27}{1-2}$ total 3 kanal 13 marlas $\frac{1}{2}$ share of the same 1 kanal 16 marlas. Total 9 kanal 18 marlas.

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 17-12-1974
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 17th December 1974

Ref No. CHD/100/74-75.—

Whereas I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land, situated at Village Dhannas, Union Territory, Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Chandigarh in May, 1974,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent of such apparent consideration and that the content of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Hazura Singh,

2. Shri Ajaib Singh

3. Shri Nasib Singh,

s/o Shri Kabul

R/o Village Dhannas,

Union Territory, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Romesh Chander Kalia s/o Shri Daulat Ram Kalia,
3103, Sector 27-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land, measuring 13 kanal 4 marlas, situated in Village Dhannas, Union Territory, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 124 of May, 1974 of the Registering Authority, Chandigarh)

Khewat No. 60, Khatauni No. 93, Khasra No. 9/3/2, 9/7, 8, (1-10), (1-16), (8-0), Khewat No. 107, Khatauni No. 171, Khasra No. 9/28, Total area 13 kanal 4 marlas.

1/18

G. P. SINGH,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner

of Income-tax, Acquisition Range,

Chandigarh.

Date : 17-12-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 17th December 1974

Ref. No. CHD/136/74-75.—

Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

Being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1017, Sector 27-B, built on plot No. 2-F, Sector 27-B, situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Chandigarh in June, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bhagwati, c/o
M/s Baldev Bros;
Cloth Merchants, Chaura Bazar, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) 1. Smt. Shakti Rani,
2. Smt. Jai Shree Sharma,
R/o 229, Sector 9-C, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1017, Sector 27-B, built on Plot No. 3-F, Sector 27-B, Chandigarh. (Area 2083.33 sq. yds.)

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date : 17-12-1974

Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
156 SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 17th December 1974

Ref. No. UMB/18/74-75.—

Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority

under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Village Dhulkot, behind Forest Office, Ambala,

more, (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been

transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in June, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Rajinder Singh,
2. Shri Surinder Singh,

3. Shri Varinder Singh,

4. Shri Satinder Singh,
S/o Shri Gurdial Singh,
C/o Shri Varinder Singh Sarpanch,
Chamkaur Sahib, District Ropar.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Ram Lubhaya, S/o Shri Diwan Chand,
91-Manauli House, Model Town, Ambala City.

2. Shri Sewa Ram Thaper, S/o Shri Ganga Ram,
Anaj Mandi, Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 kanal 17 marlas situated in village Dhulkot, behind Forest Office, Ambala.

Khasra No	Area
24	2 kanal 02 marlas.
46	
47	2 kanal 05 marlas.
25	1 kanal 02 marlas.
32	
35	1 kanal 06 marlas.
38	3 kanal 02 marlas.
	9 kanal 17 marlas.

Khata No. $\frac{93}{111}$ & $\frac{252}{291}$

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1044 of June, 1974 of the Registering Officer, Ambala.)

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Chandigarh.

Date: 17-12-1974

Scal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th September 1974

Ref No. RAC No. 32/74-75.—Whereas, I S. Balasubramaniam being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 6-3-1110, situated at Begumpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 1-5-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sreelatha Bhupal,
R/o 6-3-1100/B Somajiguda Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Sri Bharat Ram Bhupal, Gegumpet, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Western portion of house bearing Municipal No. 6-3-1110 situated at Begumpet, Hyderabad consisting of main house, out-houses and the land appurtenant thereto area of which is as follows:

Total area of land including built up area 2433.129 Sq. Meters. Build up area 568.405 sq. Meters.

Boundaries

North: Challapalli house.

South: Raj Bhavan Main Road.

East: Houses belonging to Kumar Somanadri Bhupal and Kumar Keshav Bhupal.

West: Raj Bhavan Begumpet, Main Road.

S. BALASUBRAMANIAM/
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 28-11-1974

Seal:

FORM ITNS—

(2) Shri V. Sudeishan S/o V. Venkaiah,
Timber Merchant Shah Gunj, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 19th December 1974

Ref. No. RAC No. 64/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 16-2-145/5/3 situated at New Malakpet Hyderabad Parshu Ram Nagar, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Azampura on 3-5-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Potharaju Rukmani W/o Potharaju Krishnarao,
R/o Washington, U.S.A., per her G.F.A. Holder
Shri G. S. Dwaikeshwara Rao
S/o Satya Harishchandra Rao Advocate,
4-8-700, Gowliguda, Hyderabad,
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and appurtenant land bearing Municipal No. 16-2-145/5/3, (Plot No. 12, admeasuring 440 sq yds. situated at New Malakpet, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 19-12-1974
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 19th December 1974

Ref No. RAC No. 65/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. C situated at Eden Garden, Ramkote, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on 25-5-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Vijaya Kapadia W/o Kirti Kumar Kapadia, Kutchi Jain, 'Kapadia Nivas', Somajiguda, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Smt. Shanta Bai Agarwal W/o Ramlalji Agarwal, Old Peelkhana, Osmangunj, 15-1-52/1 Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece & parcel of land admeasuring about 1051 sq. yds. equivalent to 879 sq. meters complete with fences and all the hutments standing thereon which is plot No. C in the sanctioned plan of the Municipal Corporation of Hyderabad together with all right, privileges, leaseholds, etc., formerly formed part of the Eden Garden Estate bearing Municipal Nos. 3-5-121 & 142, situated in the locality of Eden Gardens, Ramkote, Sultanbazar, Hyderabad

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 19-12-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 21st December 1974

Ref. No. RAC No. 66/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16/448/42/C4 situated Ramamurthynagar, Nellore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Nellore on 27-5-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) 1. Sri Annam Anjanyulu Reddy, 2. Annam Pavankumar Reddy, 3. Annam Sreevesulureddy, all Ss/o Late Sri Sundara Kamireddy Ramamurthynagar, Nellore.

(Transferor)

(2) Dr. Pellakuru Jayaparda, Asst. Civil Surgeon in Maternity Hospital, Nellore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Nellore town Ramamurthynagar, Ward No. 16. Door No. 448/42/64 No. 15305/4.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 21-12-1974

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 21st December 1974

Ref No. RAC No. 67/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M. No. 3-5-121 & 142 situated at Eden Garden Estate, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 31-5-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Leclam Kapadia W/o Dhirajlal Tokars
Kapadia, H. No. 6-3-660 Somajiguda, Hyderabad.
(Transferor)

- (2) Smt. Kantabai Agarwal W/o Sri Ishwar Lalji
Agarwal H. No. 15-1-52/1, Osmanabad,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Open land 954 Sq. Meters, plot No. B at Eden Garden, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 21-12-1974
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 26th December 1974

Ref. No. RAC No. 70/74-75.—Whereas, J. K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16/473 situated at Pogathota Nellore Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nellore on 30-5-1974 for an Nellore on 30-5-1974 apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Dr. M. K. Rajagopala Chary, C/o Sri K. Santhanam, No. 10-12-163/J, Seethapalmandi, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Yanati Srinivasulu Reddy

S/o Ramachandrarreddy and Sri Y. Ramanamma,
W/o Y. Ramchandrarreddy.R/o Pidathapolur, village, Nellore Tq. Nellore.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Bearing No. 16/473 at Pogathota, Nellore.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 26-12-1974

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Rameshchander Jaiswal,
Through GPA Jeethla Jaiswal, 3-5-1083
Narayanguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Kantaraj S/o Arundas,
H. No. 3-4-433, Narayanguda Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 4th January 1975

Ref. No. RAC No. 77/74-75.—Whereas, I. K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No 3-5-1066 & 1067, situated at Narayanguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 1-5-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Land and Building No. 3-5-1066 and 3-5-1067,
at Narayanguda, Hyderabad.
Area 269 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range

Hyderabad

Date: 4-1-1975

Sd/

FORM ITNS—

(1) Sri Omprakash S/o Ramchander,
2-RT-38, CIB, Chandulal Baradari, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri Gyarsilal, S/o Koushalchand
P/r in M/s Vishnu Dall & Floor Mills,
Mukthyargunj, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 4th January 1975

Ref. No. RAC No. 78/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 18-2-45, situated Chandrayangutta, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 7-5-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1967);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : 18-2-45, Chandrayangutta, Hyderabad.
Area 8509, Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range
Hyderabad.

Date : 4-1-1975

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 4th January 1975

RAC No. 79/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 3-5-1063 & 1077 situated at Narayanguda, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 16-5-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Sri S. R. Jaiswal S/o Sri Jeetlal Jaiswal,
Through G.P.A. Sri Jeetlal Jaiswal
No. 3-5-1083, Narayanguda, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Sri Arjundas, 3-4-433, Narayanguda, Hyderabad.
(Transferee)

44 GI/74

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: House No. 3-5-1063 and 1077 situated at Narayanguda, Hyderabad.

Area: 177 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 4-1-1975

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 4th January 1975

RAC No. 80/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-1-27 situated at R. P. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on 16-5-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sri K. Kashinath S/o Venkiah,
H. No. 3-3-86, Kurmabasti, Secunderabad.
(Transferor)
- (2) Smt. Bandari Lavmamma W/o B. Mallappa,
H. No. 17-2-343, Kurmaguda, Saidabad,
Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 5-1-27, at Kingsway, Secunderabad.
Area 305 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Hyderabad

Date : 4-1-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 7th January 1975

RAC No. 82/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-3-347/17/2 situated at Dwarakapuri Colony Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Hyderabad on 6-5-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Sri Dr. N. Ramesan, I.A.S. S/o Late Sri K. Natesa Iyer, Member Board of Revenue, Government of Andhra Pradesh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Neena Manchanda W/o Sri S. K. Manchanda, R/o H. No. 15, Shantinagar, Hyderabad-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 6-3-347/17/2, situated in S. No. 142, in Dwarakapuri Colony, Hyderabad-4.
Area : About 1640 Sq. Ft.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad

Date : 7-1-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th January 1975

RAC No. 84/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-8-747/4 situated at Nallakunta, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 27-5-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri M. Satyanarayana, 2. Smt. M. Chandamma, W/o Mulliah, 3. Sri M. Ramesh Narayan, all are residing at H. No. 1-8-747/4 at Nallakunta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri C. Krishnamurthy, S/o C. Veriah, R/o M-Jall, Medchal Tq. Hyderabad Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 1-8-747/4 Nallakunta, Hyderabad.

Area : 290.13 Sq. Mts.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 10-1-75

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Harihar Chintaman Natu,
413/A, Shanwar Peth, Poona-2.

(Transferor)

- (2) Shri Bal Vinayak Joshi,
20, Prashant Nagar, Navi Peth, Poona-30.

(Transferee)

- (3) M/s Purohit General Stores,
413/A Shanwar Peth, Poona-2.
(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property . House No. 413/A-2, Shanwar Peth, Poona-2.

Area : 1600 Sq. ft.
Freehold.

H. S. AULAKH;

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Poona.

Date : 4-1-1975
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA

Poona-411004, the 4th January 1975

No. C A.5/May'74/Haveli-II/152/74-75.—Whereas, I, H. S. Aulakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 413/A-2 situated at Shanwar peth, Poona-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II, Poona on 10-5-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA

Poona-411004, the 4th January 1975

No. C.A. 5/May'74/Haveli-II/153/74-75.—Whereas, I, H. S. Aulakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 413/A-1 situated at Shanwar Peth, Poona-2, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II, Poona on 10-5-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Raghunath Chintaman Nattu,
413/A Shanwar peth, Poona-2.

(Transferor)

(2) Shri Bal Vinayak Joshi,
20, Prashant Nagar, Navi Peth, Poona-30.

(Transferee)

†(3) 1. Dr. S. G. Gadre
2. Shri Ram Bhawe
3. Shri K. D. Deshmukh
all of 413/A Shanwar Peth, Poona-2.
(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice hereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice thereof shall be given to every person who has made right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property : House No. 413/A-1, Shanwar Peth, Poona-2.

Area : 1500 Sq. ft.
Freehold.

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Poona.

Date : 4-1-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA

Poona-411004, the 6th January 1975

No. C.A.5/Haveli-I/May'74/156/74-75.—Whereas, I, H. S. Aulakh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 27/598-C, bearing Cantonment No. 57 situated at New Bazar, Kirkee, Poona-3, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-I, Poona on 17-5-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Champalal Premraj Jain,
No. 59, Kirkee Bazar, Poona-3. (Transferor)
- (2) Shri Nihalchand Roopchand Shah,
No. 57, New Bazar, Kirkee, Poona-3. (Transferee)
- (3) 1. Shri Kanyalal Ratanchand
2. Shri M. R. Jain
3. Shri Himatlal Champalal
4. Shri R. R. Kohatli
5. Shri K. V. Jain
6. Shri D. R. Nagarkar
7. Shri T. V. Venkatraman
8. Shri S. K. Jain
9. Shri V. P. Agarwal
10. Shri N. R. Shah.
all at No. 57, New Bazar, Kirkee, Poona-3.
(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land & Building situated at New Bazar, Kirkee, recorded in the General Land Register of the Cantonment of Kirkee as S. No. 27/598C and bearing Cantonment Board No. 57, New Bazar, Kirkee, Poona-3.

Area: 1783.25 Sq. ft.
Land: Leasehold.

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Poona.

Date: 6-1-1975
Seal.

FORM ITNS—

(1) Shri V. T. Kothari,
318/19, Chatursinghi Road, Poona-16
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri D. G. Pathak,
C/o Spaco Carburettors (India) Ltd.,
Post Box No. 13, Chinchwad, Poona-19.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA

Poona-411004, the 7th January 1975

No. C.A. 5/May'74/Haveli-II/157-74-75.—Whereas, I
H. S. Aulakh,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value exceed-
ing Rs. 25,000/- and bearing No.
Survey No. 55/2/1 situated at Aundh, Poona-7,
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred as per deed registered
under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer at
Haveli-II, (Poona) on 27-5-74,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in
respect of any income arising from the trans-
fer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the
Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings
for the acquisition of the aforesaid property in terms
of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I
hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons,
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hear-
ing the objections, if any, made in response to this
notice against the acquisition of the immovable pro-
perty will be fixed, and notice thereof shall be given
to every person who has made such objection, and
the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to
whom notice is given under the preceding paragraph
shall have a right to be heard at the hearing of the
objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot at Survey No. 55/2/1 at Aundh, Poona-7.
Area : 10452.243 sq. ft.
Freehold.

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Poona.

Date : 7-1-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) K. T. Kothari,
318/19, Chaturshinghi Road, Poona-16.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTIONS 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri D. G. Pathak,
C/o Spaco Carburettors (India) Ltd.,
Post Box No. 13, Chinchwad, Poona-19.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA

Poona-411004, the 7th January 1975

No. C.A.5/May'74/Haveli-II/157/74-75.—Whereas, I, H. S. Aulakh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 55/2/1 situated at Aundh, Poona-7, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Haveli-II, (Poona) on 27-5-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—
27-444—GI/74

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot at Survey No. 55/2/1 at Aundh, Poona-7.
Area : 10215 sq. ft.
Freehold.

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Poona.

Date : 7-1-1975
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA

Poona-411004, the 8th January 1975

No. C.A.5/May'74/Haveli-II/159/74-75.—Whereas, I H. S. Aulakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 124/1/A-1 situated at Parvati, Poona, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Haveli-II (Poona) on 14-5-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Gangadhar Sitaram Phule,
2. Shri Bal Gangadhar Phule,
3. Shri Ulhas Gangadhar Phule,
minor by his guardian No. 1.
4. Smt. Yamunabai Gangadhar Phule
all residing at plot No. 4, S. No. 1, Sadashiv
peth, Poona.

(Transferor)

- (2) Archana Co-op. Housing Society, Ltd.,
Chairman: Vishnu Vithal Gogate,
Block No. 1, Varsha Apartments,
33/5 Prabhat Road, Poona-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold
Open plot at Survey No. 124/1/A-1, Parvati, Poona.
Area: 3431 sq. mtrs.
Open Plot within the limit of Poona Municipal Corporation, and bounded as follows:
On or towards the East—Nalla and vendors remaining land,
On or towards the South—Land of Smt. Taibal Phule
On or towards the West—Proposed 40 ft. T.P. Road
On or towards the North—Tavare's land.

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Poona.

Date: 8-1-1975
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA

Poona-411004, the 8th January 1975

No. C.A.5/May'74/Haveli-II/160/74-75.—Whereas, I H. S. Aulakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 548, Survey No. 124/1/B-1 situated at Parvati, Poona, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II (Poona) on 14-5-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) (i) Smt. Taibai Baburao Phule,
1023, Sadashiv peth, Poona.
(ii) Smt. Indumati Sopanrao Lardage,
759/75-2, Deccan Gymkhana, Poona-4.
(Transferor)
- (2) Archana Co-op. Housing Society, Ltd.,
Chairman : Shri Vishnu Vithal Gogate,
Block No. 1, Varsha Apartments,
33/5 Prabhat Road, Poona-4.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold
Open Plot at Final Plot No. 548, Survey No. 124/1/B-1 at Parvati, Poona.
Area : 2692.6 sq. mtrs.
Open Plot in the limit of Poona Municipal Corporation, and bounded as follows :
On or towards the East—Naltha and Final Plot No. 546
On or towards the South—P.W.D. Colony and Final Plot No. 546.
On or towards the West—Remaining land of vendors.
On or towards the North—Final Plot No. 549.

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 8-1-1975
Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Narottam Manibhai Ramanl Rameshchandra Manibhai Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 7th January 1975

Ref. No. AR.V/7/4/74-75.—Whereas, I, J. M. MEHRA, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 177, S. No. 249, Hissa No. 3 situated at Ghotkopar (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-5-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gordhandas Shivchandrai and Mrs. Parmeshwaridevi Gordhandas,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of vacant land situate lying and being in the Village of Ghatkopar being Plot No. 17 of Garodia Nagar Scheme, Ghatkopar, being part of Survey No. 249 Hissa No. 3, in the Registration Sub-District and District of Bombay City and Suburban admeasuring 950 sq. yards equivalent to 794.30 sq. meters or thereabouts.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-V,
Bombay.

Date : 7-1-1975.

Seal :

FORM ITNS

(2) Bhimsandesh Co-operative Housing Society Ltd.,
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 7th January 1975

Ref. No. AR.V/8/5/74-75.—Whereas, I, J. M. MEHRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

S. No. 292 Part Hissa No. 18 situated at Mulund

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 17-5-1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Trimbak Ramchandra Patil,
2. Kamlakar Ramchandra Patil

(Transferor)

“(3) T. R. Patil and K. R. Patil. [Person in occupation of the property].

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Situated in S. No. 292 Part Hissa No. L B West Mulund, Bombay-80. Area 1194.9 sq. metres.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-V,
Bombay.

Date : 7-1-1975.
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 10th January 1975

Ref. No. AR-V 90/74-75 (Vol. I).—Whereas, I, J. M. MEHRA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 50 H. No. 1 (part) S. No. 7 H. No. 10 (part), S. No. 50 H. No. 2 (Part) situated at Village Mohili (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Bombay on 9-5-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Ratilal Vallabhji Vora & Others partners of Sam Hita Industrial Enterprises.
(Transferor)

(2) Shri Yeshwantraji Ramkrishna Dave.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All those pieces and parcels of vacant Agricultural land situate lying and being at village Mohili of Kurla Andheri Road Taluka Kurla in the Registration Sub-District Bandra District Bombay Suburban now in Greater Bombay and admeasuring in all 2100 sq. yds. (equivalent to 1756 sq. metres) or thereabouts being Survey No. 50, Hissa No. 1 (part) Survey No. 7 Hissa No. 10 (part) and Survey No. 50 Hissa No. 2 (part) and bounded as follows: that is to say on or towards the North by land bearing Survey No. 7 Hissa No. 10 on or towards South by Nalla on or towards the East by land bearing Survey No. 50, Hissa No. 2 (part) and on or towards the West by land bearing Survey No. 50 Hissa No. 1 (part).

J. M. MEHRA.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-V

Bombay.

Date: 10-1-1975

Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Yeshwantra Ramkrishna Dave.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ratilal Vallabhji Vora and Ors. partners of Sam-Hita Industrial Enterprises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 10th January 1975

Ref. No. AR V/90/74-75 (Vol. II).—Whereas, I, J. M. MEHRA,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 8 H. No. I (Part) 5 and 10 situated at Village Mohili,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 9-5-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All those pieces and parcels of vacant Agricultural land or ground lying and being at Village Mohili of Kurla Andheri Road Taluka Kurla in the Registration Sub-District of Bandra District Bombay Suburban now in Greater Bombay and bearing the following survey Nos. and Hissa nos.

Survey No.	Hissa No.	Area sq. yds.	Area sq. metres
8	1	484	404.68
8	5	423	353.77
8	10	968	808.75
		1875	1567.10

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-V,

Date : 10-1-1975

Seal :
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG BOMBAY-20.

Bombay-20, the 30th December 1974

Ref. No. ARI/806-6/May 74.—Whereas, I, S. S. PHADKE, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay

being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. CS. 1620 of Mahim Division situated at Kashinath Dhuru Street, Cadell Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sub-Registry, Bombay on 8-5-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Kirtikumar Mohanlal Mehta, (Transferor)
- (2) Shri Nanji Jivraj Karani and Ors. (Transferee)
- (3) Tenants. [Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land or ground of freehold tenure with the messuage tenement or dwelling house standing thereon, situate lying and being at Kashinath Dhuru Street, Cadell Road in the City and Island and Sub-Registration District of Bombay containing by admeasurement five hundred and seventy four decimal seventy nine square yards i.e., 480.65 sq. metres or thereabouts and registered in the books of the Collector of Land Revenue under New Survey Nos. 1624 and 1626 (part) and cadastral survey No. 1620 of Mahim Division and in the books of the Collector of Municipal Rates and Taxes under G. Ward No. 2703 (3) Old Street No. 1380 and New Street No. 25A and bounded as follows:—that is to say, on or towards the East by the property of Balaram Pandurang Parelkar bearing C.S. No. 70 of Mahim Division, and on or towards the West by 20 feet land belonging to the Bombay Municipal Corporation reserved for access on or towards the North by 50 feet Cross Road now known as Kashinath Dhuru Street and on or towards the South by the property bearing C.S. 59 of Mahim Division.

S. S. PHADKE,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bombay.

Date : 30th December, 1974

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 30th December 1974

Ref. No. AR1/806-6/May 74.—Whereas, I, S. S. PHADKE, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. CS 1620 of Mahim Division situated at Kashinath Dhuru Street, Cadell Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub-Registry, Bombay on 8-5-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Kirtikumar Mohanlal Mehta. (Transferor)

(2) Nanji Jivraj Karani & Ors. (Transferee)

(3) Tenants. [Person in occupation of the property].

28—444GI/74

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land or ground of freehold tenure with the messuage tenement or dwelling house standing thereon, situate lying and being at Kashinath Dhuru Street, Cadell Road in the City and Island and Sub-Registration District of Bombay containing by admeasurement five hundred and seventy four decimal seventy nine square yards i.e., 480.65 sq. metres or thereabouts and registered in the books of the Collector of Land Revenue under New Survey Nos. 1624 and 1626 (part) and cadastral survey No. 1620 of Mahim Division and in the books of the Collector of Municipal Rates and Taxes under G. Ward No. 203 (3) Old Street No. 1380 and New Street No. 25A and bounded as follows:—that is to say, on or towards the East by the property of Balaram Pandurang Parekar bearing C.S. No. 70 of Mahim Division, and on or towards the West by 20 feet land belonging to the Bombay Municipal Corporation reserved for access on or towards the North by 50 feet Cross Road now known as Kashinath Dhuru Street and on or towards the South by the property bearing C.S. 59 of Mahim Division.

S. S. PHADKE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bombay.

Date : 30th December, 1974
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 1st November 1974

Ref. No. AP-191/L.A.C., AR-IV/74-75.—Whereas, I, Shri G. S. RAO, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-IV, Bombay being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 251, T.P.S. III situated at Mauge, Ghatkopar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Bombay on 29-5-1974, consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shanta Meghji Shah, Shanti Niwas, Deodhar Rd. Matunga, Bombay-19.

(Transferor)

- (2) J. K. Co-op. Hsg. Soc. Ltd. 275, J. K. House, Telang Road, Matunga, Bombay-19.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that plot of land situate lying and being at Mauge Ghatkopar in the Registration Sub-District Bandra, of Bombay Suburban District containing by admeasurement 850 square yards i.e. 710.69 square metres bearing final plot No. 251 of the Town Planning Scheme No. III Ghatkopar being City Survey No. 5731 and bounded as follows :—that is to say on or towards the North by final plot No. 252 open land and garden, on or towards South by final Plot No. 250, on or towards the East by Final Plot No. 255 and on or towards the West by 30 feet Scheme Road.

G. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-IV,
Bombay.

Date : 1st November, 1974,
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri A. M. Iranl

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Yazdan Shapoor Cooperative Housing Society Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY-20

(3) Members (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Bombay-20, the 14th January 1975

No. AR-II/1012/2376/74-75.—Whereas, I, V. R. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (here in after referred to as the said act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 42/14, 15A, 15B (Pt) City S. No. 242, 243, 273 (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 2-5-1974 for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land situate at Vile Parle (East), Bombay-57 in the Bombay Suburban District, Registration Sub-District Bandra admeasuring about 522 square yards (equivalent to 436.45 square meters) and bearing Plot No. 12 given in the plan of the sub-Division approved by the Municipal Corporation of Greater Bombay and bearing Survey No. 42 Hissa No. 14 CTS No. 242 Survey No. 15A, CTS No. 243 and Survey No. 15B (part) CTS No. 273 and Survey No. 44 Hissa No. 2 (part) and CTS No. 252 and bounded on or towards the North by Plot No. 1 on or towards the South by Plot No. 13 on or towards the West by a chawl and on or towards the East by Mahatma Gandhi Road, Extension together with the building named Yazdan constructed thereon.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act 1961 or the Wealth Tax Act, 1957 (27) of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby intimate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

V. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay.

Date : 14-1-1975

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 13th January 1975

No. AR-II/1014/2395/74-75.—Whereas, I, V. R. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Final Revised Plot No. 23 TPS No. VI S. No. 228 H. Nos. 5, 6 & 13 situated at Vile Parle (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 18-5-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act :) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Alimuddin Gafoor Samsuddin Maniar
(Transferor)
- (2) Nava Akalpita Cooperative Housing Society Limited,
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of vacant land or ground situate lying and being to the East side of a forty four feet wide public road known as Third Road in the Revenue village of Vile Parle Taluka Andheri District Bombay Suburban registration sub-district of Bandra Registration District Bombay Suburban being Final Revised Plot No. 23 (formerly plot No. 32) of Andheri Town Planning Scheme No. VI as varied originally forming part of land bearing Survey No. 228 Hisva Nos. 5, 6 and 13 admeasuring 970 sq. yds. equivalent to 800.04 meters thereabouts and being assessed by the Municipal Corporation under K Ward No. 7838(5) and bounded as follows that is to say on or towards the North by the Revised Final Plot No. 21 (formerly bearing Plot No. 31) on or towards the South by a revised final plot No. 24 (formerly bearing Plot No. 34) on or towards the East by Revised Final Plot No. 22 (formerly bearing Plot No. 33) on or towards the West by the Andheri Town Planning Scheme Road No. Three and delineated on a plan annexed to the indenture and thereon shown surrounded a red coloured boundary lines.

V. R. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay.

Date : 13-1-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA

Poona-411004, the 13th January 1975

No. C.A.5/May'74/Sholapur/161/74-75.—Whereas, I, H. S. Aulakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Final plot No. 24A (Part) CTS No. 8928A/2, Survey No. 9A situated at Sholapur City, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 2nd May 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the deduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas, the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ratanchand Hirachand,
Construction House, Ballard Estate, Bombay-1.
(Transferor)
- (2) The Indian Hume Pipe Co., Ltd.,
Construction House, Ballard Estate, Bombay-1.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.—

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land situate at Sholapur in Town Sholapur and in the Region District Sholapur Sub District Sholapur and Taluka North Sholapur within the Municipal limits of Sholapur known as Upathye plot bearing Survey No. 9A in Town Planning Scheme No. 4 Final Plot No. 24A (Part) CTS No. 8928A/2 admeasuring 3 acres out of which 19 gunthas have been acquired by Government and hence balance land is 2 acres 21 gunthas or 10218.3114 sq. metres being Sholapur City Survey No. 8928A/2 part and bounded as follows :

On or towards the North Survey No. CTS No. 8928A/1 part.

On or towards the South by land 19 gunthas acquired by Government for ring road.

On or towards the West by Old Barsi Road.

On or towards the East by CTS No. 8928A/1 (Part). Leasehold land.

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition
Range, Poona.

Date : 13-1-1975

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Sukhnath Cooperative Housing Society Ltd.,
President Shri B. B. Patel.
C/o. Taluka Panchayat, Amreli.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 8th November 1974

No. 23-1-168(101)/2-1/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey Nos. 89 & 90/1, Plot Nos. 24, 25, 26, 28 to 34 situated at Chargadh Road, Amreli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amreli on 9-5-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Dudhiben Ramjibhai, Savjipara, Amreli.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 3888-32 sq. meters bearing Survey Nos. 89 and 90/1, Plot Nos. 24, 25, 26, 28 to 34, situated at Chargadh Road, Amreli and bounded as under :—

East : Railway line.
West : Krishuanagar.
North : Sukhnathapara.
South : Chargadh Road.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition
Range-I, Ahmedabad.

Date : 8-11-1974
Seal :

FORM JTNS—

(2) M/s. Amrish Shival & Co., through its partner—
Shri Shival Chhaganlal Patel,
Ishanpur Mota, Tal. Dehgam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 20th September 1974

No. 156Acq.23-176/14-4/74-75.—Whereas, I P. N. Mittal, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sur. No. 909 & 910 known as Adharia Ginning & Pressing Factory, situated at Kadi—Dist. Mehsana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kadi on 7-5-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Navinchandra Prahladiji Patel,
Prop. of Adharia Ginning & Pressing Factory,
Station Road, Kadi. (N.C.)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property known as Adharia Ginning & Pressing Factory comprising of land admeasuring 11 acres and 17 gunthas bearing Sur No. 909 and 910 factory buildings, plant & machineries situated in Village KADI as described in Sale Deed No. 338 dated 7-5-1974 registered by the Registering Officer, Kadi.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition
Range-II, Ahmedabad

Date : 20-9-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380003, the 28th November 1974

No. Acq 23-I-179(106)/1-1/74-75.—Whereas, I J. Kathuria, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 1418, 1419, Municipal Census No. 1090, 1091, Jamalpur Ward-I, situated at Tadnisher, Tajpur, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 2-5-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Manilal Ganeshji Khatri,
2. Shri Harilal Ganeshji Khatri,
3. Shri Prahlad Ganeshji Khatri,
4. Shri Vasudev Harilal Khatri,
5. Shri Ishvarlal Harilal Khatri,
6. Shri Nareshkumar Harilal Khatri,

Tadnisher, Jamalpur, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shri Karsanbhai Huseenbhai Bhati,
Champa Mill's Chawl, Near Kachni Masjid,
Jamalpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land bearing Survey No. 1418, Municipal Census No. 1090 (admeasuring 30 sq. yds); and Survey No. 1419, Municipal Census No. 1091 (admeasuring 74 sq. yds.) Sheet No. 92 of Jamalpur Ward-I and situated at Tadnisher, Tajpur, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition
Range-I, Ahmedabad.

Date : 28-11-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 7th December 1974

No. Acq.23-I-182(111)/1-1/74-75.—Whereas, I J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 668, Sheet No. 44, Muni. Census No. 1277, 1277-I, Shahpur Ward-I situated at Near Rangila Pole Navghari, Shahpur, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 8-5-1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

29—444GI/74

- (1) 1. Shri Naranbhai Mangaldas Patel,
2. Shri Niranjana Naranbhai Mahadevia,
3. Shri Pankaj Naranbhai,
4. Smt. Pushpavati Narandas,
Bungalow No. 20, Seema Society, St. Xavier's High School Road, Ahmedabad-14.

(Transferor)

- (2) Shri Ratilal Karshandas Gandhi,
Heera Building, 1st Parsi Wada Bombay-4.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land admeasuring 147 sq. yds. bearing Survey No. 668, Sheet No. 44, Municipal Census No. 1277, 1277-I, Shahpur Ward-I, and situated at Navghari, Near Rangila Pole, Shahpur, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition
Range-I, Ahmedabad.

Date : 7-12-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 8th November 1974

No. Acq. 23-1-189(102)/16-6/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 143, 155, 171 and house No. 2710, Ward No. 8, situated at East bank of Aji River, Rajkot, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on May, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Manilal Dalpatrai Shukla,
2. Shri Nautamlal Dalpatrai Shukla,
Near Sadar Baug, Rajkot. (Transferor)
- (2) 1. Shri Gopalji Bechar Gohel,
2. Shri Machha Karna Dabhi,
3. Shri Arunbhai Dayabhai Dabhi,
4. Shri Ashokkumar Gopalji Gohel,
5. Shri Mukund Gopalji Gohel,
10, Vijay Plot, Rajkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land admeasuring 3433-1-6 sq. yds, bearing Survey No. 143, 155, 171 house No. 2710 Ward No. 8, situated at East Bank of Aji river and near the Pamjara Bridge, and bounded as under:—

East : Temple of Sheetla matha
West : 40 ft. road.
North : 30 ft. road.
South : Wall of Jadeshwar Temple.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition
Range-I, Ahmedabad,

Date : 8-11-1974
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 28th November 1974

No. Acq.23-I-195(105)/1-1/74-75.—Whereas, I J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 143, F.P. No. 388, Sub-Plot No. 24, T.P. No. 6, situated at Fatehnagar, Paldi, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-5-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Trustees of Composition Trust
 1. Shri Anubhai Devjibhai Rathod,
"Dev Bhuvan", Pritamnagar, Ellisbridge,
Ahmedabad.

2. Shri Sarabhai Jagabhai Shah,
Deep Kunj Society, Paldi,
Ahmedabad-7.
3. Shri Mahendrabhai Manilal Shah,
Jain Merchant Society, Paldi, Ahmedabad.
4. Shri Kantilal Thakordas Kazi,
Near Pritamnagar, Akhada, Ellisbridge,
Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Chandrakant Ratilal Shah,
2. Shri Dilip Ratilal Shah,
3. Shri Paresb Ratilal Shah,
4. Shri Mitrasen Ratilal Shah,
Gujarat Society, Kankaria, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bungalow standing on land admeasuring 967 sq. yds. bearing Survey No. 143, Sub-Plot No. 24, Final Plot No. 388-24 & 388-24-1 of T.P. Scheme No. 6 and situated at Fatehnagar, Paldi, Ahmedabad and bounded as under :—

East : Sub-Plot No. 23,
West : 30' Road.
North : Sub-Plot No. 17-18
South : Sub-Plot No. 25.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner, of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 28-11-1974
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 7th December 1974

No. Acq.23-I-196(110)/1-1/74-75.—Whereas, I J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sub-Plot No. 20-1 Final Plot No. 622 T. P. Scheme No. 5 situated at Kochrab, Ahmedabad. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 24-5-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Chandulal Kalidas Patel,
2. Smt. Kantaben Chandulal,
3. Shri Surendra Chandulal Patel,
4. Shri Bhupendra Chandulal Patel,
5. Shri Prakash Chandulal Patel,
6. Shri Rajnikant Chandulal Patel,
24, Hatkeshwar Society, St. Xavier's Road,
Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) Shri Rohitbhai Ranchhodhbhai Patel,
Smt. Shardaben Ranchhodhbhai Patel,
Bungalow No. 7-A, Atulpark, Naranpura
Char Rasta, Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 489.53 sq mtrs. bearing Sub-Plot No. 20-1, Final Plot No. 622, of T.P Scheme No. 3 and situated at Kochrab, Ahmedabad and bounded as under :—

East : Sub-Plot No. 20-2.
West : Sub-Plot No. 21
North : Road.
South : F.P. No. 621

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 7-12-1974
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 21st November 1974

No. PR 171Acq.23-205/19-7&8/74-75.—Whereas, I P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sur. No. 85-2 Paiki and 87-A-2 Paiki situated at Fulpada, Tal. Chorasi, Dist. Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 10-5-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Suryakant Chimanlal
Chanchalben Chimanlal
Minors—Anil Suryakant, Piyush Suryakant,
Guardian Sushilaben Suryakant, Surat

(Transferor)

- (2) Principal Officer,
Shakti Vijay Co-operative Housing Society Ltd.,
Fulpada through—
President—Dabubhai Jasbhai Patel
Secretary Harmanbhai Bhikhabhai Patel
Member—Narendrakumar Gunvantrai Thakar,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing Sur. No. 85-2 and 87-A-2 Paiki—

1. South side plot No. 5 admeasuring 2762 Sq. yds.
 2. West side plot No. 1 admeasuring 2650 Sq. yds.
 3. South side plot No. 6 admeasuring 2762 Sq. yds.
 4. North side plot No. 2 admeasuring 2650 Sq. yds.
 5. West side plot No. 7 admeasuring 2762 Sq. yds.
 6. East side plot No. 3 admeasuring 2649 Sq. yds.
 7. North side plot No. 2 admeasuring 2632 Sq. yds.
 8. South side plot No. 4 admeasuring 2632 Sq. yds.
 9. East side plot No. 4 admeasuring 2762 Sq. yds.
 10. North side plot No. 3 admeasuring 2632 Sq. yds.
- situated at Fulpada, Tal. Chorasi, Dist. Surat as mentioned in the registered deeds Nos. 1732 to 1741 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 21-11-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 21st November 1974

No. PR.169.Acq.23-225/6-1/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sur No. 78 Plot No. 57 (Land and Building) situated at Haribhakti Colony, near Race Course Circle, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 2-5-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Kanchanlal Pitamberdas Shah
2. Smt. Puspavti Kanchanlal Shah
3. Shri Dinesh Kanchanlal Shah

4. Shri Nirav Dinesh (minor) through his guardian Shri Dinesh Kanchanlal Shah.
5. Rajesh Kanchanlal Shah through Power of Attorney—holder, Shri Kanchanlal Pitamberdas Shah, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) M/s. Shroff Cooper & Co., through its partner—Shri Vasantlal Nanalal Shroff, Bombay.

(Transferee)

- (3) M/s. Shashant Trading Co., 57, Haribhakti Colony, Jetalpur, near Race Course, Baroda. (Person in occupation of the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building on Sur No. 78 plot No. 57 at Haribhakti Colony, near Race Course Circle, Baroda—Land admeasuring 7880 Sq ft. with Bungalow as fully described in Sale Deed registered under Registration No. 1899 on 2-5-1974 by registering officer, Baroda.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition
Range-II, Ahmedabad.

Date : 21-11-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 21st November 1974

Ref. No. PR.170Acq.23-241/13-8/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open land bearing Sur. No. 172 admeasuring 33275 Sq. yds. situated at Chaklasi Patti, Nadiad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadiad on 16-5-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vitthalbhai Chunibhai Desai
Shri Haribhai Chunibhai Desai
Shri Rambhai Chunibhai Desai
Desai Vago, Nadiad.

(Transferor)

- (2) Gandhi Park Co-operative Housing Society Ltd. Nadiad—through its Chairman—Shashikant Ishwerbhai Patel, Secretary—Vithalbhai Shivabhai Patel. (Transferee)
- (3) Shri Narendrabhai Chhaganbhai Patel—Janakpur Society, Baroda as confirming party, (person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 172 admeasuring in all 33275 Sq. Yards situated at Chaklasi Patti, Nadiad as fully described in—Sale Deeds registered under No. 1432, 1433, 1434, 1435 and 1436 on 16-5-1974 by the registering officer, Nadiad.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition
Range-II, Ahmedabad.

Date : 21-11-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, HANDILOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009 the 8th November 1974

Ref. No. Acq.23-T-213(104)/16-6/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 27 and 28, situated at Kuvadva Road, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 30-5-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Kantilal Liladhar Nathwani, Karta of HUF, National Auto Spares, 531-A, Sindhuist Bridge, Chowpati, Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. Kohinoor Paper Industries, Surendra Nagal Road, Rajkot.
Through its partners.

(1) Shri Prakash Vallabhdas Sheth,

(2) Shri Dinker Vallabhdas Sheth,

(3) Shri Rajnikant Mohanlal Sheth,

(4) Shri Nitin Ramniklal Sheth,

(5) Shri Smt. Prabhakumver Khushaldas Mehta,

(6) Shri Subhas Vallabhdas Sheth,

(7) Shri Babubhai Dayabhai Gohel

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property (with Structure) admeasuring 11 Acres 20 Gunthas, bearing 27 and 28 (Survey Numbers), situated at Kuvadva Road, Rajkot and bounded as under :—

East : Wadi of Ranchhodhbhai.

West : Lalpari Street.

North : Wadi of Ranchhodhbhai.

South : Wadhwan Road.

J. KATHURIA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I,

Ahmedabad

Date : 8-11-1974

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 6th January 1975

Ref. No. Acq. 23-I-218(120)/18-5/74-75.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 1697, Sub-Plot No. 2/A, situated at Ambawadi, Wadhwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhwan on 31-5-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mohanlal Danabhai Makwana, Patrawali Chawl, Gitamandir Road, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Gohil Potteries, through its partners:—

- (1) Shri Tulsibhai Danabhai,
- (2) Shri Chhaganbhai Tulsibhai,
- (3) Shri Kisanlal Tulsibhai, Chhipa Chawl, Gitamandir Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property standing on land admeasuring 2050 sq. yds. bearing Survey No. 1697, Sub-Plot No. 2/A and situated at Ambawadi Wadhwan, Gujarat.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 6-1-1975
Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, HANDIOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 2nd November 1974

Ref. No. PR. 167-Acq. 23-235/19-8/74-75.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Rev. Sur. No. 42 Paiki and No. 43 Paiki, situated at Udhna Ta: Chorasi, Dist. Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Surat on 3-5-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Baroda Bricks Factory through partners:—
 (1) Jeevanlal Joitaram
 (2) Jayantilal Jeevanlal
 (3) Hiralal Jeevanram Sagrampura, Sachin House Surat.
 (Transferor)
 (2) Jeevan Jyot Nagar Flats Cooperative Housing Society, Udhna, Surat through its:—
 President: Shri Maganbhai Narottambhai Patel
 Secretary: Shri Shantilal Himatlal
 Member: Shri Dineshchandra Sakarlal
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property being land (with plinth level construction) bearing Rev. Sur. No. 42 paiki and No. 43 Paiki situated at Udhna (Surat-Udhna Road) Ta: Chorasi Dist. Surat admeasuring 1364 sq. yds. (of building No. 1) as mentioned in registered deed No. 1670 of May 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II,
 Ahmedabad

Date: 2-11-1974

Seal:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1975

New Delhi-110011, the 8th February 1975

No. F.17/4/74-E.I(B).—In the Union Public Service Commission Notice No. F. 17/4/74-E.I(B) dated 7th December, 1974 relating to the Indian Forest Service Examination, 1975, published in the Gazette of India dated 7th December, 1974 the following amendments shall be made :—

(i) For the figure '(vi)' occurring in line 1 of second sub-para of para 3 of Annexure II to the Notice, the figure

'(iv)' shall be substituted.

(ii) The words "3 (iii) above within one month after the last date for", occurring in line 10 of the N.B. below para 3 (iv) of Annexure II to the Notice shall be deleted.

(iii) For the word "Tribes" occurring in line 22 of the form of certificate to be produced by the SC/ST candidates under para 4 of Annexure II to the Notice, the word 'Castes' shall be substituted.

T. D. JOSHI

Under Secretary

Union Public Service Commission

